



Ratna Jyoti®

An ISO Certified Company
GSTIN:-19ADBPN6598G1Z1



OUR
EXPERIENCE
YOU CAN TRUST



sample

01 Jan 2019

05:04 PM

Durgapur

Model: Web-LaIKitabPearl

Order No: 107570401

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।



લિંગ _____ : પુલિલંગ
જન્મ તિથિ _____ : 01/01/2019
દિવસ _____ : મંગળવાર
જન્મ સમય _____ : 17:04:00 ઘંટે
ઈષ્ટ _____ : 26:42:40 ઘટી
સ્થાન _____ : Durgapur
દેશ _____ : India

અક્ષાંશ _____ : 23:31:13 પૂર્વ
રેખાંશ _____ : 87:18:42 ઉત્તર
મધ્ય રેખાંશ _____ : 82:30:00 પૂર્વ
સ્થાનિક સંસ્કાર _____ : 00:19:15 ઘંટે
ગ્રીષ્મ સંસ્કાર _____ : 00:00:00 ઘંટે
સ્થાનિક સમય _____ : 17:23:14 ઘંટે
વેલાન્તર _____ : -00:03:20 ઘંટે
સામ્પાતિક કાલ _____ : 00:06:35 ઘંટે
સૂર્યોદય _____ : 06:22:55 ઘંટે
સૂર્યાસ્ત _____ : 17:05:34 ઘંટે
દિનમાન _____ : 10:42:38 ઘંટે
સૂર્ય સ્થિતિ(અયન) _____ : ઉત્તરાયણ
સૂર્ય સ્થિતિ(ગોલ) _____ : દક્ષિણ
ઋતુ _____ : શિશિર
સૂર્ય નું અંશ _____ : 16:37:47 ઘનુ
લગ્ન નું અંશ _____ : 17:09:50 મિથુન

અવકહડા ચક્ર

લગ્ન-લગ્નાધિપતિ _____ : મિથુન - બુધ
રાશિ-સ્વામી _____ : તુલા - શુક્ર
નક્ષત્ર-ચરણ _____ : વિશાખા - 2
નક્ષત્ર સ્વામી _____ : ગુરુ
યોગ _____ : ધૃતિ
કરણ _____ : બાલવ
ગણ _____ : રાક્ષસ
યોનિ _____ : વ્યાઘ્ર
નાડી _____ : અન્ત્ય
વર્ણ _____ : શૂદ્ર
વશ્ય _____ : માનવ
વર્ગ _____ : સર્પ
યુજ્જા _____ : મધ્ય
હંસક _____ : વાયુ
જન્મ નામાક્ષર _____ : તૂ-તુકારામ
પાયા(રાશિ-નક્ષત્ર) _____ : ચાંદી - તામ્ર
સૂર્ય રાશિ(પાશ્ચાત્ય) _____ : મકર

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

પંચાંગ

દાદા નુ નામ _____ :
પિતા નુ નામ _____ :
માતા નુ નામ _____ :
જાતિ _____ :
ગોત્ર _____ :

| કેલેન્ડર | વર્ષ | માહ | તિથિ/પ્રવિષ્ટે |
|------------|---------------|------------|----------------|
| રાષ્ટ્રીય | શક : 1940 | પૌષ | 11 |
| પંજાબી | સંવત : 2075 | પૌષ | 17 |
| બંગાલી | સન : 1425 | પૌષ | 16 |
| તામિલ | સંવત : 2075 | મારગાલી | 17 |
| કેરલ | કોલ્લમ : 1194 | ધનુ | 17 |
| નેપાલી | સંવત : 2075 | પૌષ | 17 |
| ચૈત્રાદી | સંવત : 2075 | પૌષ | કૃષ્ણ 11 |
| કાર્તિકાદી | સંવત : 2075 | માર્ગશીર્ષ | કૃષ્ણ 11 |

પંચાંગ

સૂર્યોદયના સમયની તિથિ _____ : 11
તિથિ સમાપ્તિ કાલ _____ : 25:28:32
જન્મ તિથિ _____ : 11
સૂર્યોદયના સમયની નક્ષત્ર _____ : સ્વાતિ
નક્ષત્ર સમાપ્તિ કાલ _____ : 08:43:46 ઘંટે
જન્મ યોગ _____ : વિશાખા
સૂર્યોદયના સમયની યોગ _____ : ધૃતિ
યોગ સમાપ્તિ કાલ _____ : 26:40:47 ઘંટે
જન્મ યોગ _____ : ધૃતિ
સૂર્યોદયના સમયની કરણ _____ : બવ
કરણ સમાપ્તિ કાલ _____ : 13:18:36 ઘંટે
જન્મ કરણ _____ : બાલવ
ભયાત _____ : 20:50:35
ભભોગ _____ : 62:18:35
દશા નું ભોગ્યકાલ _____ : ગુરૂ 10 વર્ષ 7 મા 10 દિ

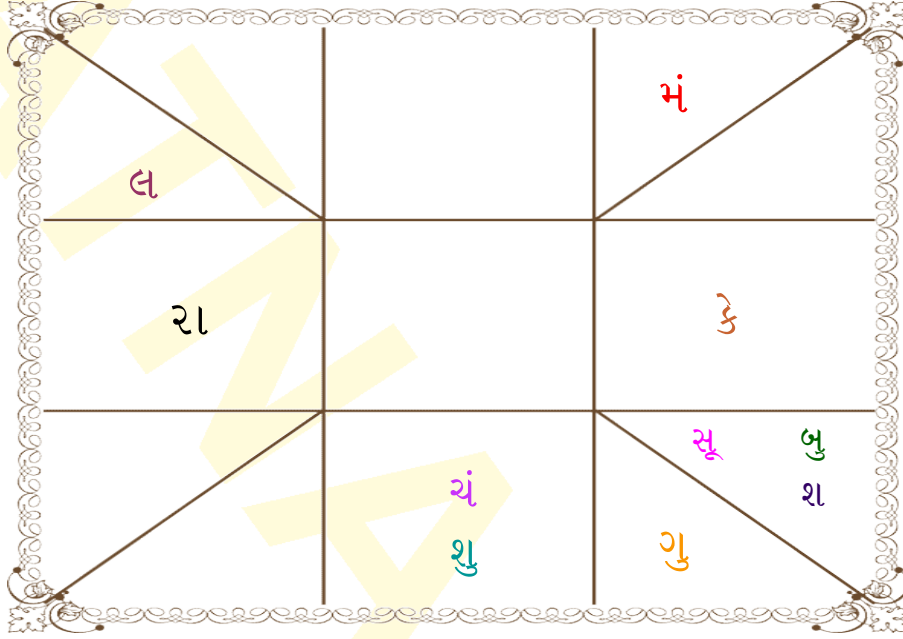
ઘાત ચક્ર

માસ _____ : માઘ
તિથિ _____ : 4-9-14
દિવસ _____ : ગુરૂવાર
નક્ષત્ર _____ : શતભિષા
યોગ _____ : શુકલ
કરણ _____ : તૈતિલ
પ્રહર _____ : 4
વર્ગ _____ : ગરૂડ
લગ્ન _____ : કન્યા
સૂર્ય _____ : કન્યા
ચંદ્ર _____ : ધનુ
મંગળ _____ : તુલા
બુધ _____ : કર્ક
ગુરૂ _____ : વૃશ્ચિક
શુક્ર _____ : ધનુ
શનિ _____ : સિંહ
રાહુ _____ : મકર

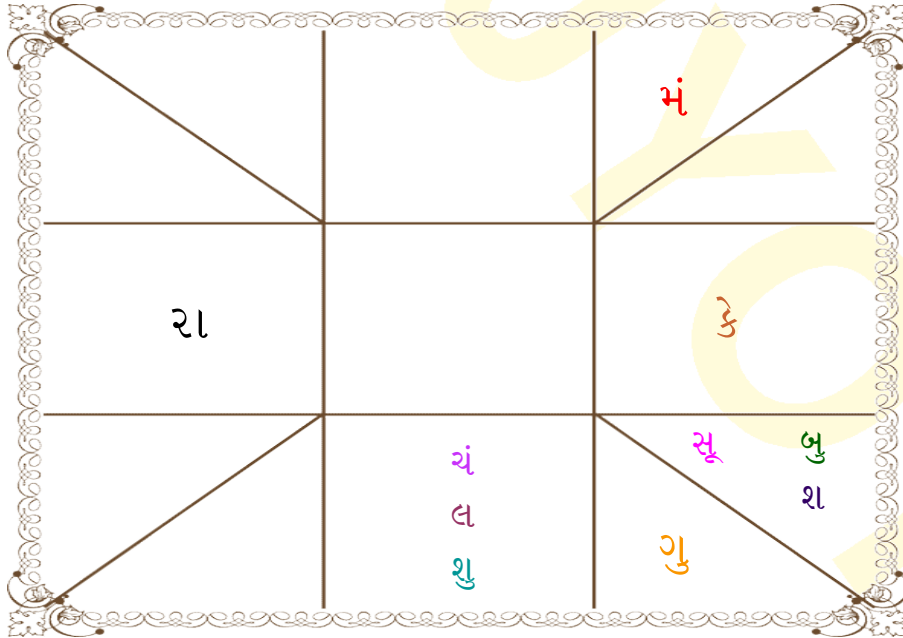


જન્મ કુંડળી

લગ્ન કુંડળી



ચંદ્ર કુંડળી



लग्न कुंडली और दशा

लग्न कुंडली

| | | | |
|---------------|----|----------|----|
| मं | | | ल |
| | | | रा |
| के | | | |
| श सू भु | गु | शु चं | |

लग्न कुंडली

| | | | |
|----|----------|---------------|----|
| | | मं | |
| ल | | | |
| रा | | के | |
| | चं शु | सू भु श | गु |

विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 7मा 10दि
गुरु

01/01/2019

14/08/2133

| | |
|-------|------------|
| गुरु | 13/08/2029 |
| शनि | 12/08/2048 |
| भुध | 13/08/2065 |
| केतु | 12/08/2072 |
| शुक्र | 12/08/2092 |
| सूर्य | 13/08/2098 |
| चंद्र | 13/08/2108 |
| मंगल | 14/08/2115 |
| राहु | 14/08/2133 |

योगिनी
धान्या 1वर्ष 11मा 26दि
धान्या

01/01/2019

28/12/2020

| | |
|--------|------------|
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |
| | 01/01/2019 |
| उल्का | 29/06/2019 |
| सिद्धा | 28/01/2020 |
| संकटा | 28/09/2020 |
| मंगला | 28/10/2020 |
| पिंगला | 28/12/2020 |



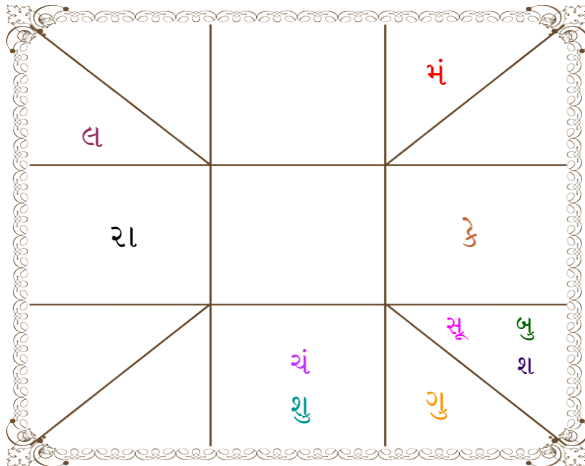
ગ્રહ સ્પષ્ટ અને તેની સ્થિતિ

| ગ્રહ | રાશિ | અંશ | સ્થિતિ | અંધા | સોયા | ધર્મા | નેક/મન્દા |
|-------|---------|----------|------------|------|------|-------|-----------|
| લગ્ન | મિથુન | 17:09:50 | --- | --- | --- | --- | નેક |
| સૂર્ય | ધનુ | 16:37:47 | મિત્ર રાશિ | --- | --- | --- | નેક |
| ચંદ્ર | તુલા | 24:29:21 | સમ રાશિ | --- | હા | --- | નેક |
| મંગળ | મીન | 06:08:25 | મિત્ર રાશિ | --- | --- | --- | મન્દા |
| બુધ | ધનુ | 00:26:30 | સમ રાશિ | --- | --- | --- | નેક |
| ગુરુ | વૃશ્ચિક | 17:45:08 | મિત્ર રાશિ | --- | હા | --- | નેક |
| શુક્ર | તુલા | 29:51:01 | સ્વરાશિ | --- | હા | --- | મન્દા |
| શનિ | ધનુ | 17:18:56 | સમ રાશિ | --- | --- | --- | મન્દા |
| રાહુ | વ કર્ક | 02:44:17 | શત્રુ રાશિ | --- | --- | --- | નેક |
| કેતુ | વ મકર | 02:44:17 | શત્રુ રાશિ | --- | --- | --- | મન્દા |

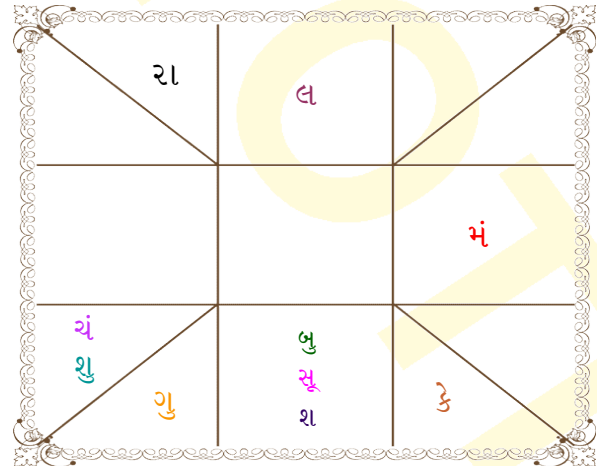
ભાવ સ્થિતિ

| ખાના નં. | માલિક | પકકા ઘર | કિસ્મત જગાનેવાલા | સોયા | ઉચ્ચ | નીચ |
|----------|-------|------------|------------------|------|-------------|-------------|
| 1 | મંગળ | સૂર્ય | મંગળ | હા | સૂર્ય | શનિ |
| 2 | શુક્ર | ગુરુ | ચંદ્ર | --- | ચંદ્ર | --- |
| 3 | બુધ | મંગળ | બુધ | હા | રાહુ | કેતુ |
| 4 | ચંદ્ર | ચંદ્ર | ચંદ્ર | હા | ગુરુ | મંગળ |
| 5 | સૂર્ય | ગુરુ | સૂર્ય | --- | --- | --- |
| 6 | બુધ | બુધ, કેતુ | કેતુ | --- | બુધ, રાહુ | શુક્ર, કેતુ |
| 7 | શુક્ર | શુક્ર, બુધ | શુક્ર | --- | શનિ | સૂર્ય |
| 8 | મંગળ | મંગળ, શનિ | ચંદ્ર | --- | --- | ચંદ્ર |
| 9 | ગુરુ | ગુરુ | શનિ | --- | કેતુ | રાહુ |
| 10 | શનિ | શનિ | શનિ | --- | મંગળ | ગુરુ |
| 11 | શનિ | શનિ | ગુરુ | હા | --- | --- |
| 12 | ગુરુ | ગુરુ, રાહુ | રાહુ | --- | શુક્ર, કેતુ | બુધ, રાહુ |

લગ્ન કુંડળી



લાલકિતાબ કુંડળી



मैत्रीयक सारिणी

| ग्रह | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| सूर्य | --- | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | सम | सम | सम | शत्रु |
| चंद्र | मित्र | --- | शत्रु | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | शत्रु | सम |
| मंगल | मित्र | मित्र | --- | सम | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | सम |
| बुध | मित्र | सम | शत्रु | --- | शत्रु | मित्र | शत्रु | मित्र | शत्रु |
| गुरु | मित्र | मित्र | मित्र | सम | --- | सम | शत्रु | शत्रु | शत्रु |
| शुक्र | सम | सम | शत्रु | मित्र | शत्रु | --- | मित्र | सम | मित्र |
| शनि | सम | सम | सम | मित्र | शत्रु | मित्र | --- | मित्र | शत्रु |
| राहु | सम | शत्रु | सम | मित्र | शत्रु | सम | मित्र | --- | मित्र |
| केतु | शत्रु | सम | सम | शत्रु | शत्रु | मित्र | शत्रु | मित्र | --- |

ग्रह/राशि इल

| ग्रह | वर्णन | इल |
|-------|---|------|
| सूर्य | कम कबीला. | राशि |
| चंद्र | बच्चों के दूध नी माया तथा आत्मिक नदी. | --- |
| मंगल | शीटी के घर भगवान राजा. | --- |
| बुध | दुनिया के लिखे पारस. | --- |
| गुरु | मुहूर्तपोर मगर साधु स्वभाव. | राशि |
| शुक्र | बच्चों थी भरा हुआ घर परिवार. | --- |
| शनि | विधाता नी कलम. | --- |
| राहु | राजा गुरु के मातहत. | ग्रह |
| केतु | बच्चों की मुहूर्त के गम में छत पर रोने वाला कुत्ता. | --- |

चंद्र कुंडली

| | | |
|----|---------------|---------------------|
| | | मं |
| रा | | के |
| | चं ल शु | सू बु श गु |

लालकिताब चंद्र

| | | |
|----------|----------|----|
| शु चं | ल | रा |
| गु | | |
| बु श | सू के | मं |

ગ્રહ સ્પષ્ટ અને તેની સ્થિતિ

| ગ્રહ | વ અ | રાશિ | અંશ | ગતિ | નક્ષત્ર | પદ | નં. | રા | ન | અં. | સ્થિતિ |
|---------|-----|-------|----------|-----------|------------|----|-----|-------|-------|-------|------------|
| લગ્ન | | મિથુન | 17:09:50 | 320:24:29 | આર્દ્રા | 4 | 6 | બુધ | રાહુ | શુક | --- |
| સૂર્ય | | ધનુ | 16:37:47 | 01:01:10 | પૂર્વાષાઢા | 1 | 20 | ગુરુ | શુક | ચંદ્ર | મિત્ર રાશિ |
| ચંદ્ર | | તુલા | 24:29:21 | 12:52:47 | વિશાખા | 2 | 16 | શુક | ગુરુ | બુધ | સમ રાશિ |
| મંગળ | | મીન | 06:08:25 | 00:40:19 | ઉ.ભાદ્રપદ | 1 | 26 | ગુરુ | શનિ | બુધ | મિત્ર રાશિ |
| બુધ | | ધનુ | 00:26:30 | 01:27:57 | મૂલ | 1 | 19 | ગુરુ | કેતુ | કેતુ | સમ રાશિ |
| ગુરુ | | વૃશિ | 17:45:08 | 00:12:35 | જ્યેષ્ઠા | 1 | 18 | મંગળ | બુધ | બુધ | મિત્ર રાશિ |
| શુક | | તુલા | 29:51:01 | 00:59:06 | વિશાખા | 3 | 16 | શુક | ગુરુ | ચંદ્ર | સ્વરાશિ |
| શનિ | અ | ધનુ | 17:18:56 | 00:07:06 | પૂર્વાષાઢા | 2 | 20 | ગુરુ | શુક | ચંદ્ર | સમ રાશિ |
| રાહુ | વ | કર્ક | 02:44:17 | 00:02:27 | પુનર્વસુ | 4 | 7 | ચંદ્ર | ગુરુ | રાહુ | શત્રુ રાશિ |
| કેતુ | વ | મકર | 02:44:17 | 00:02:27 | ઉત્તરાષાઢા | 2 | 21 | શનિ | સૂર્ય | ગુરુ | શત્રુ રાશિ |
| હર્ષલ | વ | મેષ | 04:29:40 | 00:00:17 | અશ્વિની | 2 | 1 | મંગળ | કેતુ | ચંદ્ર | --- |
| નેપ | | કુમ્ભ | 19:58:21 | 00:01:15 | શતભિષા | 4 | 24 | શનિ | રાહુ | મંગળ | --- |
| પ્લૂ | | ધનુ | 26:29:28 | 00:02:00 | પૂર્વાષાઢા | 4 | 20 | ગુરુ | શુક | કેતુ | --- |
| દશમ ભાવ | | મીન | 07:40:16 | -- | ઉ.ભાદ્રપદ | -- | 26 | ગુરુ | શનિ | કેતુ | -- |

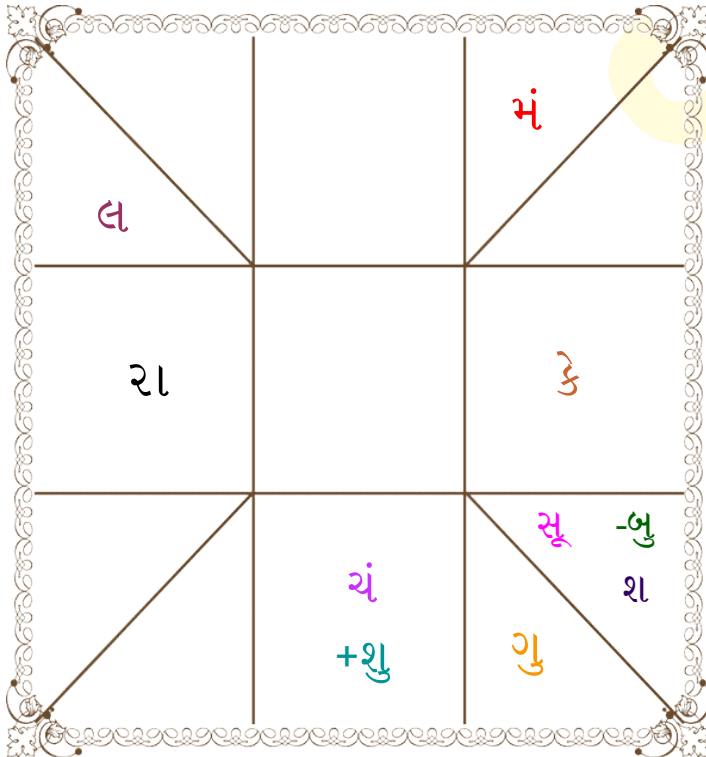
વ - વકી સ - સ્થિર

અ - અસ્ત પૂ - પૂર્ણ અસ્ત

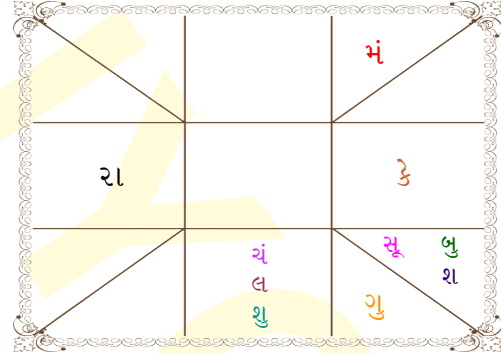
રાહુ : સ્પષ્ટ

ચિત્ર પક્ષીય અયનાંશ : 24:07:06

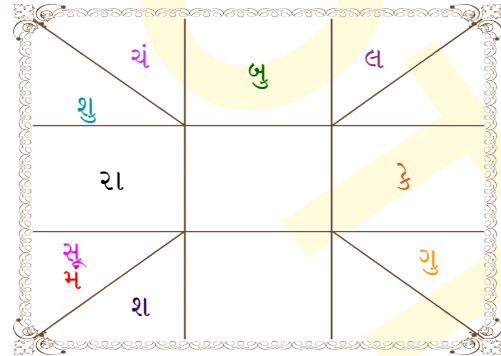
લગ્ન-ચલિત



ચંદ્ર કુંડળી



નવમાંશ કુંડળી



ચલિત અને નિરયાણ ભાવ ચલિત

ચલિત અંશ

| ભાવ | ભાવ સંધિ | ભાવ મધ્ય |
|-----|----------------|------------------|
| 1 | મિથુન 00:34:54 | મિથુન 17:09:50 |
| 2 | કર્ક 00:34:54 | કર્ક 13:59:58 |
| 3 | કર્ક 27:25:03 | સિંહ 10:50:07 |
| 4 | સિંહ 24:15:11 | કન્યા 07:40:16 |
| 5 | કન્યા 24:15:11 | તુલા 10:50:07 |
| 6 | તુલા 27:25:03 | વૃશ્ચિક 13:59:58 |
| 7 | ધનુ 00:34:54 | ધનુ 17:09:50 |
| 8 | મકર 00:34:54 | મકર 13:59:58 |
| 9 | મકર 27:25:03 | કુમ્ભ 10:50:07 |
| 10 | કુમ્ભ 24:15:11 | મીન 07:40:16 |
| 11 | મીન 24:15:11 | મેષ 10:50:07 |
| 12 | મેષ 27:25:03 | વૃષભ 13:59:58 |

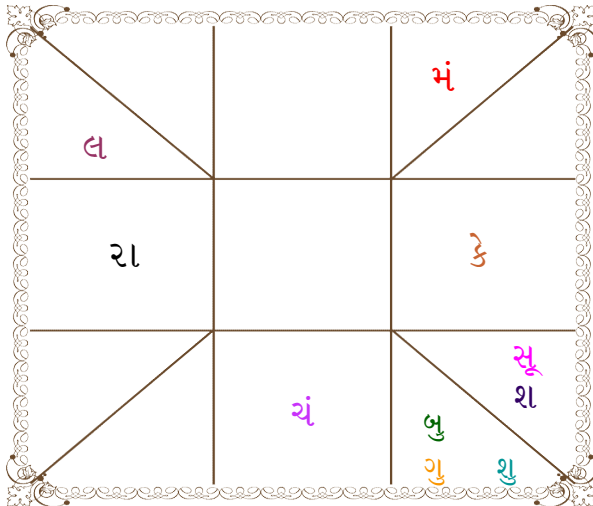
નિરયાણ ભાવ ચલિત

| ભાવ | રાશિ | અંશ |
|-----|---------|----------|
| 1 | મિથુન | 17:09:50 |
| 2 | કર્ક | 10:55:13 |
| 3 | સિંહ | 07:06:51 |
| 4 | કન્યા | 07:40:16 |
| 5 | તુલા | 11:50:08 |
| 6 | વૃશ્ચિક | 15:53:46 |
| 7 | ધનુ | 17:09:50 |
| 8 | મકર | 10:55:13 |
| 9 | કુમ્ભ | 07:06:51 |
| 10 | મીન | 07:40:16 |
| 11 | મેષ | 11:50:08 |
| 12 | વૃષભ | 15:53:46 |

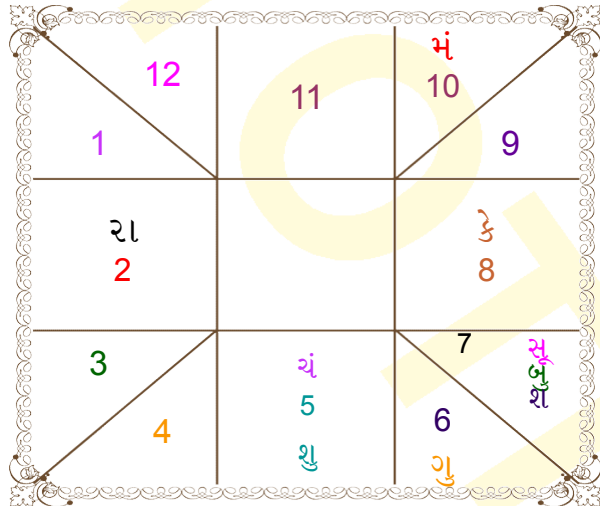
તારા ચક્ર

| જન્મ | સમ્પત | વિપત | ક્ષેમ | પ્રત્યારિ | સાધક | વધ | મિત્ર | અતિમિત્ર |
|------------|-----------|---------|---------|-------------|------------|--------|----------|----------|
| વિશાખા | અનુરાધા | જયેષ્ઠા | મૂલ | પૂર્વાષાઢા | ઉત્તરાષાઢા | શ્રવણ | ધનિષ્ઠા | શતભિષા |
| પૂ.ભાદ્રપદ | ઉ.ભાદ્રપદ | રેવતી | અશ્વિની | ભરણી | કૃતિકા | રોહિણી | મૃગશિર્ષ | આર્દ્રા |
| પુનર્વસુ | પુષ્ય | આશ્લેષા | મઘા | પૂ.ફાલ્ગુની | ઉ.ફાલ્ગુની | હસ્ત | ચિત્રા | સ્વાતિ |

ચલિત કુંડળી



ભાવ કુંડળી



લાલકિતાબ દશા

| | | | | | | | | | |
|---------------------|------------|---------------------|------------|---------------------|------------|---------------------|------------|---------------------|------------|
| શનિ 6 વર્ષ | | રાહુ 6 વર્ષ | | કેતુ 3 વર્ષ | | ગુરુ 6 વર્ષ | | સૂર્ય 2 વર્ષ | |
| 01/01/2019 | | 01/01/2025 | | 01/01/2031 | | 01/01/2034 | | 01/01/2040 | |
| 01/01/2025 | | 01/01/2031 | | 01/01/2034 | | 01/01/2040 | | 01/01/2042 | |
| રાહુ | 01/01/2021 | મંગળ | 01/01/2027 | શનિ | 01/01/2032 | કેતુ | 01/01/2036 | સૂર્ય | 01/09/2040 |
| બુધ | 01/01/2023 | કેતુ | 01/01/2029 | રાહુ | 01/01/2033 | ગુરુ | 01/01/2038 | ચંદ્ર | 02/05/2041 |
| શનિ | 01/01/2025 | રાહુ | 01/01/2031 | કેતુ | 01/01/2034 | સૂર્ય | 01/01/2040 | મંગળ | 01/01/2042 |
| ચંદ્ર 1 વર્ષ | | શુક્ર 3 વર્ષ | | મંગળ 6 વર્ષ | | બુધ 2 વર્ષ | | શનિ 6 વર્ષ | |
| 01/01/2042 | | 01/01/2043 | | 01/01/2046 | | 01/01/2052 | | 01/01/2054 | |
| 01/01/2043 | | 01/01/2046 | | 01/01/2052 | | 01/01/2054 | | 01/01/2060 | |
| ગુરુ | 03/05/2042 | મંગળ | 01/01/2044 | મંગળ | 01/01/2048 | ચંદ્ર | 01/09/2052 | રાહુ | 01/01/2056 |
| સૂર્ય | 01/09/2042 | શુક્ર | 01/01/2045 | શનિ | 01/01/2050 | મંગળ | 02/05/2053 | બુધ | 01/01/2058 |
| ચંદ્ર | 01/01/2043 | બુધ | 01/01/2046 | શુક્ર | 01/01/2052 | ગુરુ | 01/01/2054 | શનિ | 01/01/2060 |
| રાહુ 6 વર્ષ | | કેતુ 3 વર્ષ | | ગુરુ 6 વર્ષ | | સૂર્ય 2 વર્ષ | | ચંદ્ર 1 વર્ષ | |
| 01/01/2060 | | 01/01/2066 | | 01/01/2069 | | 01/01/2075 | | 01/01/2077 | |
| 01/01/2066 | | 01/01/2069 | | 01/01/2075 | | 01/01/2077 | | 01/01/2078 | |
| મંગળ | 01/01/2062 | શનિ | 01/01/2067 | કેતુ | 01/01/2071 | સૂર્ય | 02/09/2075 | ગુરુ | 02/05/2077 |
| કેતુ | 01/01/2064 | રાહુ | 01/01/2068 | ગુરુ | 01/01/2073 | ચંદ્ર | 02/05/2076 | સૂર્ય | 01/09/2077 |
| રાહુ | 01/01/2066 | કેતુ | 01/01/2069 | સૂર્ય | 01/01/2075 | મંગળ | 01/01/2077 | ચંદ્ર | 01/01/2078 |
| શુક્ર 3 વર્ષ | | મંગળ 6 વર્ષ | | બુધ 2 વર્ષ | | શનિ 6 વર્ષ | | રાહુ 6 વર્ષ | |
| 01/01/2078 | | 01/01/2081 | | 01/01/2087 | | 01/01/2089 | | 01/01/2095 | |
| 01/01/2081 | | 01/01/2087 | | 01/01/2089 | | 01/01/2095 | | 02/01/2101 | |
| મંગળ | 01/01/2079 | મંગળ | 01/01/2083 | ચંદ્ર | 02/09/2087 | રાહુ | 01/01/2091 | મંગળ | 01/01/2097 |
| શુક્ર | 01/01/2080 | શનિ | 01/01/2085 | મંગળ | 02/05/2088 | બુધ | 01/01/2093 | કેતુ | 01/01/2099 |
| બુધ | 01/01/2081 | શુક્ર | 01/01/2087 | ગુરુ | 01/01/2089 | શનિ | 01/01/2095 | રાહુ | 02/01/2101 |
| કેતુ 3 વર્ષ | | ગુરુ 6 વર્ષ | | સૂર્ય 2 વર્ષ | | ચંદ્ર 1 વર્ષ | | શુક્ર 3 વર્ષ | |
| 02/01/2101 | | 02/01/2104 | | 02/01/2110 | | 02/01/2112 | | 02/01/2113 | |
| 02/01/2104 | | 02/01/2110 | | 02/01/2112 | | 02/01/2113 | | 02/01/2116 | |
| શનિ | 02/01/2102 | કેતુ | 02/01/2106 | સૂર્ય | 02/09/2110 | ગુરુ | 03/05/2112 | મંગળ | 02/01/2114 |
| રાહુ | 02/01/2103 | ગુરુ | 02/01/2108 | ચંદ્ર | 04/05/2111 | સૂર્ય | 02/09/2112 | શુક્ર | 02/01/2115 |
| કેતુ | 02/01/2104 | સૂર્ય | 02/01/2110 | મંગળ | 02/01/2112 | ચંદ્ર | 02/01/2113 | બુધ | 02/01/2116 |
| મંગળ 6 વર્ષ | | બુધ 2 વર્ષ | | બુધ 2 વર્ષ | | બુધ 2 વર્ષ | | બુધ 2 વર્ષ | |
| 02/01/2116 | | 02/01/2122 | | 02/01/2122 | | 02/01/2122 | | 02/01/2122 | |
| 02/01/2122 | | 02/01/2124 | | 02/01/2124 | | 02/01/2124 | | 02/01/2124 | |
| મંગળ | 02/01/2118 | ચંદ્ર | 02/09/2122 | ચંદ્ર | 02/09/2122 | ચંદ્ર | 02/09/2122 | ચંદ્ર | 02/09/2122 |
| શનિ | 02/01/2120 | મંગળ | 04/05/2123 | મંગળ | 04/05/2123 | મંગળ | 04/05/2123 | મંગળ | 04/05/2123 |
| શુક્ર | 02/01/2122 | ગુરુ | 02/01/2124 | ગુરુ | 02/01/2124 | ગુરુ | 02/01/2124 | ગુરુ | 02/01/2124 |

નોટ : ઉપ સાલા લાલ કિતાબ દશા ઉ ચક્ર છે ગણના નથી.

ઉપર લખેલી તારીખ દશાની સમાપ્તિ ની છે.

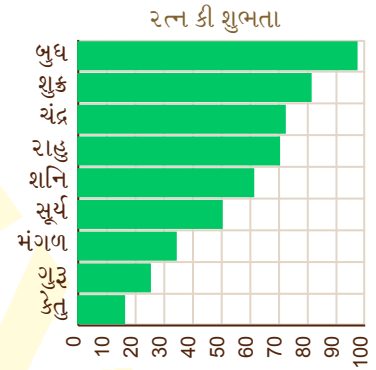


જરૂરી રત્ન માટેનું માર્ગદર્શન

રત્ન જીવન મેં શુભત્વ કી વૃદ્ધિ કે લિએ ધારણ કિએ જાતે હૈ. વૈજ્ઞાનિક રુપ સે, રત્ન અપને ગ્રહ કી રાશિયો કો પૂર્ણમાત્રા મેં માનવ શરીર મેં પ્રવાહિત કર ગ્રહ પ્રભાવ કી વૃદ્ધિ કરતે હૈ. યહી કારણ હૈ કિ રત્ન કેવલ શુભ ગ્રહો કા હી ધારણ કિયા જાતા હૈ. ગ્રહ શુભ માના જાતા હૈ યદિ યહ લગ્ન, ત્રિકોણ યા કેન્દ્ર મેં સ્થાપિત હો યા સ્વામી હો. યહ અશુભ હોતા હૈ યદિ યહ ત્રિક ભાવ સે સંબંધિત હો. મિત્રો કી યુતિ યા દૃષ્ટિ ભી ઇસકી શુભતા બઢાતી હૈ. બાધક ભાવ કા સ્વામિત્વ શુભતા કમ કર દેતા હૈ. ચર લગ્નો મેં એકાદશ, સ્થિર મેં નવમ વ દ્વિસ્વભાવ મેં સપ્તમ ભાવ કી બાધક સંજ્ઞા હૈ. ઉપરોક્ત તથ્ય રત્ન ચયન હેતુ ગ્રહ કી શુભતા દર્શાતે હૈ.

નીચે જન્મકુણ્ડલી મેં ગ્રહો કી શુભતા કો સારણી વ ગ્રાફ મેં દર્શિત કિયા ગયા હૈ. સાથ હી કૌન સા ગ્રહ કિસ ક્ષેત્ર મેં કાર્ય સિદ્ધ કર સકતા હૈ દિયા ગયા હૈ. વિભિન્ન દશાઓ મેં વિભિન્ન રત્નો કી શુભતા ભી નીચે તાલિકા મેં દી ગઈ હૈ. જિસ ગ્રહ કો ૭૫ પ્રતિશત શુભતા પ્રાપ્ત હૈ ઉસકે રત્ન હમે સર્વદા બિના દશા વિચાર કે ધારણ કરને યાહિએ. જિન્હે ૫૦-૭૫ પ્રતિશત શુભતા પ્રાપ્ત હૈ ઉન્હે કાર્ય ક્ષેત્ર અનુસાર વ અનુકૂલ દશા મેં ધારણ કરના યાહિએ. જો રત્ન કેવલ ૨૫-૫૦ પ્રતિશત શુભતા લિએ હૈ ઉન્કે રત્ન કેવલ ઉન્કી યા ઉન્કે મિત્રો કી દશા મેં ધારણ કરને યાહિએ. અન્તત: જિન્હે ૨૫ પ્રતિશત સે ભી કમ શુભતા પ્રાપ્ત હૈ વે ગ્રહ અપને લિએ અશુભ હી સમઝો ઔર ઉન્કે રત્નો કો પહનને સે બચના યાહિએ.

| રત્ન | ગ્રહ | શુભતા | ક્ષેત્ર |
|--------|-------|-------|---|
| પન્ના | બુધ | 97% | દામ્પત્ય, સ્વાસ્થ્ય, સુખ |
| હીરા | શુક્ર | 81% | સન્તતિ સુખ, કમ ખર્ચ |
| મોતી | ચંદ્ર | 72% | સન્તતિ સુખ, ધન |
| ગોમેદ | રાહુ | 70% | ધન, સન્તતિ સુખ |
| નીલમ | શનિ | 61% | દામ્પત્ય, દુર્ઘટના થી બચાવ, ભાગ્યોદય |
| માણેક | સૂર્ય | 50% | દામ્પત્ય, પરાક્રમ |
| મંગળ | મંગળ | 34% | વ્યાવસાયિક હાનિ, હાનિ, શત્રુ વ રોગ |
| પુખરાજ | ગુરુ | 25% | શત્રુ વ રોગ, દામ્પત્ય કષ્ટ, વ્યાવસાયિક હાનિ |
| લશણિયા | કેતુ | 16% | દુર્ઘટના, દામ્પત્ય કષ્ટ |



દશાનુસાર રત્ન વિચાર

| દશા | સમાપ્તિ | માણેક | મોતી | મંગળ | પન્ના | પુખરાજ | હીરા | નીલમ | ગોમેદ | લશણિયા |
|-------|------------|-------|------|------|-------|--------|------|------|-------|--------|
| ગુરુ | 13/08/2029 | 56% | 78% | 47% | 84% | 50% | 68% | 61% | 70% | 16% |
| શનિ | 12/08/2048 | 25% | 59% | 9% | 100% | 25% | 87% | 73% | 77% | 0% |
| બુધ | 13/08/2065 | 56% | 59% | 34% | 100% | 25% | 87% | 61% | 70% | 16% |
| કેતુ | 12/08/2072 | 25% | 59% | 47% | 97% | 25% | 87% | 47% | 58% | 41% |
| શુક્ર | 12/08/2092 | 25% | 59% | 34% | 100% | 25% | 93% | 67% | 77% | 28% |
| સૂર્ય | 13/08/2098 | 62% | 78% | 47% | 97% | 38% | 68% | 47% | 58% | 0% |
| ચંદ્ર | 13/08/2108 | 56% | 84% | 34% | 100% | 25% | 81% | 61% | 58% | 0% |
| મંગળ | 14/08/2115 | 56% | 78% | 55% | 84% | 38% | 81% | 61% | 58% | 28% |
| રાહુ | 14/08/2133 | 25% | 59% | 9% | 97% | 25% | 87% | 67% | 83% | 0% |

વિસ્તૃત રત્ન વિચાર

ઔષધિ મણિ મંત્રાણાં, ગ્રહ-નક્ષત્ર તારિકા ।
ભાગ્યકાલે ભવે સિદ્ધિઃ, અભાગ્યં નિષ્ફલં ભવેત ॥

ઔષધિ, મણિ અતે મંત્ર ગ્રહ-નક્ષત્ર જનિત રોગોને દૂર કરે છે. શુભ સમયમાં તેમનાથી યોગ્ય ફળ પ્રાપ્ત થાય છે પરંતુ જો સમય અશુભ હોય તો નિષ્ફળતા મળે છે.

રત્ન શરીરની શોભામાં વૃદ્ધિ કરાવાની સાથે સાથે પોતાની ચમત્કારિક શક્તિ દ્વારા ગ્રહોના વિપરીત પ્રભાવને ઓછો કરીને ગ્રહનું બળ વધારે છે. રત્નોથી આપણાં શરીરમાં આવતાં ગ્રહોના કિરણોનો પ્રભાવ વધે છે. તેથી જે ગ્રહ તમારી કુંડળીમાં શુભ હોય પરંતુ નિર્બળ હોય તો તેનું રત્ન ધારણ કરવાથી નિર્બળતા દૂર થાય છે. અઠા કારણે જ અશુભ ગ્રહોના રત્નોનો કાયમ માટે ત્યાગ કરવો જોઈએ.

રત્ન જેટલું સ્વરછ અને યોગ્ય કટિંગવાળુ હોય તેટલી વધુ રશ્મિઓને એકત્રિત કરવામાં સક્ષમ હોય છે. તેથી સારી ગુણવત્તાવાળા રત્નોજ પૂર્ણ ફળ આપવામાં સમર્થ હોય છે. રત્નનું વજન અને શરીરનું વજન ગ્રહની નિર્બળતાના પ્રમાણમાં હોવું જોઈએ. ગ્રહ વધારે નિર્બળ હોય તો વધુ વજનવાળુ રત્ન ધારણ કરવું જોઈએ. હીરા સિવાય અન્ય રત્નો શરીરને સ્પર્શ કરે તે જરૂરી છે. વિશેષ ધાતુમાં રત્ન ધારણ કરવાથી તેનો પ્રભાવ વધી જાય છે. કોઈ કારણવશ રત્ન કાઢવું પડે તો રત્નના વારનાં દિવસેજ કાઢીને ગંગાજળથી શ્રદ્ધાપૂર્વક ધોઈને સુરક્ષિત સ્થાન પર રાખવું જોઈએ. જો રત્ન ખોવાઈ જાય અથવા ચોરાઈ જાય તો એવું સમજવું કે ગ્રહનો અશુભ પ્રભાવ ઓછો થઈ ગયો છે. અને જો રત્નમાં તિરાડ પડે તો એવું સમજવું કે ગ્રહ પ્રભાવશાળી છે ત્યારે ગ્રહની શાંતિ કરાવવી અને બીજુ રત્ન બનાવડાવીને ધારણ કરવું જોઈએ.

કુંડળીમાં કોઈ ગ્રહ અશુભ હોય તો તેના માટે રુદ્રાક્ષ ધારણ કરવું જોઈએ તથા તેના મંત્ર, દાન, જળ વિસર્જન અને વ્રત વગેરે ઉપાયોથી તે ગ્રહનું અશુભત્વ દૂર કરી શકાય છે. જો કોઈ કારણવશ તમે જે-તે ગ્રહનું રત્ન ધારણ કરવાં અસમર્થ હોવ તો તમે આ રત્નોના સ્થાને રુદ્રાક્ષ અથવાં ઉપરત્ન ધારણ કરીને ગ્રહનું શુભત્વ પ્રાપ્ત કરી શકો છો. મંત્ર જાપ, દાન અને વ્રતથી પણ ગ્રહનું બળ વધારી શકાય છે.

કોઈપણ કુંડળી માટે લગ્નેશ જીવન રત્ન છે અને તે ધારણ કરવાથી સ્વાસ્થ્ય લાભ, વ્યક્તિત્વ વિકાસ અને માન-સમ્માન પ્રાપ્ત થાય છે. નવમેશનું રત્ન ભાગ્ય રત્ન કહેવાય છે અને તેને ધારણ કરવાથી ભાગ્યોદય થાય છે તથા આ રત્નથી માન-પ્રતિષ્ઠા પણ વૃદ્ધિ થાય છે. યોગકારક અથવાં પંચમેશનું રત્ન કારક રત્ન કહેવાય છે અને તેને ધારણ કરવાથી કાર્યમાં પ્રગતિ, ધન-લાભ અને ચલુમુખી વિકાસ થાય છે. તમારે કયુ રત્ન ધારણ કરવું જોઈએ અને કયું નહિ તેની વિસ્તૃત માહિતી નીચે આપવામાં આવી છે. :

શુભ રત્ન, ધાતુ અને રંગ ધારણ કરવાથી શારીરિક અને માનસિક સ્વસ્થતા જળવાઈ રહે છે તથા ભાગ્ય રત્ન ધારણ કરવાથી સૌભાગ્યમાં વૃદ્ધિ થાય છે. શુભ સમયે કોઈપણ કાર્ય કરવાથી ઈરિછત સફળતા પ્રાપ્ત થાય છે. સાથે-સાથે ઈષ્ટદેવનું ધ્યાન અને સ્તુતિથી માનસિક શાંતિ અને



સફળતા પ્રાપ્ત થાય છે. શુભ પદાર્થ, અન્ન, દ્રવ્ય વગેરેનું દાન અથવાં શુભ દિશામાં તેનો વ્યાપાર કરવાથી વાંછિત લાભ પ્રાપ્ત થાય છે. આ રીતે શુભાશુભનું જ્ઞાન થાય છે.

આપકી કુંડલી ઓર રત્ન

આપકે લિએ પન્ના વ હીરા રત્ન ધારણ કરના અતિ શુભ ફલદાયક હૈ. ઇન્હે આપ સર્વદા ધારણ કરેંગે તો આપકે જીવન કા ચહુંમુખી વિકાસ હોગા. ધન લાભ વ વ્યાવસાયિક ઉન્નતિ હોગી.

પન્ના આપકા જીવન રત્ન હૈ ઇસકો ધારણ કરને સે આપકા સ્વાસ્થ્ય ઉત્તમ રહેગા. આપકે આત્મવિશ્વાસ મેં વૃદ્ધિ હોગી. માન-પ્રતિષ્ઠા મેં વૃદ્ધિ હોગી. કાર્ય ક્ષેત્ર મેં પ્રગતિ હોગી.

હીરા આપકા કારક રત્ન હૈ. કારક રત્ન કે ધારણ કરને સે વ્યાવસાયિક ઉન્નતિ પ્રાપ્ત હોતી હૈ. ધન લાભ હોતા હૈ. સુખ સમ્પત્તિ કી પ્રાપ્તિ હોતી હૈ. જીવન મેં નયી ઊર્જા કા પ્રવાહ હોતા હૈ.

અતઃ ઉપરોક્ત રત્ન આપ અવશ્ય ધારણ કરે. સભી રત્ન જીવન પર્યન્ત ધારણ કરને સે ગ્રહોં કી વિશેષ શુભતા પ્રાપ્ત હોગી ઓર જીવન સુખમય હોકર ગતિમાન હોગા. ઉપરોક્ત રત્ન આપ બિના કિસી દશા યા ગોચર વિચાર કે ધારણ કર સકતે હેં ક્યોંકિ સભી રત્ન અતિ શુભફલદાયી હેં.

આપકે લિએ મોતી, ગોમેદ, નીલમ એવં માણિક્ય રત્ન શુભ હેં લેકિન યે રત્ન દશાનુસાર શુભાશુભ ફલ દેને મેં સક્ષમ હૈ. અતઃ ઇન્હે આપ સ્વદશા યા મિત્ર દશા મેં ધારણ કરેંગે તો યે શુભ ફલ દેંગે. શત્રુ દશા મેં ઇનકો નહી પહનના હી બેહતર હોગા. ઉસ સમય ઇન ગ્રહોં કે ઉપાય આપ રુદ્રાક્ષ પહન કર યા દાન, મંત્ર જાપ આદિ સે કરના શ્રેષ્ઠ હોગા.

મૂંગા વ પુખરાજ રત્ન આપકે લિએ નેષ્ટ હેં. અતઃ ઇન્હે ન પહનના હી બેહતર હૈ. યદિ આપ ઇન રત્નોં કો ધારણ કરતે હેં તો ઇનકી અનુકૂલતા કા પરિક્ષણ અવશ્ય કર લે. અનુકૂલતા હોને પર હી ઇન્હે ધારણ કરે, અન્યથા શીઘ્ર અતિ શીઘ્ર ઉતાર દે. ઇન રત્નોં કે ધારણ કરને સે આપકો માનસિક પરેશાની, સ્વાસ્થ્ય મેં કમી યા ધન હાનિ હો સકતી હૈ.

લહસુનિયા પહનના આપકે લિએ કષ્ટકારી સિદ્ધ હો સકતા હૈ. ઇસ રત્ન કા આપ સર્વદા ત્યાગ હી કરે, ક્યોંકિ કિસી ભી દશા યા ગોચર મેં ઇસસે શુભ ફલ પ્રાપ્ત હોને કી આશા કમ હી હૈ. ઇસ રત્ન કો ધારણ કરને સે સામાજિક, આર્થિક વ સ્વાસ્થ્ય પક્ષ સે વિપરીત ફલ પ્રાપ્ત હો સકતે હેં.

વિભિન્ન રત્ન આપકે લિએ કિસ પ્રકાર સે ફલદાયી રહેંગે એવં ઉનકી ધારણ વિધિ કા વિસ્તૃત વિવરણ નિમ્ન પ્રકાર સે હૈ :-

પન્ના

તમારી કુંડળીમાં બુધ સપ્તમ ભાવે છે તેથી તમારે બુધનું રત્ન પાનુ ધારણ કરવું જોઈએ. આ રત્નથી તમે ધનવાન બનશો તથા સારા ખાનદાનની કન્યા સાથે તમારૂ લગ્ન થશે. આ રત્નથી તમે ઉદાર અને ધાર્મિક પ્રવૃત્તિનાં બનશો તથાં આ રત્ન તમારા માટે શુભ હોવાનાં કારણે તમે વિદ્યાન લેખક અથવાં તંત્રી બની શકો છો. આ રત્નથી તમે શિલ્પકળામાં નિપુણ, ચતુર અને રમૂજી સ્વભાવનાં



બનશો. આ રત્નનાં શુભ પ્રભાવથી તમે કુશળ વ્યવસાયી બનશો તથા ખરીદ-વેચારણનાં કાર્યોથી લાભ પ્રાપ્ત કરશો. તદ્ઉપરાંત ભાગીદારીથી લાભ પ્રાપ્ત કરશો.

તમારી મિથુન લગ્નની કુંડળીમાં બુધ લગ્નેશ અને ચતુર્થેશ છે તેથી લગ્નેશ બુધનું રત્ન પાનુ તમારા માટે જીવન રત્નનું કાર્ય કરશે. પાનુ તમને ઉત્તમ સ્વાસ્થ્ય અને બૌદ્ધિક યોગ્યતા આપી શકે છે. આ રત્નના શુભત્વથી સ્વાસ્થ્ય સુખમાં વૃદ્ધિ થશે. બુધ ચતુર્થેશ હોવાથી માતૃપક્ષ અને ભૂમિ-સમ્પત્તિ પક્ષ બળવાન થશે. આ રત્ન તમને રમૂજ, બુદ્ધિશાળી અને ગણિતની બાબતમાં ચતુર બનાવશે. પાનના શુભત્વના કારણે દૈનિક વ્યવસાયમાં સફળતા મળી શકે છે.

પન્ના રત્ન કનિષ્ઠિકા અંગૂલી મેં ધારણ કરના ચાહિએ. ઇસ રત્ન કો સોના ધાતુ મેં જ ડવાકર આપ પ્રાતઃકાલ મેં સ્નાનાદિ નિત્યહિયાઓ સે નિવૃત્ત હોને કે બાદ રત્ન કો પંચામૃત સે શુદ્ધ કર ધૂપ, દીપ ઔર ફૂલ દિખાકર ધારણ કર સકતે હૈ. પન્ના રત્ન ધારણ કરતે સમય બુધ મંત્ર ઊં બું બુધાય નમઃ કા ૧ માલા યા ૪ માલા જાપ કરના ચાહિએ. તદ્ઉપરાંત બુધ ગ્રહ કી વસ્તુએ જેસે - મૂંગ, કસ્તૂરી, કાંસા, હરિત વસ્ત્ર આદિ કા યથાશક્તિ દાન કરના ચાહિએ. રત્ન ઇસ પ્રકાર ધારણ કરે કિ વહ શરીર કો સ્પર્શ કરે. પન્ના રત્ન ૩ રત્ની કા કમ સે કમ, અન્યથા ૬ રત્ની કા હોના ચાહિએ.

ઇસ રત્ન કો આપ લૉકેટ/માલા/બ્રેસલેટ યા વિપરીત હાથ મેં ભી ધારણ કર સકતે હૈ. પન્ના રત્ન ધારણ કરને મેં આપ અસમર્થ હો તો આપ ઇસકે સ્થાન પર મરગજ, હરા હકીક, પેરિડોટ એવં ૩ મુખી રુદ્રાક્ષ ધારણ કર સકતે હૈ.

હીરા

તમારી કુંડળીમાં શુભ પંચમ ભાવે છે તેથી શુભનું રત્ન હીરો તમારા માટે શુભ ફળદાયક રહેશે. આ રત્નથી કવિતા, લલિતકળા અને લેખનમાં તમે ઉંડો રસ લેશો. આ રત્નથી તમે સંગીત, કળા, સૌંદર્ય સમ્પન્ન અને ગુણવાન બનશો. તદ્ઉપરાંત તમે આસ્તિક અને ઉદાર બનશો. આ રત્નના પ્રભાવથી તમે વિદ્વાન, પ્રતિભાશાળી અને સારા વક્તા સાબિત થશો. તદ્ઉપરાંત તમે મંત્રી અપવા ન્યાયાધીશ બની શકો છો. સાથે-સાથે આ રત્નથી વાહનોનું સુખ અને ઉત્તમ મિત્રોનું સુખ પ્રાપ્ત થશે. સંતાન સુખ માટે પણ આ રત્ન શુભ ફળદાયક છે.

તમારી મિથુન લગ્નની કુંડળીમાં શુભ પંચમેશ અને વ્યય સ્થાનનો સ્વામી છે. શુભ લગ્નેશ બુધનો મિત્ર છે તથા ત્રિકોણ ભાવનો સ્વામી હોવાના કારણે શુભ છે. તેથી શુભ ગ્રહનું શુભત્વ પ્રાપ્ત કરવા માટે તમારે શુભનું રત્ન હીરો ધારણ કરવું જોઈએ. હીરાથી તમને સંતાન સુખ પ્રાપ્ત થશે તથા તમે વિદ્વાન બનશો. આ રત્નના પ્રભાવથી વિદેશ જવાના અવસર તથા ખર્ચ પર નિયંત્રણ લગાવવામાં સફળતા મળે છે. આ રત્નથી તમને ભોગ-વિલાસની આદત નહી પડે તથા તમારૂં દાંપત્યજીવન સુખી બનશે.

હીરા રત્ન સોને ધાતુ કી અંગૂઠી મેં જડવાકર, શુભવાર કે દિન સૂર્ય ઉદય કે પશ્યાત સ્નાનાદિ હિયાઓ સે શુદ્ધ હોકર રત્ન કો રત્ન જડિત અંગૂઠી કો દૂધ, જલ, શકકર, દહી ઔર શહદ સે મિલકર બને પંચામૃત મેં ડૂબોકર શુદ્ધ કર, અપને દેવ સ્થાન પર રખકર શુભદેવ ઔર રત્ન કો ધૂપ, દીપ એવં ફૂલ દિખાકર અનામિકા અંગૂઠી મેં ધારણ કરે. હીરા રત્ન ધારણ કરતે સમય શુભ મંત્ર ઊં શં શુભાય નમઃ કા ૧૦૮ બાર મંત્ર જાપ કરના ચાહિએ. મંત્ર જાપ કરને કે બાદ શુભ ગ્રહ કી વસ્તુએ



જૈસે— ચાવલ, ચાંદી, ઘી, શ્વેત વસ્ત્ર આદિ વસ્તુઓં કા દાન કરેં. હીરા ૧ રત્તી સે અધિક બજન કા ધારણ કરના ચાહિએ. યહ છોટે ટુકડોં મેં ભી પહના જા સકતા હેં.

હીરા રત્ન કે સાથ માણિક્ય, મૂંગા એવં પુખરાજ રત્ન ધારણ કરના સર્વદા વર્જિત હેં. અંગૂઠી રુપ રત્ન ધારણ ન કર પાને કી સ્થિતિ મેં ઇસે લોકેટ/માલા/બ્રેસલેટ યા ટૂસરે હાથ મેં ભી ધારણ કર સકતે હેં. હીરા રત્ન કે સ્થાન પર ઇસ રત્ન કે ઉપરત્ન ઓપલ, જર્કન, સ્ફટિક એવં ૫ મુખી રુદ્રાક્ષ ધારણ ક્રિયા જા સકતા હેં.

મોતી

તમારી કુંડળીમાં ચંદ્ર પંચમ સ્થાનમાં છે તેથી તમારે ચંદ્રનું રત્ન મોતી ધારણ કરવું જોઈએ. મોતીથી તમે પ્રસન્ન ચિત્ત બનશો અને મનોરંજન તથા સુખ સુવિધાઓનાં સાધનો પ્રત્યે આકૃષ્ટ થશો અને તેમને પામવાના પ્રયાસ કરશો. આ રત્નનાં કારણે તમારાં સંતાનો તમને ખૂબ પ્રસન્નતા પ્રદાન કરી શકે છે તથા ગુપ્ત વિદ્યાઓ અને ધાર્મિક કાર્યોમાં તમારી રૂચિ જાગૃત થશે. દાન—પુણ્યમાં તમે સહભાગી બનશો. તદ્ઉપરાંત મનોરંજન, રમત—ગમત અને કળા પ્રત્યે તમને લગાવ રહેશે તથાં મોતીથી તમારો ભાગ્યોદય પણ થશે.

તમારી મિથુન લગ્નની કુંડળીમાં ચંદ્ર બીજા ભાવનો સ્વામી છે. ચંદ્ર લગ્નેશ બુધનો મિત્ર પણ છે. તેથી ચંદ્રનું રત્ન મોતી ધારણ કરીને તમે શુભત્વ પ્રાપ્ત કરી શકો છો. મોતીથી તમને શારીરિક બળ, માનસિક શક્તિઓ, ધન અને કુટુંબથી સુખ પ્રાપ્ત કરશો. મોતીના શુભત્વથી તમે ધનવાન, સુખી અને સન્માનિત વ્યક્તિ બની શકો છો. મોતી દ્વિતીયેશનું રત્ન હોવાનાં કારણે તમને સુંદર અને સુશીલ જીવનસાથી અને દાંપત્યજીવનમાં મધુરતા આપશે. તદ્ઉપરાંત દૈનિક વ્યવસાયમાં સફળતા માટે પણ તમે આ રત્ન ધારણ કરી શકો છો.

મોતી રત્ન ચાંદી કી અંગૂઠી મેં જડવાકર, કનિષ્ઠિકા અંગૂઠી મેં, સોમવાર કો પ્રાતઃકાલ મેં ધારણ કરના શુભ હેં. પ્રાતઃ કાલ કી સભી હ્લિયાઓં કો કરને કે બાદ ઇસ રત્ન જડિત અંગૂઠી કો પંચામૃત સે સ્નાન કરાકર શુદ્ધ કર લેં. તત્પશ્યાત ઇસકી ઘૂપ, દીપ, ફૂલ સે પૂજા કરને કે બાદ ઇસે ધારણ કરના ચાહિએ. રત્ન ધારણ કરને કે પશ્યાત ચંદ્ર મંત્ર ઊં સૌ સૌમાય નમઃ કા એક માલા જાપ રુદ્રાક્ષ માલા પર કરના ચાહિએ. તદ્ઉપરાંત ચંદ્ર વસ્તુઓં જૈસે— ચાવલ, ચીની, ચાંદી, શ્વેત વસ્ત્ર આદિ કા દાન કરના ચાહિએ. મોતી રત્ન કમ સે કમ ૩ રત્તી સે ૧૦ રત્તી કા ધારણ કરના શુભફલકારી હોતા હેં.

મોતી રત્ન કે સાથ નીલમ યા ગોમેદ રત્ન ધારણ કરને સે બચના ચાહિએ. મોતી રત્ન અંગૂઠી રુપ કે અલાવા લોકેટ/માલા/બ્રેસલેટ યા ટૂસરે હાથ મેં ભી ધારણ કર સકતે હેં. વિશેષ આવશ્યકતા હોને પર આપ મોતી રત્ન કે ઉપરત્ન જૈસે — સફેદ મૂલ સ્ટોન, સફેદ હકીક એવં ૧ મુખી રુદ્રાક્ષ આદિ ભી ધારણ કર સકતે હેં.

ગોમેદ

તમારી કુંડળીમાં રાહુ બીજા સ્થાને છે તેથી રાહુનું રત્ન ગોમેદ ધારણ કરવું તમારા માટે શુભ ફળદાયક છે. આ રત્ન ધારણ કરવાથી તમે ધન સંચય પ્રત્યે સજાગ રહેશે. ધન પ્રત્યે તમને મોહ રહેશે. તમે સત્ય બોલવાનો આગ્રહ રાખશો તથા ગોમેદના શુભ પ્રભાવથી ચતુરાઈ અને નીતિ



નિર્માણથી ધન સંચય કરવામાં તમને સફળતા મળશે. ગોમેદથી તમારો સ્વભાવ સૌમ્ય બનશે તથા તમે પારિવારિક સંસ્કારોનું પાલન કરશો. આ રત્નનાં કારણે તમારામાં વિચારોની અભિવ્યક્તિની આવડત ખીલશે.

રાહુ કર્ક રાશિમાં સ્થિત છે તથા તેનો સ્વામી ચન્દ્ર પંચમ ભાવમાં સ્થિત છે તેથી ગોમેદ રત્ન ધારણ કરવાથી તમને શિક્ષણના ક્ષેત્રમાં વિશેષ સન્માન, પદ અને સફળતા પ્રાપ્ત થશે. આ રત્નના શુભત્વથી તમને અધિકાર શક્તિ પ્રાપ્ત થશે તથા તમે શિક્ષણ ક્ષેત્રે અથવા મનોરંજનના ક્ષેત્રમાં તમારી વિશેષ યોગ્યતા દર્શાવી શકો છો. આ રત્ન ધારણ કરવાથી તમે ધન-સંપત્તિનો સંચય કરવામાં સફળ થશો તથા અભ્યાસમાં તમારો આત્મવિશ્વાસ વધશે. આ રત્નના પ્રભાવથી સંતાન સુખમાં વૃદ્ધિ થશે તથા ઓછો પરિશ્રમ કરવાથી પણ વધુ લાભ પ્રાપ્ત થશે. વિદ્યાભ્યાસમાં તમારી રુચિ જાગૃત થશે તથા ધાર્મિક દ્વિયા-કલાપોમાં તમે સુખ અનુભવશો.

ગોમેદ રત્ન અષ્ટઘાતુ સે નિર્મિત અંગૂઠી કો શનિવાર કે દિન સૂર્યાસ્ત કાલ મેં સભી પ્રકાર સે સ્વયં શુદ્ધ હોકર રત્ન જડિત અંગૂઠી કો દૂધ, જલ, શકકર, દહીં ઓર શહદ સે સ્નાન કરાયે. ઇસકે બાદ રત્ન કા ધૂપ, દીપ ઓર ફૂલ સે પૂજન કર મધ્યમા અંગૂલી મેં ધારણ કરે. રત્ન ધારણ કે પશ્ચાત રાહુ મંત્ર ઊં રાં રાહવે નમઃ કા ૧૦૮ બાર જાપ કરે ઓર ફિર ઇસ ગ્રહ કી વસ્તુએ જેસે- તિલ, તેલ, કંબલ, નીલે વસ્ત્ર આદિ કા દાન કરે. ગોમેદ રત્ન કા વજન કમ સે કમ ૪ રત્તી ઓર અધિકતમ ૮-૧૦ રત્તી હોના ચાહિએ.

ગોમેદ રત્ન ધારણ કરને કે બાદ ઇસ રત્ન કે સાથ માણિક્ય, મોતી એવં મૂંગા રત્ન ધારણ કરને સે બચના ચાહિએ. અંગૂઠી રુપ મેં ઇસ રત્ન કો ધારણ ન કર પાને કી સ્થિતિ મેં ઇસ રત્ન કો લોકેટ/માલા/બ્રેસલેટ યા દૂસરે હાથ મેં ભી પહના જા સકતા હૈ. વિશેષ પરિસ્થિતિયો મેં રત્ન કે સ્થાન પર ઇસકે ઉપરત્ન ગોમેદ યા ૭ મુખી રુદ્રાક્ષ કો ભી ધારણ કરના શ્રેષ્ઠકર રહતા હૈ.

નીલમ

તમારી કુંડળીમાં શનિ સપ્તમ ભાવમાં છે તેથી તમારે શનિનું રત્ન નીલમ ધારણ કરવું જોઈએ. આ રત્નથી તમારું ગૃહસ્થ જીવન સુખદ નીવડશે તથા લગ્ન પછી ભાગ્યોદય થશે. આ રત્નનાં શુભત્વથી તમારું દાંપત્યજીવન સુખી થશે. તમને કોન્ટ્રાક્ટ, કોલસા, લોખંડ અને ખનીજ પદાર્થોથી લાભ મળશે. આ રત્નના શુભ પ્રભાવથી વિદેશી વેપાર અથવા વિદેશી માલના એજન્ટ બનવાથી લાભ મળશે. આ રત્ન તમારા માટે શુભ ફળદાયક છે.

તમારી મીથુન લગ્નની કુંડળીમાં શનિ નવમેશ તથા અષ્ટમેશ છે તેથી નવમેશ શનિનું રત્ન નીલમ ધારણ કરીને તમે તમારા ભાગ્યમાં વૃદ્ધિ કરી શકો છો. નીલમ તમને માતા-પિતાનું સુખ પ્રદાન કરશે. તથા આ રત્નના શુભત્વથી તમે ભૂમિ અને સમ્પત્તિનો લાભ પ્રાપ્ત થઈ શકે છે. નીલમ અષ્ટમેશ પણ રત્ન છે તેથી તેને ધારણ કરીને તમે અચાનક લાભ પ્રાપ્ત કરી શકો છો. નીલમથી તમે શત્રુઓ પર હાવી રહેશો તથા તમારો ભાગ્યોદય પણ થશે. આ રત્ન તમને શારીરિક કષ્ટોથી બચાવશે તથા તમારા શારીરિક બળમાં વૃદ્ધિ કરશે.

નીલમ રત્ન શનિવાર કે દિન પંચઘાતુ સે નિર્મિત અંગૂઠી મેં જડવાકર, સંઘ્યા કાલ મેં સ્નાનાદિ કર શુદ્ધ હોકર અંગૂઠી કો પંચામૃત સે સ્નાન કરાકર, ધૂપ, દીપ એવં ફૂલ સે પૂજન કરને કે



બાદ ઇસ અંગૂઠી કો મધ્યમા અંગૂઠી મેં ધારણ કરેં. તત્પશ્યાત શનિ મંત્ર ઊં શં શનૈશ્ચરાય નમઃ કા જાપ એક માલા કરેં. મંત્ર જપ કે બાદ ઇસ ગ્રહ કી વસ્તુએ જેસે— ઉડદ, કાલે તિલ, તેલ, કાલે વસ્ત્ર આદિ કા દાન કિસી યોગ્ય વ્યકિત કો કરેં. નીલમ રત્ન કમ સે કમ ૩ રત્તી, અન્યથા ૫-૬ રત્તી કા હોના ચાહિએ.

નીલમ રત્ન કે સાથ માણિક્ય, મૂંગા, પુખરાજ ધારણ કરને સે બચના ચાહિએ. વિશેષ સ્થિતિયો મેં ઇસ રત્ન કો લોકેટ/માલા/બ્રેસલેટ યા દૂસરે હાથ મેં ભી ધારણ કિયા જા સકતા હે. કિસી કારણવશ યદિ ઇસ રત્ન કો ધારણ ન કર પાએ તો ઇસકે ઉપરત્ન ફિરોજા, નીલી, એમેથિસ્ટ એવં ૬ મુખી રુદ્રાક્ષ ભી ધારણ કર સકતે હે.

માણિક્ય

તમારી કુંડળીમાં સૂર્ય સપ્તમ ભાવમાં છે તેથી તમારે સૂર્યનું રત્ન માણેક ધારણ કરવું જોઈએ. આ રત્ન ધારણ કરવાથી તમારા સ્વાભિમાનમાં વૃદ્ધિ થશે તથા તમારી કઠોરતામાં વૃદ્ધિ થશે. આ રત્ન તમને સ્વતંત્ર કાર્ય કરવા માટે પ્રેરિત કરી શકે છે. સૂર્યનું રત્ન ધારણ કરવાથી તમારા લગ્નજીવનમાં સામંજસ્ય સ્થાપિત થશે. લાભ અને ઉન્નતિ પ્રાપ્ત કરવા માટે તમારે પોતાની અનુશાસન યોગ્યતામાં કમી કરવી પડશે. આ રત્ન સ્વતંત્ર વેપારમાં અધિકાર ક્ષમતાની વૃદ્ધિ કરશે તથા માણેક રત્નનું શુભત્વથી તમારામાં નિસ્વાર્થ ભાવનાનો વિકાસ થશે.

તમારી મિથુન લગ્નની કુંડળીમાં સૂર્ય તૃતિય ભાવનો સ્વામી છે. પરાહ્મશ સૂર્યનું રત્ન માણેક ધારણ કરીને તમે તમારા પુરૂષાર્થની શક્તિઓમાં વધારો કરી શકો છો. માણેક ધારણ કરવાથી તમારાં બાહુબળ દ્વારા ધન-પરિવારમાં વૃદ્ધિ અને ભાઈ-બહેનોથી સુખ પ્રાપ્ત કરી શકો છો. માણેકનું શુભત્વથી તમે ધનવાન, સાહસી અને પ્રભાવશાળી વ્યકિત્વનાં બની શકો છો. આ રત્ન ધારણ કરીને તમે યાત્રાઓનું સુખ પ્રાપ્ત કરી શકો છો. સૂર્યનું શુભત્વ પ્રાપ્ત કરવા માટે તમારે માણેક ધારણ કરવું જોઈએ.

યહ રત્ન અનામિકા અંગૂલી, સ્વર્ણ ધાતુ મેં જડવાકર રવિવાર કો પ્રાતઃ કાલ મેં સ્નાનાદિ સે નિવૃત્ત હોકર ધારણ કરના ચાહિએ. પંચામૃત સે રત્ન કો શુદ્ધ કરને કે પશ્યાત ઘૂપ, દીપ દિખાકર ધારણ કરના ચાહિએ. ધારણ કરને કે પશ્યાત સૂર્ય મંત્ર ઊં ઘૃણિ સૂર્યાય નમઃ કા કમ સે કમ ૧ માલા જાપ કરના ચાહિએ. તદ્ પશ્યાત સૂર્ય વસ્તુએ જેસે— ગેહૂં, ગુડ, ચંદન, લાલ વસ્ત્ર આદિ કા દાન કરના ચાહિએ. માણિક્ય રત્ન કમ સે કમ ૩ રત્તી સે લેકર ૭ રત્તી તક કા ધારણ કરના લાભકારી રહતા હે.

માણિક્ય રત્ન કે સાથ નીલમ યા ગોમેદ રત્ન કો ધારણ કરને સે બચના ચાહિએ. અતિ આવશ્યકતા મેં ઇન્હેં આપ લોકેટ રુપ મેં યા દૂસરે હાથ મેં ધારણ કર સકતે હે. આવશ્યકતા મેં યહ રત્ન ચાંદી ધાતુ મેં ભી ધારણ કિયા જા સકતા હે. યદિ આપ માણિક્ય રત્ન પહનને મેં કિસી પ્રકાર સે અસમર્થ હે તો આપ ઇસકે સ્થાન પર લાલ તુરમલી, ગુલાબી હકીક, ગારનેટ એવં એક મુખી રુદ્રાક્ષ ભી ધારણ કર સકતે હે.

મૂંગા

તમારી કુંડળીમાં મંગળ દશમાં સ્થાને છે તેથી મંગળ તમને સમસ્ત શુભ ફળ આપવાં માટે



અસમર્થ છે. તેથી મંગળનું રત્ન પરવાળુ ધારણ કરવાથી મેકેનિકલ એન્જિનિયર, ઈલેક્ટ્રોનિક એન્જિનિયર, સૈનિક તથા હથિયાર સાથે સંકળાયેલા કાર્યો કષ્ટ થઈ શકે છે. આ રત્નથી સુખ અને યશ બાધિત થશે. તમારી નેતૃત્વ શક્તિમાં કમીના કારણે સફળતા પ્રભાવિત થઈ શકે છે. આ રત્નનાં કારણે તમારામાં વધુ પડતો જુસ્સો પ્રભાવિત થઈ શકે છે. આ રત્નના કારણે તમારામાં વધુ પડતો જુસ્સો, સાહસ ઉત્તેજના અને ઉર્જાના કારણે વાદ-વિવાદ થઈ શકે છે. આ રત્નથી કાર્યના સ્થળે લડાઈ-ઝઘડા થઈ શકે છે. તથા વધુ પડતાં સાહસના કારણે ધનનું જોખમી રીતે રોકાણ કરીને નુકશાન સહન કરવું પડી શકે છે.

તમારી મિથુન લગ્નની કુંડળીમાં મંગળ છઠ્ઠા ભાવ અને આવકનાં ભાવનો સ્વામી છે. પરવાળુ ધારણ કરવું તમારા માટે કષ્ટદાયક બની શકે છે. તમને નેત્ર રોગ થઈ શકે છે અને તમે ઓછા મિલનસાર બનશો. તમે લડાઈ-ઝઘડાથી બચવાનો પ્રયાસ કરશો અને આપત્તિનાં સમયે વધુ પડતું સાહસ દર્શાવશો જેના કારણે તમને ઈજા થઈ શકે છે. આ રત્ન તમને હોઠી, કઠોર વાણી બોલનાર, રક્તવિકારયુક્ત અને જીદી બનાવી શકે છે. આ રત્નથી શત્રુઓ દ્વારા હાનિનાં યોગ બને છે. અચાનક ઘટનાઓનાં કારણે આર્થિક સ્થિતિમાં અસ્થિરતા આવશે તથા ચોરીથી નુકશાનનાં યોગો છે.

પુખરાજ

તમારી કુંડળીમાં ગુરુ છઠ્ઠા સ્થાને છે તેથી ગુરુ તમને સમસ્ત શુભ ફળ આપવાં માટે અસમર્થ છે. આ કારણે ગુરુનું રત્ન પોખરાજ ધારણ કરવાથી તમારા ઋણ, રોગ અને શત્રુઓમાં વૃદ્ધિ થશે. પોખરાજથી શારીરિક કષ્ટ થઈ શકે છે. આ રત્નના કારણે વિવેક, પરાહ્મ અને ઉદારતામાં કમી આવશે. તથા મામા અને ભાઈઓના સુખમાં પણ કમી આવશે. આ રત્નના પ્રભાવથી તમારા કાર્યો સમય પર પૂરા નહીં થાય તથા નોકર-ચાકરોનાં કારણે કાર્યમાં વિલંબ થશે. ન્યાય પ્રણાલી પર તમારી આસ્થા કમજોર બનશે તથા આજીવિકાના ક્ષેત્રમાં વરિષ્ઠ લોકોથી હેરાનગતિ થશે.

તમારી મિથુન લગ્નની કુંડળીમાં ગુરુ સપ્તમેશ અને દશમાં સ્થાનનો સ્વામી છે. તેથી પોખરાજ ધારણ કરવાથી તમને બધાં શુભ ફળ પ્રાપ્ત નહીં થાય. પોખરાજથી તમને જાંઘોના રોગ થઈ શકે છે તથા તમારું પ્રમોશન મોડું મળશે. આ રત્નનાં કારણે કાર્યક્ષેત્રમાં જવાબદારીઓ વધશે તથા વ્યવસાયિક ક્ષેત્રમાં અસ્થિરતા ઉત્પન્ન થશે. વિદેશી સંપર્કોથી તમને યોગ્ય લાભ પ્રાપ્ત નહીં થાય. આ રત્નથી લગ્નજીવનમાં વૈમનસ્ય આવશે તથા જીવનસાથી, ભાગીદાર અને વેપાર ક્ષેત્રનાં શુભત્વમાં ઘટા ડો થશે. તદ્ઉપરાંત તમે મુત્રાશયના રોગ તથા ગુપ્તરોગોનો ભોગ બની શકો છો.

લહસુનિયા

તમારી કુંડળીમાં કેતુ અષ્ટમ ભાવે છે તેથી કેતુ તમને સમસ્ત શુભ ફળ આપવાં માટે અસમર્થ છે. તેથી કેતુનું રત્ન લસણિયુ ધારણ કરવાથી તમે અમુક બાબતોમાં લોભી અને ચાલાક બની શકો છો. તમારા દ્વારા અન્ય લોકોને માનસિક અને શારીરિક કષ્ટ પહોંચી શકે છે. અજાણે તમે પાપ કરી શકો છો અને તમારા દ્વારા કરેલાં કાર્યોમાં વિવેકહીનતા દષ્ટિગોચર થશે. આ રત્નની પ્રતિકૂળતાથી તમને મુખ અથવાં દાંતના રોગ થઈ શકે છે. તદ્ઉપરાંત અચાનક ધનહાનિનાં યોગ પણ છે. આ રત્નનાં કારણે ઓપરેશન થાય તથાં વારસો મેળવવામાં તકલીફ થઈ શકે છે. સરકાર દ્વારા ધનહાનિનાં યોગ પણ છે.

કેતુ મકર રાશિમાં સ્થિત છે તથાં તેનો સ્વામી શનિ સપ્તમ ભાવમાં સ્થિત છે તેથી



लहसुनियल रतुन धरलष करवलथी तडरु लगुनखुवन कषुटदरडक बनशु. आ रतुनथी तडररी छुडी अने डरररतुर वरवलदरसुड बनरी शुकुे छु तथा आ रतुननी डुरतुकूणतलनल कररलुुे दलडतुडखुवन डुरतुडे तडररी नरषु दल ओछी थशु. आ रतुनथी तडने डुेटनल रूगू डरस करीने आंतरदलनल रूगू थरु शुकुे छु. आ रतुन धरलष करवलथी लगुनडल डरलष वरलंब थरु शुकुे छु. आ रतुनथी तडने सुवलतुर वुडररडल नुकशलन थरु शुकुे छु तथा डुरशरसनरक अने रलखकीड डरडतूडल डुतलर-डदरव आवी शुकुे छु.

दशलनुसलर रतुन वरलडर

गुरु

(01/01/2019 - 13/08/2029)

गुरु की दशल डुे आडकल डनुनल व डूती रतुन धरलष करनल शुरेषु डुे. दशल कल डूरुषु इल डुरलडुत करने कुे लरलुे डुडरुकुत रतुन अवशुड धरलष करुे.

गूडुेद, हूरल, नीलड, डरलषरकुड व डुडररख रतुन शुड डुे. डुस दशल डुे वरलषु इल डुरलडुत करने डेतु डुन शुड रतुनू डुे से डुसकुे कररकतुव अनुसलर रतुन धरलष कर सकुते डुे.

डूंगल रतुन नुेषु डुे और लहसुनियल रतुन वरुखरत डुे. नुेषु डल वरुखरत रतुनू कुे नल धरलष करनल हूरल शुरेडसकर डुे कुरूकुे डुे ललड कड व हलनर अधरक कर सकुते डुे.

शनर

(13/08/2029 - 12/08/2048)

शनर की दशल डुे आडकल डनुनल, हूरल व गूडुेद रतुन धरलष करनल शुरेषु डुे. दशल कल डूरुषु इल डुरलडुत करने कुे लरलुे डुडरुकुत रतुन अवशुड धरलष करुे.

नीलड व डूती रतुन शुड डुे. डुस दशल डुे वरलषु इल डुरलडुत करने डेतु डुन शुड रतुनू डुे से डुसकुे कररकतुव अनुसलर रतुन धरलष कर सकुते डुे.

डरलषरकुड व डुडररख रतुन नुेषु डुे और डूंगल व लहसुनियल रतुन वरुखरत डुे. नुेषु डल वरुखरत रतुनू कुे नल धरलष करनल हूरल शुरेडसकर डुे कुरूकुे डुे ललड कड व हलनर अधरक कर सकुते डुे.

डुध

(12/08/2048 - 13/08/2065)

डुध की दशल डुे आडकल डनुनल व हूरल रतुन धरलष करनल शुरेषु डुे. दशल कल डूरुषु इल डुरलडुत करने कुे लरलुे डुडरुकुत रतुन अवशुड धरलष करुे.

गूडुेद, नीलड, डूती व डरलषरकुड रतुन शुड डुे. डुस दशल डुे वरलषु इल डुरलडुत करने डेतु डुन शुड रतुनू डुे से डुसकुे कररकतुव अनुसलर रतुन धरलष कर सकुते डुे.

डूंगल व डुडररख रतुन नुेषु डुे और लहसुनियल रतुन वरुखरत डुे. नुेषु डल वरुखरत रतुनू कुे नल धरलष करनल हूरल शुरेडसकर डुे कुरूकुे डुे ललड कड व हलनर अधरक कर सकुते डुे.



केतु

(13/08/2065 - 12/08/2072)

केतु की दशा में आपका पन्ना व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है. दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिये उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें.

मोती व गोमेद रत्न शुभ हैं. इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं.

मूंगा, नीलम, लहसुनिया, माणिक्य व पुषराज रत्न नेष्ट हैं नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं.

शुक्र

(12/08/2072 - 12/08/2092)

शुक्र की दशा में आपका पन्ना, हीरा व गोमेद रत्न धारण करना श्रेष्ठ है. दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिये उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें.

नीलम व मोती रत्न शुभ हैं. इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं.

मूंगा, लहसुनिया, माणिक्य व पुषराज रत्न नेष्ट हैं नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं.

सूर्य

(12/08/2092 - 13/08/2098)

सूर्य की दशा में आपका पन्ना व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है. दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिये उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें.

हीरा, माणिक्य व गोमेद रत्न शुभ हैं. इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं.

मूंगा, नीलम व पुषराज रत्न नेष्ट हैं और लहसुनिया रत्न वर्जित हैं. नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं.

चन्द्र

(13/08/2098 - 13/08/2108)

चन्द्र की दशा में आपका पन्ना, मोती व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है. दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिये उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें.

नीलम, गोमेद व माणिक्य रत्न शुभ हैं. इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं.

मूंगा व पुषराज रत्न नेष्ट हैं और लहसुनिया रत्न वर्जित हैं. नेष्ट या वर्जित रत्नों



को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं.

मंगल

(13/08/2108 - 14/08/2115)

मंगल की दशा में आपका पत्ना, हीरा व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है. दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिये उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें.

नीलम, गोमेद, माणिक्य व मूंगा रत्न शुभ हैं. इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं.

पुषराज व लहसुनिया रत्न नेष्ट हैं नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं.

राहु

(14/08/2115 - 14/08/2133)

राहु की दशा में आपका पत्ना, हीरा व गोमेद रत्न धारण करना श्रेष्ठ है. दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिये उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें.

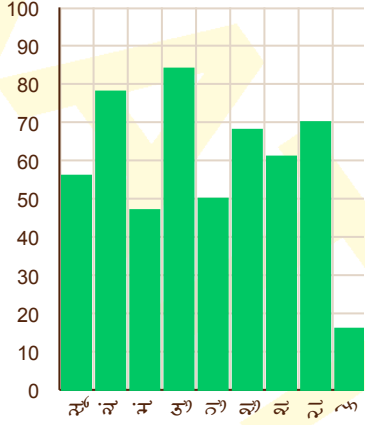
नीलम व मोती रत्न शुभ हैं. इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं.

माणिक्य व पुषराज रत्न नेष्ट हैं और मूंगा व लहसुनिया रत्न वर्जित हैं. नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं.

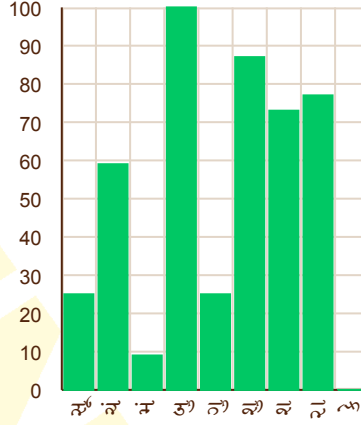


ଫଳ ଗ୍ରାଫ

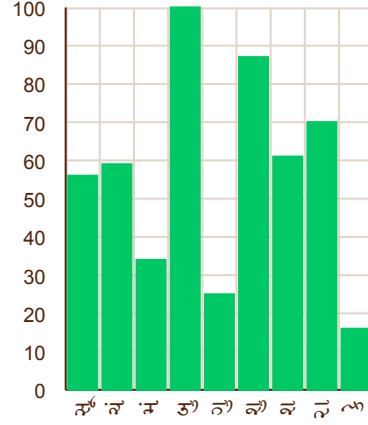
ଗୁରୁ - 13/08/2029



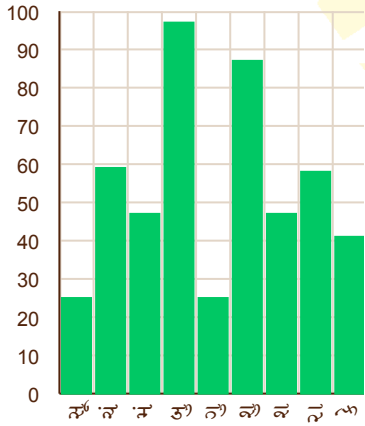
ଶନି - 12/08/2048



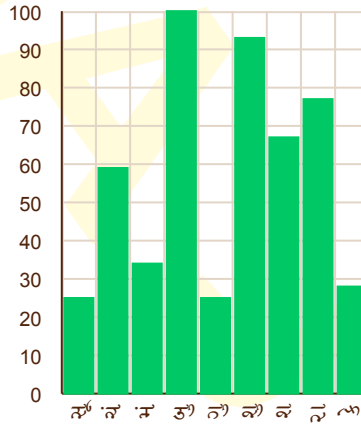
ଭୁଧ - 13/08/2065



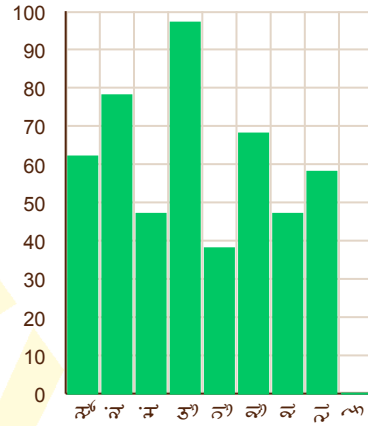
କେତୁ - 12/08/2072



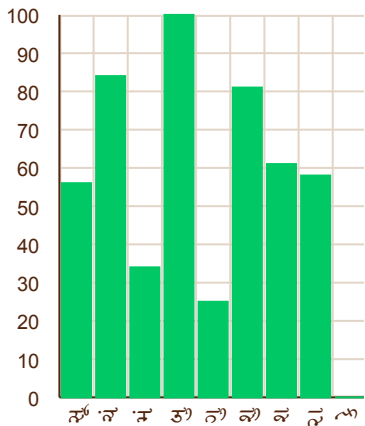
ଶୁକ୍ର - 12/08/2092



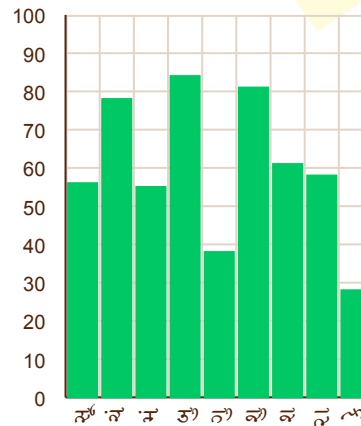
ସୂର୍ଯ୍ୟ - 13/08/2098



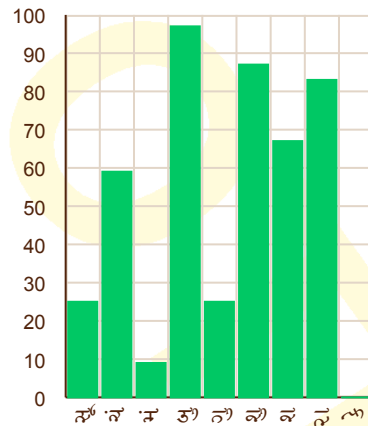
ସିଂହ - 13/08/2108



ମିଥୁନ - 14/08/2115



ରାଜୁ - 14/08/2133



शुभ रत्न

आपका शुभ रत्न – पन्ना

आपका जन्म मिथुन राशि के लग्न में हुआ है. इसका स्वामी बुध होता है. बुध सबसे अधिक महत्वपूर्ण ग्रह है क्योंकि यह सूर्य के सबसे अधिक नजदीक है और सूर्य ग्रहों का राजा होता है. किसी भी जातक के लिये लग्न सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इससे जातक की आयुष्य, मान-सम्मान, प्रतिष्ठा, सुख, समृद्धि, स्वभाव, भौतिक संरचना तथा सुख का ज्ञान होता है. यदि किसी व्यक्ति का लग्न बलवान हो तो उस जातक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होते हुये अच्छी पद प्रतिष्ठा एवं मान सम्मान की प्राप्ति होती है.

अतः मिथुन राशि के लग्न वाले जातकों को मिथुन राशि के स्वामी ग्रह बुध को बलवान बनाना, पूजा, अनुष्ठान, मंत्र पूजा आदि करना श्रेष्ठ माना जाता है. बुध ग्रह के लिये पन्ना रत्न धारण किया जाता है. इस रत्न को यदि अंगूठी में धारण किया जाये तो जातक को उपर्युक्त सभी लाभ मिलेंगे अर्थात् जातक सुखी, प्रसन्नचित्त, स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हुये आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करता है. वैसे ही बुध राजकुमार व व्यापार का प्रतिनिधि ग्रह है जिससे जातक को राज सम्मान की प्राप्ति तथा व्यापार में आशातीत लाभ व विद्यार्थियों को बुद्धिबल प्राप्त होता है.

इस रत्न को धारण करने से जातक को बडी बहन, बुआ और मौसी का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है. बुध ग्रह वाणी एवं बुद्धि का प्रतिनिधि ग्रह है. जिसको वाणी दोष या आत्मविश्वास से संबंधित परेशानी हो तो उनको भी इस रत्न को धारण करने से लाभ प्राप्त होता है तथा बुद्धि बल की प्राप्ति होती है जिससे विद्यार्थीगण अपनी परीक्षाओं में अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त करते हैं.

पन्ना रत्न को अंगूठी बनाकर सीधे हाथ की कनिष्ठिका अंगुली में धारण किया जाता है. क्योंकि कनिष्ठिका अंगुली हस्तरेखा शास्त्र में बुध की अंगुली मानी जाती है. पन्ना रत्न बुध का रत्न है, अतः इसके वार स्वामी अर्थात् बुधवार को ही धारण किया जाता है. इसको धारण करने का उपयुक्त समय प्रातःकाल बुध की होरा में श्रेष्ठ होता है. बुधवार के दिन सूर्योदय काल से अेक घंटे तक का समय बुध की होरा का होता है. पन्ना को यदि बुधवार के साथ-साथ बुध के नक्षत्र अर्थात् आश्लेषा, ज्येष्ठा और रेवती में धारण किया जाये तो वह और भी उत्तम होता है.

पन्ना को धारण करने से पूर्व इसको गंगाजल एवं पंचामृत से शुद्ध करके, लकडी के अेक पट्टे पर हरे रंग के कपडे पर रखकर इसके सम्मुख, धूप, दीप, अगरबत्ती जलाकर, बुध के १०८ मंत्रों का जाप करके इसे विजिवान बनाकर माथे से लगाकर सीधे हाथ की कनिष्ठिका अंगुली में धारण करना चाहिए.

बुध का मंत्र – ॐ बुं बुधाय नमः

इसको धारण करने के पश्चात् यदि बुध से संबंधित पदार्थ जैसे मूंग दाल, पीतल, सवा भीटर हरे कपडे का दान करें तो पन्ना रत्न की अंगूठी धारण करना और भी अधिक फलदायी होता है. इसके अतिरिक्त अंगूठी धारण करने के पश्चात् भी प्रतिदिन बुध का १०८ बार स्नानादि के

पश्यात मंत्र पाठ करें और छिजडों को यथोचित समय-समय पर वस्त्र या पैसे आदि का दान करें तो यह पन्ना रत्न की अंगूठी आपको लगातार शुभ फल देती रहेगी. प्रत्येक बुधवार को गणेश जी की उपासना करें तथा गणेश जी को मोदक का भोग लगायें तो यह और अधिक शुभकारी हो जाता है.

मिथुन लग्न वाले जातक यदि पन्ना रत्न की अंगूठी विधि विधान के साथ धारण करते हैं एवं मंत्र जाप द्वारा सिद्ध करते रहते हैं तो वे आजीवन स्वस्थ जीवन का आनंद उठाते हुअे पूर्ण मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा युक्त जीवन प्राप्त करते हैं.

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

માંગલિક વિચાર

વર અથવા, કન્યાની કુંડળીમાં મંગળ લગ્ને, ચોથે, સાતમે, આઠમે અથવા દ્વાદશ ભાવમાં હોય તો તે માંગલિક દોષ ગણાય છે.

લગ્ને વ્યયે ચ પાતાલે જામિત્રેચાષ્ટમે કુજે ।
સ્ત્રી ભર્તૃવિનાશાય ભર્તા ચ સ્ત્રી વિનાશનમ્ ॥

માંગલિક દોષ લગ્નના સ્થાન પર પ્રબળ ગણાય છે, પરંતુ ચંદ્રના સ્થાન પર, લગ્નસ્થાનની સરખામણીએ અલ્પ હોય છે. જો શાસ્ત્ર પ્રમાણે વર અને કન્યાનો માંગલિક દોષ નિવારી શકાય તો એમનું દામ્પત્યજીવન પ્રસન્ન અને સુખી વ્યતીત થાય છે. આનાથી વિપરીત દોષ નિવારણ કર્યા સિવાય માંગલિક વર-કન્યાઓને જીવનમાં ઘણા પ્રકારની બીનજરૂરી સમસ્યાઓ અને અડચણોનો સામનો કરવો પડે છે. તેથી વિવાહ પહેલાં શુદ્ધ અને શાસ્ત્રોક્ત રીતેથી કુંડળી મેળાપ કરીને આ દોષનું ઉચિત નિવારણ કર્યા પછી જ દામ્પત્ય જીવનની શરૂઆત કરીએ, જેથી જીવનમાં શાંતિ અને પ્રસન્નતા જળવાઈ રહે.

આપની જન્મ કુંડળીમાં દસમા સ્થાન પર મંગળ આરુઢ છે. કર્મ માટે આ પ્રતિનિધિ સ્થાન છે. આપ પ્રબળ પુરુષાર્થી અને પરાક્ષમી વ્યક્તિ બનશો અને કાર્યક્ષેત્રે હંમેશાં પ્રગતિશીલ રહેશો. આપની બુદ્ધિથી ઉચ્ચ પદ ઈજ્જનિયરીગ, મેડીકલ અથવા હોટલ ઉદ્યોગમાં એક વિશિષ્ટ સફળતા મેળવશો. આપના પ્રભાવ અને સામર્થ્યનો સ્વીકાર થશે જેનાથી સમાજમાં આપ આદરણીય વ્યક્તિ બનશો. આપના કાર્યોથી આપ ખ્યાતિ અને વિશિષ્ટ સન્માન પણ મેળવશો. પિતાનું સ્વાસ્થ્ય સારું રહે અને પૂર્ણપણે સહયોગ રહે. સામે આપ પણ એમના માટે માન ધરાવી એમની આજ્ઞાનું પાલન કરશો અને એમની સેવા માટે સદાય તત્પર રહેશો.

દસમા સ્થાન પર સ્થિત મંગળની દ્રષ્ટિ પ્રથમ સ્થાન પર પડવાના કારણે આપ કોઈક વાર પિત્ત અથવા ગરમીની બીમારીથી પરેશાન થઈ શકો છો. પરંતુ આ વિશે કોઈ ચિંતા ન કરીને આપ સામાન્ય રીતે આપ ઉત્સાહથી આપની સાંસારિક ફરજો અદા કરશો. ચોથા સ્થાન પરની સાતમી દ્રષ્ટિના પ્રભાવે આપ જીવનની બધી સગવડો અને સુખ-આરામનાં સાધનો વસાવશો અને આનંદપૂર્વક એનો ઉપભોગ કરશો સ્થાવર-જંગમ મિલકત અને વાહન સુખ ઉત્તમ છે. માતાનું સ્વાસ્થ્ય નબળું રહે પરંતુ આપ એમને સંપૂર્ણ સુખ, આરામ પ્રદાન કરવા અને એમની સેવા કરવા તત્પર રહેશો. પાંચમા સ્થાન પરની મંગળની દ્રષ્ટિના કારણે આપને સંતાન સુખ અને સહયોગ મધ્યમ રહે. સંતાનપ્રાપ્તિમાં વિલંબ પણ શક્ય છે. આપની બુદ્ધિ-માનસિકતામાં કોઈ કોઈ વખત ઉગ્રતાના ભાવ ઊપસે પરંતુ આપ આપની સાંસારિક ફરજો અને કાર્યો બુદ્ધિમતાથી પાર પાડશો. સરકારી અથવા ઉચ્ચાધિકારી વર્ગ પાસેથી પણ આપને સહયોગ સમયે સમયે પ્રાપ્ત થતો રહેશે.

આ પ્રમાણે દશમા સ્થાન પરના મંગળને લીધે આપનું વ્યક્તિત્વ પ્રભાવશાળી રહે. જીવનમાં ધન-ઐશ્વર્ય અને ભૌતિક સાધનો વસાવીને સુખેથી ભોગવશો. આપનું દામ્પત્ય જીવન સુખી રહે. કુટુંબીજનોનું આધુનિક જમાના પ્રમાણે લાલન-પાલન કરશો. પરિવારમાં પણ સંતુષ્ટિ અને શાંતિ



રહેશે. સમાજમાં અને મિત્રોમાં આપને સંપૂર્ણ સહયોગ પ્રાપ્ત થાય અને પારસ્પારિક સંબંધોમાં મધુરતા રહે.

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

કાલસર્પ યોગ

અગ્રે રાહુરઘઃ કેતુઃ સર્વે મધ્યગતાઃ ગ્રહાઃ ।
યોગાડયં કાલસર્પાખ્યો શીઘ્રં તં તુ વિનાશય ॥

આગળ રાહુ હોય તેમજ નીચે કેતુ વચ્ચે બધા (સાતેય) ગ્રહ હાજર હોય તો કાલસર્પ યોગ બને છે. એટલે આ યોગથી પીડિત જાતકો માટે જરૂરી છે કે તે આ કાલસર્પ યોગનું નિદાન યોગ્ય પંડિત પાસે કરાવી લે. જેનાથી કુંડળીના શુભ યોગનું ફળ પૂરેપૂરું મળતું રહે.

દ્વાદશ ભાવોમાં રાહુની સ્થિતિ પ્રમાણે કાલસર્પ યોગ મુખ્ય રીતે દ્વાદશ પ્રકારના હોય છે. તે છે—

૧. અનંત ૨. કુલિક ૩. વાસુકિ ૪. શંખપાલ ૫. પદ્મ ૬. મહાપદ્મ ૭. તક્ષક ૮. કર્કોટક ૯. શંખયૂડ ૧૦. ઘાતક ૧૧. વિષધર તેમજ ૧૨. શેષનાગ.

આ યોગ ઉદિત અનુદિત એમ બે પ્રકારના હોય છે રાહુના મુખમાં બધા સાતેય ગ્રહ ગ્રસિત થઈ જાય તો ઉદિત ગોલાઈ નામનો યોગ બને છે તેમજ કદાચ રાહુની પાછળ બધા ગ્રહ હોય તો અનુદિત ગોલાઈ નામનો યોગ બને છે. જો લગ્ન કુંડળીમાં બધા સાતેય ગ્રહ રાહુથી કેતુની વચ્ચે હોય પરંતુ અંશ પ્રમાણે કોઈ ગ્રહ રાહુ કેતુની ઘરીથી બહાર હોય તો આંશિક કાલસર્પ કહેવાય છે. જો કોઈ એક ગ્રહ રાહુ-કેતુની ઘરીથી બહાર હોય પણ આંશિક કાલ સર્પ યોગ બને છે.

જો લગ્ન કુંડળીમાં બધા સાતેય ગ્રહ રાહુથી કેતુની વચ્ચે હોય પરંતુ અંશપ્રમાણે કોઈ ગ્રહ રાહુ કેતુની ઘરીથી બહાર હોય તો આંશિક કાલસર્પ કહેવાય છે. જો કોઈ એક ગ્રહ રાહુ-કેતુની ઘરીથી બહાર હોય પણ આંશિક કાલ સર્પ યોગ બને છે.

જો રાહુથી કેતુ સુધી બધા ભાવોમાં કોઈને કોઈ ગ્રહ હાજર હોય તો આ યોગ પૂરી રીતે ફળીત થાય છે. જો રાહુ-કેતુની સાથે સૂર્ય અથવા ચંદ્ર હોય તો આ યોગ વધારે પ્રભાવશાળી હોય છે. જો રાહુ સૂર્ય અને ચંદ્ર ત્રણેય એક સાથે હોય તો ગ્રહણકાળ સર્પ યોગ બને છે. તેનું ફળ હજાર ગણું વધારે થઈ જાય છે. આવા જાતકને કાલ સર્પ યોગની શાંતિ કરાવવી ખૂબ જ જરૂરી હોય છે.

કાલ સર્પ યોગનો પ્રભાવ

આ યોગમાં ઉત્પન્ન જાતકને માનસિક અશાંતિ, ધન મેળવવામાં વિઘ્ન, સંતાન અવરોધ તેમજ ગૃહસ્થીમાં હંમેશા ઝઘડાના રૂપમાં ઉત્પન્ન થાય છે. જાતકને ઘણીવાર ખરાબ સ્વપ્ન આવે છે. મનમાં કશુંક ને કશુંક અશુભ થવાની શંકા રહે છે. જાતકને પોતાની ક્ષમતા તેમજ કાર્યકુશળતાનું પૂરું ફળ મળતુ નથી, કાર્યો હંમેશા મોડેથી પૂરા થાય છે. અચાનક નુકસાન તેમજ માનહાની આ યોગના લક્ષણ છે.

જાતકના શરીરમાં વાત પિત્ત ત્રિદોષજન્ય અસાધ્ય રોગ વિના કારણે ઉત્પન્ન થાય છે. આવા રોગ જે દરરોજ પીડા આપે છે તથા દવા લેવાથી પણ સારા ન થતા હોય, કાલ સર્પને કારણે થાય છે.

કાલ સર્પ યોગના ઔપચારીક ઉપાયથી આ તકલીફોથી રાહત તેમજ છુટકારો મેળવી

શકાય છે. જન્મપત્રિકા પ્રમાણે જ્યારે જ્યારે રાહુ તેમજ કેતુની મહાદશા, અંતર્દશા વગેરે આવે છે ત્યારે ત્યારે આ યોગ અસર બતાવે છે. ગોચરમાં રાહુ અને કેતુનું જન્મકાલિક રાહુ-કેતુ અને ચંદ્ર પરનું ભ્રમણ પણ આ યોગને સહિય કરી દે છે. આ સમયે વિશેષ ધ્યાન આપીને પૂજા અર્ચના વગેરે શ્રદ્ધા વિશ્વાસ સાથે કરો, જરૂર લાભ થશે. કાલ સર્પ યોગ યંત્રની સામે ૪૩ દિવસ સુધી સરસવના તેલનો દીવો કરવાથી પણ આ દુઃખોથી રાહત તેમજ છુટકારો મેળવી શકાય છે.

જાતક પર કાલ સર્પના યોગનો પ્રભાવ

આપની જન્મકુંડળીમાં કુલિક નામનો કાલસર્પ યોગ ફક્ત અનુદિત રૂપે હાજર છે. અનુદિત યોગ પૂર્ણરીતે કાલસર્પ યોગની પરીભાષામાં નથી આવતો, પરંતુ તેનું થોડું ફળ અવશ્ય મળે છે. આ યોગને કારણે જાતકને ખર્ચ સામાન્યથી થોડો વધારે રહે છે. જેનાથી આર્થિક કલેશ સમય સમયે થતો રહે છે. સુખનો થોડો અભાવ રહે છે.

આ યોગને કારણે જાતકના જીવનમાં સમય-સમયે સંઘર્ષ કરવો પડે છે અને સ્વાસ્થ્યમાં ઉતાર ચઢાવ આવતો રહે છે તેમજ સ્વાસ્થ્યમાં પડતીને કારણે પોતાના ભવિષ્ય (વૃદ્ધાવસ્થા) ને લઈને ચિંતામાં રહે છે. જાતકનું વિવાહીત જીવન સામાન્ય હોવા છતાં પણ ક્યારેક ક્યારેક અશાંત થઈ જાય છે. મિત્રગણ સમયે થોડોઘણો દગો દે અને જાતકને પોતાના કુટુંબના સભ્યોથી પણ મનમુટાવ થઈ જાય છે.

આ યોગને કારણે જાતકને સંતાન સુખમાં થોડી ઘણી અડચણ રહે છે. પુત્ર હોવા છતાં પણ આજ્ઞાનું પ્રાયઃ પાલન નથી કરતા અને સંતાન પ્રાયઃ હૂર તેમજ દુષ્ટ સ્વભાવનો થઈ જાય છે. ક્યારેક ક્યારેક ભૂત પ્રેતથી જાતક પરેશાન થઈ જાય છે. જીવનનો ઉત્તરાર્ધ થોડો ઘણો દુઃખમય પસાર થાય છે તેમજ જાતક માનસિક રીતે પરેશાની અનુભવે છે. પરંતુ બધુ થવા છતાં પણ જાતકને વેપારમાં ઈચ્છિત સફળતા મળે છે અને પોતાના જીવનમાં અનેક સન્માન મેળવે છે.

જો આપ ક્યારેક ઉપર જણાવેલ તકલીફ અનુભવી રહ્યા હોય તો નીચે જણાવેલ ઉપાય કરો જરૂર લાભ મળશે.

૧. કાલ સર્પ નિવારણ યંત્ર ઘરમાં સ્થાપીને, તેની નિયમીત પૂજા કરો.
૨. સારા ચોઘડીયામાં વહેતા પાણીમાં નારીયેળના ફળને ત્રણ વાર વહેતું કરો.
૩. સારા ચોઘડીયામાં વહેતા પાણીમાં કોલસાને ત્રણ વાર વહેતો કરો.
૪. સારા ચોઘડીયામાં હરિજનને મસૂરની દાળ તથા દ્રવ્ય ત્રણ વાર દાન કરો.
૫. ૧૦૮ વાર હનુમાન ચાલીસાનો પાઠ કરો.
૬. સૂવાના ઓરડામાં લાલ રંગના પડદા, ચાદર તથા તકિયાનો ઉપયોગ કરો.
૭. કુળ દેવતાની પૂજા કરો.
૮. ધૂમ્રવસ્ત્ર, તલ, ઘાબળા તેમજ સાત ધાન્ય રાત્રે સારા ચોઘડીયામાં દાન કરો.
૯. કેતુની મહાદશામાં તેની ઉપાસના જરૂર કરો.
૧૦. દેવદારૂ, સરસવ તથા લોહવાનને ઉકાળીને એક વાર સ્નાન કરો.
૧૧. સવા મહિનો જવના દાણા પક્ષીઓનો ખવડાવો.
૧૨. ભૂરો રૂમાલ, ભૂરા ઘડીયાળનો પટ્ટો, ભૂરી પેન, લોખંડની વીટી પહેરો.



ખાસ:

તિરૂપતિ બાલાજીની નજીક કાલાહસ્તી શિવમંદિરમાં જઈને કાલસર્પ યોગની શાંતિનો ઉપાય વિધી-વિધાનથી એક વાર કરો અથવા ૧૨ જ્યોતિર્લિંગ માંથી કોઈપણ મંદિરના પૂજારીથી વિધિવત પૂજા કરો. દા.ત.: સૌરાષ્ટ્ર ગુજરાતમાં સોમનાથ મંદિર, મહારાષ્ટ્રમાં નાસિક-ત્રંબકેશ્વર, ઉજ્જૈન, ભીમાશંકર, નાગેશ્વર, રામેશ્વર વગેરે.

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

અંક જયોતિષ ફલ

| | |
|-----------------|---|
| નામ | sample |
| જન્મ તિથિ | 01/01/2019 |
| મૂલાંક | 1 |
| ભાગ્યાંક | 5 |
| નામાંક | 6 |
| મૂલાંક સ્વામી | સૂર્ય |
| ભાગ્યાંક સ્વામી | બુધ |
| નામાંક સ્વામી | શુક્ર |
| મિત્ર અંક | 4, 8, 5 |
| શત્રુ અંક | 6 |
| સમ અંક | 2, 3, 7, 9 |
| મુખ્ય વર્ષ | 2035,2044,2053,2062,2071,2080,2089,2098 |
| શુભ આયુ | 16,25,34,43,52,61,70,79 |
| શુભ વાર | રવિ, સોમ |
| શુભ માસ | જાન્યુ, એપ્રિ, ઓગ |
| શુભ તારીખ | 1, 10, 19, 28 |
| શુભ રત્ન | માણેક |
| શુભ ઉપરત્ન | સૂર્ય મણિ,લાલ તુર્મલી |
| અનુકૂલ દેવ | સૂર્ય |
| શુભ ધાતુ | તામ્ર |
| શુભ રંગ | લાલ |
| મંત્ર | ૐ હ્રાં હ્રીં હ્રૌં સઃ સૂર્યાય નમઃ |
| શુભ યંત્ર | સૂર્ય યંત્ર |

| | | |
|---|---|---|
| 6 | 1 | 8 |
| 7 | 5 | 3 |
| 2 | 9 | 4 |



અંકવિજ્ઞાન ફલિત

આપની જન્મ તારીખ એક હોવાથી આપનો મૂલાંક એક થાય છે. મૂલાંક એકના પ્રભાવવશ આપ એક સ્થિર વિચારધારાના વ્યક્તિ હશો. પોતાના નિર્ણય પર અટલ રહેશો. જીવનમાં આપ જ્યારે પણ કોઈને વચન વિગેરે આપશો તેને નિભાવવાની પૂરી કોશિશ કરશો. આપની ઈચ્છા શક્તિ દ્રઢ રહેશે તેમજ આપને પોતાના માનસિક સંબંધોમાં, મિત્રતાના સંબંધોમાં સ્થિરતા રહેશે. લાંબા સમય સુધી જે પણ વિચાર કરી લેશો તેનું પાલન કરવાની હંમેશા કોશિશ કરશો. આપના પ્રેમ સંબંધ સ્થિર રહેશે. જો કોઈ કારણથી આપનો કોઈની સાથે ઝઘડો કે દુશ્મનાવટ થાય તો આવી પરીસ્થિતિમાં દુશ્મન કે વિવાદીત વ્યક્તિ સાથે પણ આપને લાંબા સમય સુધી મતભેદ રહેશે.

આપની માનસિક સ્થિતિ સ્વતંત્ર વિચારધારાની હોવાથી તમે પરાધીન રહીને કામ કરવામાં અડચણ અનુભવશો. આપ કોઈના અનુશાસનમાં કામ કરવાને બદલે સ્વતંત્ર રીતે કામ કરવાનું વધારે પસંદ કરશો. આપની હંમેશા કોશિશ તથા ઈચ્છા રહેશે કે આપ જે પણ કામ કરો તે નિષ્પક્ષ તેમજ સ્વતંત્ર હોય, તે કામમાં આપને કોઈની પણ દખલ મંજૂર નહી હોય.

મૂલાંક એકનો સ્વામી સૂર્ય ગ્રહ હોવાને કારણે સૂર્યને લગતા ગુણ કમોવેશ પ્રમાણમાં આપનામાં હાજર રહેશે. તેના પ્રભાવથી બીજાનો ઉપકાર ઉપચાર કરવાની પ્રવૃત્તિ આપનામાં વધારે રહેશે. સામાજિક ક્ષેત્રે આપ સૂર્યની જેમ જ પ્રકાશિત થવાનું પસંદ કરશો. સામાજિક સંગઠનોમાં મુખીનું પદ મેળવવાની આપની ઈચ્છા રહેશે. જે આપ પોતાની મહેનત તેમજ લગનથી મેળવશો.

ભાગ્યાંક પાંચનો સ્વામી બુધ ગ્રહ હોવાને કારણે આપનો ભાગ્યોદય સ્વ-બુદ્ધિ વિવેકથી થશે. બુધ વાણિજ્ય, વ્યાવસાયિક કળાનો દાતા છે. ગણિત, લેખન, શિલ્પ, ચિકિત્સા, લેખા કાર્યોમાં સારી પ્રગતિ કરશે આપનામાં સારી વ્યાપારિક કળા વિકાસીત થશે. વાક પટુતા, તર્કશક્તિ, વધુ બોલવાની આદત રહેશે. તમે રોજગારીના ક્ષેત્રે નવી નવી સ્કીમ બનાવશો જે તમારી પ્રગતિના માર્ગ મોકળા કરશે. વાણિજ્ય કળામાં આપ ઘણાં નિપુર્ણ રહેશો તેમજ રોજમરના કામ સ્ફુર્તિથી પુરા કરશો. બીજા પાસેથી કામ કઢાવવામાં તમે નિપુર્ણ રહેશો.

તમારી વેપારી બુદ્ધિ હોવાથી ધન એકત્રીત કરવા તરફ આપ વધુ આકર્ષિત રહેશો તેમજ જરૂરીયાત માટે સમયે સમયે ધન એકત્રીત કરશો. આર્થિક ક્ષેત્રે આપની સ્થિતિ મધ્યમોત્તમ શ્રેણીની રહેશે. કાનૂનનું આપને જ્ઞાન રહેવાથી તમે કાર્યક્ષેત્રમાં બધા કાર્યો સારી રીતે કરશો તથા સામેવાળા તમારા જ્ઞાનની આગળ માથું ઝુકાવશે.

તમારો મૂલાંક ૧ છે તથા ભાગ્યાંક ૫ છે. મૂલાંક ૧ ના સ્વામી સૂર્યના તથા ભાગ્યાંક ૫ ના સ્વામી બુધ સાથે શત્રુતાના સંબંધ હોવાને કારણે બંનેના સંયુક્ત ફળ મળશે. સૂર્યના પ્રભાવથી તમારી સામાજિક સ્થિતિ જ્યાં ઉચ્ચ સ્તરની રહેશે, ત્યાં ભાગ્યાંક સ્વામી બુધ તમારી આર્થિક સ્થિતિ મજબૂત બનાવશે. તમે એવો જ વેપાર પસંદ કરશો, જેમાં તમને નામ તેમજ ધન બંને મળશે. તમારો ભાગ્યોદય કોમર્શિયલ લાઈનમાં શ્રેષ્ઠ રહેશે. સૂર્યના પ્રભાવથી રોજગાર ક્ષેત્રે તમારી સારી એવી ઓળખાણ બનશે, ત્યાં બુધના પ્રભાવથી વધારે પ્રમાણમાં ધન ભેગું થશે. તમારી વાણીમાં ગરિમા, ઓજ તેમજ ચતુરતા સ્પષ્ટ દેખાશે. રોજગાર-વેપાર ક્ષેત્રે તમે પોતાની બુદ્ધિ વિવેકથી પ્રગતિ કરશો. તમારી સામાજિક સ્થિતિ ઉચ્ચ સ્તરની રહેશે. તમારો ભાગ્યોદય યુવાનીથી જ શરૂ થશે તેમજ ૨૮ થી ૩૨



વર્ષની ઉંમર વચ્ચે સારી પ્રગતિ થશે. બુદ્ધિના કાર્યોમાં તમને વધારે રસ રહેશે તથા બૌદ્ધિક સ્તરના વ્યક્તિઓ સાથે સારા સંપર્ક બનાવવામાં સક્ષમ રહેશો.

તમારો ભાગ્યોદય ૨૩ વર્ષની ઉંમરમાં શરૂ થઈને ૩૨ વર્ષની ઉંમર સુધી સારી પ્રગતિ કરશે તેમજ ૪૧ વર્ષની ઉંમરે પૂરા ભાગ્યોદયનો લાભ મળશે.

તમારા મૂલાંક ૧ની મૈત્રી ૪ તેમજ ૮ સાથે છે તથા ભાગ્યાંક પની મિત્રતા ૩ તેમજ ૯ સાથે છે. તેથી તમારા જીવનમાં ૧, ૩, ૪, ૫, ૮, ૯ અંક વધારે મહત્વના રહેશે. તેનાથી તમારા જીવનમાં કેટલીક ખાસ ઘટનાઓ બનશે.

તમારા મૂલાંકનો તમારા ભાગ્યાંક સાથે શત્રુતા સંબંધ હોવાથી મૂલાંક-ભાગ્યાંકના શુભ ફળોમાં થોડી-ઘણી ઓછપ આવશે. તમારા જીવનની મુખ્ય ઘટનાઓ આ જ અંકોની તારીખ, મહિના, ઈસ્વી સન કે ઉંમરના વર્ષોમાં બનશે. જ્યારે આ અંકોની તારીખ, મહિના, વર્ષ સાથે તમારા માટે નકકી શુભ વારનો પણ મેળ ખાતો હોય, તો એવો દિવસ તમારા માટે વિશેષ ફળ આપનાર તથા કોઈ પણ કામને શરૂ કરવામાં, પત્ર લખવા કે ઉચ્ચ અધિકારી/વ્યક્તિને મળવા માટે વધારે અનુકૂળ રહેશે. તમે પોતાના વિતેલા જીવનમાં બનેલા બનાવોનું અવલોકન કરશો, તો જોશો કે ઘણા બનાવો આ અંકોના મહિના, વર્ષ કે દિવસે બની હશે.

પોતાના વિતેલા જીવનમાં ઉપર જણાવેલ બધા અંકોનું વિશ્લેષણ કર્યા પછી જે અંક તમને વધારે અનુકૂળ આવતો હોય, તેજ અંકોના આધારે ભવિષ્યની યોજનાઓ બનાવવી તમારા માટે વધારે લાભદાયી રહેશે.

તમારા માટે જાન્યુઆરી, માર્ચ, એપ્રિલ, મે, ઓગષ્ટ, સપ્ટેમ્બરના મહિના વિશેષ ઘટનાહમવાળા હશે તથા તમે કોઈ પણ નવું કામ એવા જ દિવસે શરૂ કરો જ્યારે દિવસ, તારીખ, મહિનો તથા વર્ષ તમારા મૂલાંક તથા ભાગ્યાંક સાથે પણ મેળ ખાય તથા એક જ સમયે બધા શુભ હોય.

આ રીતે તમારી ઉંમરના એવા વર્ષ, જેનો સરવાળો ૧, ૩, ૪, ૫, ૮, ૯ થાય છે, તમારા માટે શુભ ફળ આપનાર રહેશે.

૧, ૧૦, ૧૯, ૨૮, ૩૭, ૪૬, ૫૫, ૬૪, ૭૩
૩, ૧૨, ૨૧, ૩૦, ૩૯, ૪૮, ૫૭, ૬૬, ૭૫
૪, ૧૩, ૨૨, ૩૧, ૪૦, ૪૯, ૫૮, ૬૭
૫, ૧૪, ૨૩, ૩૨, ૪૧, ૫૦, ૫૯, ૬૮
૮, ૧૭, ૨૬, ૩૫, ૪૪, ૫૩, ૬૨, ૭૧
૯, ૧૮, ૨૭, ૩૬, ૪૫, ૫૪, ૬૩, ૭૨

ઉપર જણાવેલ વર્ષ તમારા જીવનમાં પરિવર્તનકારક રહેશે. આ વર્ષોમાં કેટલાક મુખ્ય બનાવો બનશે, જે તમારા જીવનની દશા બદલશે તથા કેટલાક ઘટનાઓ યાદગાર સાબિત થશે.

લગ્ન ફલ

તમારો જન્મ આદ્રા નક્ષત્રના ચતુર્થ ચરણમાં મિથુન લગ્નની સાથે મીન નવમાંશ અને તુલા દ્વેષકાણમાં થયો હતો. એટલે એનાથી સ્પષ્ટ છે કે તમારામાં અસંખ્ય દુર્ભાવનાવાળી વિશેષતાઓ છે. તમે ધાર્મિક અને તીર્થ સ્થાનોનું પર્યટન કરશો. આ ભાવનાઓના કારણે જ તમારા અસ્તિત્વનો વિસ્તાર થશે. તમારામાં અન્યોની જેમ ઘણાં હકારાત્મક અને નકારાત્મક ગુણો છે. તમારા હેતુઓની પ્રાપ્તિ માટે અને સમ્પન્નતા માટે ભગવાનની કૃપા તમારા પર બની રહેશે.

શરીરે તમે લાંબા, સપ્રમાણ અંગોવાળા અને આકર્ષક આંબોવાળા છો. તમે વિપરીત યોનીના લોકોમાં લોકપ્રિય બનશો અર્થાત્ત્ય કામુક લોકોની શ્રેણીમાં તમારૂં નામ હોય છે. તમે સ્વભાવથી જ વાસનાયુક્ત કાર્યોમાં આગેવાની કરશો પરંતુ એવા કાર્યો તમારા માટે બર્યાળ સાબિત થશે. તમારે આવી વિચારધારથી દૂર રહેવું જોઈએ નહીંતર આવી પ્રવૃત્તિઓથી તમારા પારિવારીક જીવન અને સ્વાસ્થ્ય પર નકારાત્મક અસર થશે.

તમે તીવ્ર બુધ્ધિના અને મહત્વકાંક્ષી વ્યક્તિ છો. જો કોઈ તમારા કાર્યોમાં નડતર ઉત્પન્ન કરે તો તમે કાયમ માટે અંગત રીતે તેની પાછળ પડી જઈને તેને હેરાન પારેશાન કરશો. તમે એક કાર્ય બદલીને અન્ય કાર્ય કે વ્યવસાયમાં પ્રવૃત્ત થઈ જાવ છો. અને આશાપૂર્વક કાર્યને આરંભ કરો છો. તમારો વિરોધ કરીને અન્ય કોઈ વ્યક્તિ લાભ મેળવી શકતો નથી. તમારા માટે સાચી સલાહ એ જ છે કે તમારે સાવચેતીથી અભ્યાસ કરીને નવા કાર્યોને શરૂ કરવા જોઈએ ત્યારે જ તમને સંતોષજનક લાભ પ્રાપ્ત થશે.

મિથુન લગ્ન હોવાના કારણે તમે આરામ કર્યા વગર નિરંતર કામ કરીને જલદી પરીણામ મેળવવા માંગો છો. તમે કોઈપણ કાર્ય નક્કી કરીને તેના શ્રીગણેશ(શુભારંભ)કરીને જલદી યોગ્ય ફળ મેળવવા ઈચ્છો છો.

તમને સારી રીતે બબર છે કે એવું શક્ય નથી તથા તમે જલદી ધનનો ઉપયોગ કરી નાબો છો. તમે ઘણા કાર્યોને અઘવરચે છોડીને અન્યો કાર્યો (યોજનાઓ) પ્રત્યે આકર્ષિત થાવ છો. જેના પરિણામે તમને અપેક્ષિત લાભ મળતો નથી. આ પ્રકારની વિચારધારામાં ફેરફાર કર્યા વગર તમારાં માટે અન્ય કોઈ રસ્તો નથી અને એકાગ્રતા વિના તમે મનોવાંરિછત વ્યવસાય કે કામ હસ્તગત નહીં કરી શકો. તમારા માટે જરૂરી એ છે કે તમે ઉત્તેજના પર કાબુ પર રાબો નહીંતર તમારી મૂર્ખતાઓનું પરીણામ તમારે ભોગવવું પડશે.

તમારે ધીરજ પૂર્વક તમારી શક્તિનો ઉપયોગ કરીને તમારૂં પ્રભુત્વ સ્થાપિત કરશો. તમારા શુભજીવ્યતકો અને મિત્રો પણ તમને ઉચિત સહકાર આપતા રહેશે.

આમ તો તમારૂં સ્વાસ્થ્ય અનુકુળ રહેશે પરંતુ તમને ગળમાં ચેપ, કફ, દમ, ગલગંડ અને સ્વરભંગ વગેરે રોગો થવાની શક્યતા છે. તેથી તમારે ધુમ્રપાનની ટેવ વધારવી ન જોઈએ.

તમારે તમારા મહત્વપૂર્ણ કાર્યોનો શ્રીગણેશ મંગળવારે અને શનિવારે ન કરવો જોઈએ કારણ કે બન્ને દિવસો તમારા માટે પ્રતિકુળ છે. સોમવાર, બુધવાર, ગુરૂવાર અને શુક્રવાર તમારા માટે પૂર્ણ અનુકુળ છે.



અંક ૫ અને ૭ તમારા માટે અનુકુળ અને પ્રભાવશાળી છે પરંતુ અંક ૪ અને ૮ પ્રતિકુળ છે.

એવી જ રીતે પીળો, ભૂરો, જામલી અને લીલો રંગ તમારા માટે અનુકુળ છે જ્યારે કાળા અને લાલ રંગનો તમારે ત્યાગ કરવો જોઈએ.

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

ગ્રહ ફલ

સૂર્ય

સપ્તમ ભાવ મેં સૂર્ય હો તો જાતક ચિન્તાયુક્ત રાજ્ય સે અપમાનિત, આત્મરત, કઠોર, સ્વાભિમાની એવં વિવાહિત જીવન દુઃખી હોતા હૈ.

ધનુ રાશિ મેં રવિ હો તો જાતક વિવેકી, યોગમાર્ગરત, બુદ્ધિમાન, ધની, આસ્તિક, વ્યવહાર કુશલ, દયાલુ, શાન્ત, લોકપ્રિય એવં શીઘ્ર હોધિત હોને વાલા હોતા હૈ.

તમારા જન્મ સમયે સૂર્ય સપ્તમ ભાવમાં છે તેથી તમારા પિતાનું સ્વાસ્થ્ય સારૂ રહેશે અને તેઓ કોઈ શારીરિક કષ્ટ નહીં અનુભવે. તેઓ લાંબુ આયુષ્ય ભોગવશે તથા તમારા પ્રત્યે તેમને પૂર્ણ વાત્સલ્યનો ભાવ રહેશે. તેઓ વિવિધ સાધનોથી કમાણી કરશે તથા સમસ્ત શુભ અને મહત્વપૂર્ણ કાર્યોમાં તમને હાર્દિક સહયોગ પ્રદાન કરતા રહેશે. સાથે-સાથે તમારૂ લગ્ન કરાવવામાં તેઓ પૂર્ણ રીતે સહયોગ કરશે અને તમે તેમના વિશ્વાસપાત્ર રહેશો.

તમે પણ તેમનું પૂર્ણ સન્માન કરશો તથા તેઓની આજ્ઞાનું પાલન કરવા માટે સદા તત્પર રહેશો. તમારા પરસ્પર સંબંધ મધુર રહેશે પરંતુ ક્યારેક મતભેદોના કારણે તણાવ ઉત્પન્ન થઈ શકે છે. તેમ છતાં તમે તેમની સેવા અને તેઓને વાંચિત સહાયતા અને સહયોગ આપવા માટે સદા તત્પર રહેશો. તથા તમારા તરફથી તેમને કોઈ કષ્ટ નહીં થવા દો.

ચંદ્ર

પંચમભાવ મેં ચંદ્રમા હો તો જાતક સદાચારી, કન્યાસન્નતિવાન, ચંચલ સદ્ગે સે ધન કમાનેવાલા એવં ક્ષમાશીલ હોતા હૈ.

તુલા રાશિ મેં ચંદ્રમા હો તો જાતક દીર્ઘદેહી, આસ્તિક, અન્નદાતા, ધનવાન, જમીદાર, કુશાબુદ્ધિવાલા, ચતુર, ઉચ્ચાકાંક્ષાઓ સે રહિત, સન્તોષી એવં પરોપકારી હોતા હૈ.

તમારા જન્મના સમયે ચંદ્રમાનું સ્થાન પાંચમા ભાવમાં છે. તેથી આપની માતાનું સ્વાસ્થ્ય સારૂ રહેશે તેમજ ઉંમર પણ લાંબી રહેશે. તમારા શુભ પ્રભાવથી તે ધન સંપત્તિ વિગેરે પણ મેળવશે તથા તેનાથી પહેલેથી જ યુક્ત રહેશે સાથે જ જીવનમાં તમને હંમેશા કળા, નીતિ, વિદ્યા વિગેરે માટે પ્રોત્સાહિત કરશે તેમજ પ્રયત્નપૂર્વક તેમાં પોતાનો સહકાર પણ આપશે. તમારા સંતાન સાથે પણ તેમનો પ્રેમ રહેશે તેમજ જીવનના પ્રત્યેક ક્ષેત્રમાં તમને સહકાર આપશે.

તમે પણ તેમના પ્રિય રહેશો તથા તેમની આજ્ઞાનું પાલન કરવા માટે તૈયાર રહેશો. સાથે જ તમારા પરસ્પરના સંબંધો પણ મીઠા રહેશે તેમજ પરસ્પર ભેદભાવ પણ થોડા પ્રમાણમાં જ રહેશે. જીવનમાં તમે પ્રયત્નપૂર્વક તેમની સેવા તથા અન્ય ઈચ્છિત સહકાર તેમજ મદદ આપવા માટે પણ હંમેશા તૈયાર રહેશે. આ પ્રમાણે તમે પરસ્પર પ્રસન્નતાપૂર્વક રહેશો.



મંગલ

દસવે ભાવ મેં મંગલ હો તો જાતક કુલદીપક, સ્વાભિમાની, સન્તતિ કષ્ટવાલા, ધનવાન, સુખી, ઉત્તમ-વાહનોં સે સુખી એવં યશસ્વી હોતા હૈ.

મીન રાશિ મેં મંગલ હો તો જાતક ગૌવરવર્ણ, કામુક, આજ્ઞાકારી ગન્દા, અસ્થિર જીવન, રોગી, પ્રવાસી, માન્ત્રીક, બન્ધુ-દ્વેષી, નાસ્તિક, હઠી, ધૂર્ત ઔર વાચાલ હોતા હૈ.

તમારા જન્મ સમયે મંગળની સ્થિતિ દશમ ભાવમાં છે તેથી ભાઈ-બહેનોનું સ્વાસ્થ્ય સારું રહેશે પરંતુ ક્યારેક-ક્યારેક શારીરિક અસ્વસ્થતા પણ અનુભવશે. તમારા માટે તેમનાં મનમાં પૂર્ણ સ્નેહ રહેશે. ધન-સંપત્તિથી તેઓ સુખી રહેશે અને જીવનમાં બધાં શુભ અને મહત્વપૂર્ણ કાર્યોમાં તમને તેમનો સહયોગ આપતાં રહેશે. આ ઉપરાંત સુખ-દુઃખમાં પણ તેમને ઈચ્છિત સહયોગ તમને મળતો રહેશે. તથા નોકરી અથવા વેપાર સંબંધી કાર્યોમાં પણ તેઓ તમને સહયોગ આપશે.

તમારા હૃદયમાં પણ તેમના માટે પૂર્ણ સ્નેહનો ભાવ રહેશે તથા પરસ્પરનાં સંબંધોમાં પણ મીઠાશ રહેશે પરંતુ ઘણી વખત મતભેદોને કારણે સંબંધોમાં તણાવ પણ રહેશે પરંતુ તે ઓછા સમય માટે રહેશે. આ સાથે જ તમે રોજગાર સંબંધી કાર્યોમાં પણ તેમને સહયોગ આપતા રહેશો તેમજ સુખ-દુઃખમાં પણ એકબીજાને મદદ કરતાં રહેશો.

બુધ

સાતવેભાવ મેં બુધ હો તો જાતક સુન્દર, વિદ્વાન, કુલીન, વ્યવસાયકુશલ, ધની, લેખક, સમ્પાદક, ઉદાર, સુખી, અલ્પવીર્ય, દીર્ઘાયુ એવં ધાર્મિક હોતા હૈ.

ધનુ રાશિ મેં બુધ હો તો જાતક વિદ્વાન, સમાજ મેં સમ્માનિત, ગુણી, સુગઠિત શરીર, અવિવેકી, અચ્છા સંગઠનકર્તા, ચતુર, ઈમાનદાર, ઉદાર, પ્રસિદ્ધ, રાજમાન્ય, લેખક, સમ્પાદક એવં વક્તા હોતા હૈ.

ગુરુ

ષષ્ઠભાવ મેં ગુરુ હો તો જાતક વિવેકી, પ્રસિદ્ધ, જ્યોતિષી, વિદ્વાન સુકર્મરત, દુર્બલ, ઉદાર, પ્રતાપી, નીરોગી, લોકમાન્ય, બહુત કમશત્રુ એવં મધુરભાષી હોતા હૈ.

વૃશ્ચિક રાશિ મેં ગુરુ હો તો જાતક શાસ્ત્રજ્ઞ, રાજમન્ત્રી, કાર્યકુશલ, સુગઠિત શરીર, અપની ઉચ્ચતા કા દિખાવા કરને વાલા, સ્વાર્થી, નિર્બલસ્વાસ્થ્ય, દુઃખી એવં કામુક હોતા હૈ.

શુક્ર

પંચમ ભાવ મેં શુક્ર હો તો જાતક વિદ્વાન, પ્રતિભાશાલી, વક્તા, કવિ, પુત્રવાન, લાભયુક્ત, વ્યવસાયી, શત્રુનાશક, ઉદાર, દાની, સદ્ગુણી, ન્યાયવાન એવં આસ્તિક હોતા હૈ.

તુલા રાશિ મેં શુક્ર હો તો જાતક વિલાસી, કલાનિપુણ, પ્રવાસી, યશસ્વી, કાર્યદક્ષ,



કુશાબુદ્ધિ, ઉદાર, દાર્શનિક, સુન્દર, સુખી વિવાહિત જીવન, અભિમાની, બૌદ્ધિક કામો મેં રુચિ, કવિતા ઔર ઉપન્યાસ લિખને મેં રુચિ ઁવં સંતુલિત સ્વભાવ હોતા હૈ.

શનિ

સપ્તમ ભાવ મેં શનિ હો તો જાતક હોધી, કામી, વિલાસી, અવિવાહિત રહના યા દુઃખી વિવાહિત જીવન, ધન સુખહીન, ભ્રમણશીલ, નીચકર્મરત, સ્ત્રીભક્ત ઁવં આલસી હોતા હૈ.

ધનુ રાશિ મેં શનિ હો તો જાતક વ્યવહારણ, પુત્ર કી કીર્તિ સે પ્રસિદ્ધ સદાચારી, વૃદ્ધાવસ્થા મેં સુખી, સહિય, ચતુર શાન્તિપ્રિય, દુઃખી વિવાહિત જીવન ઁવં ધની હોતા હૈ.

રાહુ

દ્વિતીય ભાવ મેં રાહુ હો તો જાતક સંહશીલ, અલ્પધનવાન, કઠોરભાષી, કુટુમ્બહીન, અલ્પસન્તતિ, માત્સર્યયુક્ત ઁવં પરદેશગામી હોતા હૈ.

કર્ક રાશિ મેં રાહુ હો તો જાતક ચતુર, ઉદાર, રોગી, અનેકોં શત્રુઓ વાલા, ઘોખેબાજ, ધનહીન ઁવં પરાજિ હોતા હૈ.

કેતુ

અષ્ટમ ભાવ મેં કેતુ હો તો જાતક દુર્બુદ્ધિ, સ્ત્રીદ્વેષી, ચાલાક, દુષ્ટજનસેવી, તેજહીન, નીચ, સ્ત્રી કી કુણ્ડલી મેં પતિ કે લિએ અશુભ ઁવં અલ્પાયુ હોતા હૈ.

મકર રાશિ મેં કેતુ હો તો જાતક પરિશ્રમશીલ, પરાહ્મી જન્મ સ્થાન છોડકર જાને વાલા, પ્રસિદ્ધ ઁવં તેજસ્વી હોતા હૈ.



લાલ કિતાબ ગ્રહ ફલ

સૂર્ય

આપની જન્મકુંડળીના સાતમા ખાનામાં સૂર્ય છે. જેના કારણે આપ સરકારી પદ પર હોય તો આપનું મગજ ગરમ હશે. જે આપને લાભ આપશે. આપના કૌટુંબિક સંબંધ સૌહાર્દપૂર્ણ રહેશે. આપના જન્મ પહેલાં મા-બાપની આર્થિક સ્થિતિ ખબાબ પરંતુ જન્મ બાદ ઠીક થઈ હશે. પરાઈ મમતા અથવા બીજી સ્ત્રી સાથે આપશે. શરીર પર કોઈ ખરાબ અસર પડશે નહીં. આપનો પરવાર સારો રહેશે. આપના સંતાન પાસે ધન રહેશે. આપના આશાઓ બુલંદ રહેશે. આપ અલગ પ્રકારના પુરૂષ હશો. આપને પ્રયત્ન વિના વડીલોનું ધન મળશે. આપના સાસરીવાળા સાથે સંબંધ સારા રહેશે. આપ ધનની ખુબ બચત કરશો. વિવાહ બાદ કિસ્મત ચમકશે, આપના પત્નિ ઉપરાંત બીજી સ્ત્રીઓ સાથે પણ સંબંધ હોઈ શકે છે કે બે વિવાહ પણ થઈ શકે છે. આપની પુત્રીના સારા ઘરમાં લગ્ન થશે. આપને જ્યોતિષી, કર્મકાંડમાં રૂચિ રહેશે. અંત સમયે આપ આપના ઘરમાંજ હાજર રહશો.

જો તમે ભાગીદાર સાથે ઝઘડો કર્યો, ધન માટે સાસરીવાળાને હેરાન કર્યા, ખોટો ખોટો વિશ્વાસ રાખ્યો, સરકારનો ટેક્સ ચોર્યો તો આપનો સૂર્ય મંદ પડી શકે છે અથવા કોઈ કારણસર સૂર્ય મંદ પડી ગયો હોય તો મંદ સૂર્યની અસરથી સાસરીના ખાનદાનનો સમય બગડી જશે. પત્નિ અસ્વસ્થ થઈ શકે છે. જો આપ નોકરી કે વ્યાપાર કરતા હોય સ્વભાવ ગરમ હોય તો નુકશાન થશે. સરકારી વિભાગમાં નોકરી હોય તો ગરમ સ્વભાવ રાખવાની આપને ટેવ હશે. ક્યારેક-ક્યારેક નર સંતાનથી પરેશાની રહેશે કે આપના પરિવારમાં છોકરો નાગો કે પાગલ થઈ હશે છે. જો આપ ચોરી-ઠગાઈ કરશો તો આર્થિક સ્થિતિ ખરાબ થતી જશે. વધારે ગુસ્સો કરવો, સ્વાર્થીપણુ, ખુશામત બરબાદીની નિશાની હોઈ શકે છે. આપના પગમાં કંઈક તકલીફ હશે. પત્નિ સાથે ઝઘડો, જુદાઈ અથવા છૂટાછેડા થાય તેવી શંકા છે.

જો આપને લાગે કે આપને ઉપરોક્ત દુઃખ છે તો નીચે લખેલા પરહેજ અને ઉપાય કરો.

પરહેજ: ૧. નોકરી કરતા હોય કે દુકાનદાર હો તો ગરમ મિજાજ ન રાખો.
૨. સરકારી વિભાગમાં નોકર હોય તો ગરમ મિજાજ રાખો.

ઉપાય: ૧. ઘરેથી કામ ઉપર જતી વખતે મોરસ ખાઈ પાણી પી ને જવું
૨. રાત્રે ખાવાનું બનાવ્યા બાદ ગેસની સગડી કે ચૂલાની આગ દૂધના છાંટા નાખીને હોલવવી. તે ગેસની સગડી કે ચૂલાને સૂર્યોદય પહેલા ન સળગાવો.

ચંદ્ર

આપની જન્મ કુંડળીના પાંચમા ખાનામાં ચંદ્રમા છે. જેને કારણે હીરા ઝવેરાત સંબંધિત નોકરી વ્યાપાર લાભ આપશે. કન્યા સંતાન વધારે હોવાનો યોગ છે. આપને સુખના બધા જ સાધનો મળશે. આપ વન વિભાગના અધિકારી થઈ શકો છો. આપ ૮ વર્ષ જીવનમાં પ્રવાસ કરશો. વિદેશ યાત્રાથી લાભ સંભવિત છે. આપના સંતાનનો ઉત્તમ ઉછેર થશે. ધાર્મિક વિચાર રાખવાથી આપની ધન દોલતની બરકત થશે. આપ કલઈની પણ સામે નમશો નહીં. આપ બીજાઓને ન્યાય કરવામાં આગળ રહેશો. આપ રહેમ દિલ માણસ હશો અને કોઈની સાથે અન્યાય નહીં કરો. લડાઈ ઝઘડામાં આપ જેને

સાથ આપશો તે જરૂર જીતશે. સરકારી કામ શુભ ફળ આપનારું હશે. આપની ક્યારેય બરબાદી નહીં થાય. તમારે તમારા જીવનની બધી ખાસ વાતો યાદ રાખવી જોઈએ.

જો તમે ધર્મ વિરોધી કાર્યો શરૂ કર્યા, ગુપ્ત પાપ કર્યું, ચક્રોર પક્ષીનો શિકાર કર્યો, આપનો ભેદ કોઈને બતાવ્યો તો આપનો ચંદ્ર મંદ થઈ શકે છે અથવા કોઈ કારણે ચંદ્રમા મંદ થઈ જાય તો ચંદ્રમાની મંદ અસરથી આપની વિદ્યામાં વિઘ્ન, સંતાન દ્વારા વિરોધ થશે. આપનો પોતાનો ભેદી તમારી તબાહી કરી શકે છે. લાલચ અને સ્વાર્થથી નુકશાન થશે. આપની આદત દરેકને ગુમરાહ કરવાવાળી હશે. આપને નોકરી વ્યાપારથી સારો લાભ થઈ શકશે નહીં.

જો આપને લાગતું હોય કે આપને ઉપરોક્ત કષ્ટ છે તો નીચે જણાવેલ પરહેજ અને ઉપાય કરો.

પરહેજ: ૧. તમે તમારી મરજીથી કોઈ કાર્ય ન કરો, કોઈની સલાહ અવશ્ય લો.
૨. કોઈપણ પાપના કાર્યમાં દખલ ન કરો.

ઉપાય: ૧. ધાર્મિક કાર્યમાં બઢી-ચઢીને ભાગ લો.
૨. ક્યારેક-ક્યારેક પહાડની યાત્રા કરો.

મંગલ

આપની જન્મ કુંડળીમાં દસમા ખાનામાં મંગળ છે. તેના કારણે આપનો સંતાનપક્ષ અશક્ત રહેશે. ૪૫ વર્ષની ઉંમર સુધી સંતાન સુખ માટે સમય સામાન્ય રહેશે. આપનો હુકમ કાયમ રહેશે. જો આપ સરકારી સેવામાં કાર્યરત હોવ તો સેના અથવા પોલિસમાં ઉચુ પદ મળશે. આપ એક મશહૂર સમાજ સેવક બનશો. આપ જરૂરથી ધનવાન બનશો. આપ સારી કે ખરાબ રીતે પૈસા કમાઈને વધુ મિલકતના માલિક બનશો. ૩૨ વર્ષથી ૬૪ વર્ષની ઉંમર સુધી ખૂબ પૈસા આવશે. આપ રાજવી સુખ મેળવીને શાહી જીવન વિતાવશો. આપ પૌત્ર-પ્રપૌત્રનું સુખ ભોગવશો. આપના જન્મ પછી આપના પિતાની માલી હાલત સારી થવાની આશા છે. આપ આપની મિલકત બનાવશો અને આપ ઘણા મકાનના માલિક બનશો. પોતની મહેનતથી દોલત મેળવશો. આપની તંદુરસ્તી સારી રહેશે. ગૃહસ્થ જીવન આરામથી પસાર થશે. તમારામાં પૂરી ઉદારી હશે અને આપની હિમ્મત બુલંદ રહેશે. તમારે ત્યાં ઘણાં શુભ કાર્યો થશે. હળી-મળીને આપનું જીવન ખૂબ સુખી રહેશે.

જો તમે પોલિસ સેના વિભાગ સાથે ઝઘડો કર્યો, સમાજ વિરોધી કાર્યો કર્યા, કુટુંબના લોકો સાથે ઝઘડો કર્યો, મીઠું કે ચટપટી વાનગીઓનો વધારે ઉપયોગ કર્યો તો આપનો મંગળ મંદ થઈ શકે છે અથવા કોઈ કારણવશ મંગળ મંદ થઈ ગયો તો મંગળની મંદ અસરથી ૨૨ મું વર્ષ પોતાના માટે દુઃખદાયક રહેશે. આપ ખાનદાનને તોડનારા થશો. આપ સોનું વેચશો તો તેની ખરાબ અસર બાળક પર પડશે. આપની બદનામી થઈ શકે છે. ચોરીનો આરોપ પણ લાગી શકે છે ક્યારેક જેલ પણ જવું પડે, એવી શંકા છે અથવા આપને જેલ વિભાગમાં નોકરી કરવી પડે છે. મોસાળમાં રહેવું આપને ઓછું ફળ આપશે.

જો આપને લાગતું હોય કે આપને ઉપરોક્ત કષ્ટ છે તો નીચે જણાવેલ પરહેજ અને ઉપાય કરો.



- પરહેજ: ૧. સોનું ન વેચો.
૨. દૂધ ઉકળીને ગેસ-ચૂલો/ચૂલો અથવા અંગીઠી પર પડે નહિ, બળે નહિ.
- ઉપાય: ૧. હરણને પાળો.
૨. કાળા-કાણા, ટાલવાળા વ્યક્તિની સેવા કરો.

બુધ

આપની જન્મ કુંડળીમાં સાતમા ખાનામાં બુધ છે. તેના કારણે આપ શિસ્તવાળા હશો. આપ વ્યવહાર કુશળ હશો. આપ પ્રિન્ટિંગ પ્રેસ, ડોક્ટર/કિમીસ્ટનું કામ, તૈયાર માલના વેપારથી પૈસા કમાશો. નોકરી-વેપાર માટે ખરાબ અસર નહિ હોય. આપ આપના કામ ઘંઘામાં ૩૪ વર્ષની ઉંમર સુધી સફળ થઈ શકશો. આપની વિદેશ યાત્રા થશે. આપ કોઈ પણ પ્રકારનું કામ કરો, તે કામ શરૂ થઈને, વિખરાઈ જશે. આપનો સાસરી પક્ષ પૈસાદાર અને મજબૂત હશે. આપની તલવારમાં આટલી તાકાત નથી જેટલી આપની કલમમાં છે. કોર્ટ-કેસમાં આપની જીત થશે. આપ બીજાના માટે પણ માફક રહેશો. આપ આપના મિત્રો અથવા પરિચિત લોકોની મદદ કરશો. આપને દસ્તકારીના કામ, ટેકનીકલ કામમાં શ્રેષ્ઠ ફળ મળશે. આપનું જીવન સરળ હશે. જાહેરખબર અથવા સ્વયંવર દ્વારા આપના લગ્નના યોગ છે. આપની પત્ની ઉંચા પરિવારની હશે.

જો તમે સાહુકારા કર્યો, ભાઈ-સાળા સાથે ભાગીદારી કરી, પત્ની સાથે ઝઘડો કર્યો, પરસ્ત્રી સાથે ચાલ-ચલગત ખરાબ રાખી તો આપનો બુધ મંદ થઈ શકે છે અથવા કોઈ કારણવશ બુધ મંદ થઈ ગયો તો બુધની મંદ અસરથી આપની સાળી સાથે ઘરેલૂ સંબંધ બનશે જે આપની બરબાદીનું કારણ બનશે. આપના લગ્નમાં ગડબડ થશે. જો વિવાહમાં મોડુ થાય તો ૩૪ વર્ષની ઉંમર સુધીમાં જરૂર થઈ જશે. પત્નીથી દૂર અથવા છૂટાછેડાની નોબત આવી શકે છે. આપના ભાઈ-બંધુ આપનો વિરોધ કરશે. ઝઘડા અથવા મુકદમો અથવા ઉલઝન વધારે પ્રભાવશાળી હશે નહિ. તમારામાં બુધિની ઉણપ રહેશે. તમારામાં પરિપક્વતા મોડેથી આવશે. આપ આપના કુટુંબને તોડી શકો છો.

જો આપને લાગતું હોય કે આપને ઉપરોક્ત કષ્ટ છે તો નીચે જણાવેલ પરહેજ અને ઉપાય કરો.

- પરહેજ: ૧. શિંગડા વિનાનો ગાય કે બકરી પાળશો નહિ.
૨. લીલુ ઘાસ ઘરમાં લગાવશો નહિ.
- ઉપાય: ૧. હીરો પહેરો/હીરા ન હોય તો પન્ના પણ પહેરી શકો છો.
૨. ખાંડ ખાઈને પાણી પીને કામ શરૂ કરો.

ગુરુ

આપની જન્મ કુંડળીમાં છઠા ખાનામાં ગુરુ છે. તેના કારણે ગૃહસ્થ જીવનમાં પણ આપ સાધુ સ્વભાવના હશો. આપને કોઈ કામ કરવાની વધારે જરૂર નહિ પડે. જો પિતા વધુ ઉંમરના થયા તો આપ પૈસાદાર બની જશો. આપના પિતા સ્વભાવે દાની હશે. રોકડ નાણાંની ખોટ જણાશે નહી. આપના જીવનમાં કેટલીક વસ્તુઓ માગ્યા વગર કે મહેનત વગર જ મળી જશે. આપના નનીહાલ ખાનદાનના લોકોની આર્થિક સ્થિતિ સારી રહેશે. આપના મામા ખુશ હશે. આપના જીવનમાં સુખ-શાંતિ

રહેશે. પરંતુ ખુબ ઠાઠ-બાઠ નહીં રહે. ઘડપણમાં આપને શુભ ફળ પ્રાપ્ત થશે. પુજા-પાઠ ઉપર વધારે ધ્યાન આપશો. આપને પત્નિ તરફથી પુરૂં સુખ મળશે. આપને વધારે સમય સુધી નોકરી કરવી પડે તેવી શંકા છે. આપના ગુપ્ત દુશ્મન નહીં હોય. જો દુશ્મન હશે તો નષ્ટ થઈ જશે એટલેકે આપને દુશ્મન ઉપર જીત મળશે. શરીરે નિરોગી રહેશો.

જો તમે કર્જ, દાન-ભિક્ષા માંગવાનું શરૂ કર્યું, દરેક સમયે કામ વગર ફરતા રહેશો, મામા, કાકી-કાકાથી ઝઘડો કર્યો તો આપનો ગુરૂ મંદ થઈ શકે છે અથવા કોઈ કારણવશ ગુરૂ મંદ થઈ ગયો તો ગુરૂની મંદ અસરથી પિતાનું સુખ ઓછું મળશે કે ૧૬ વર્ષમાં જ પરિવારનો બોજ આપની ઉપર પડી શકે છે. પત્નિની બેદરકારી કરવાથી અશુભ ફળ મળશે. આપનું જીવન ઐયાશી કે એશો આરામને કારણે બરબાદ થઈ શકે છે. આપના પિતા, પુત્ર અને પુત્રી માટે આ ગ્રહ ફળ સાડું નથી. આપ સંત સ્વભાવના મફતનું શોધનાર, રોગી અને ઐયાશ હશો.

જો આપને લાગતું હોય કે આપને ઉપરોક્ત કષ્ટ છે તો નીચે જણાવેલ પરહેજ અને ઉપાય કરો.

પરહેજ: ૧. ભીખ માંગવી નહીં.
૨. એકલા ફરવું નહીં.

ઉપાય: ૧. ધર્મ મંદીરના પુજારીને વસ્ત્ર દાન આપો.
૨. પીળી વસ્તુ ધર્મ સ્થાનોમાં આપો.

શુભ

આપની જન્મ કુંડળીમાં પાંચમા ખાનામાં શુભ પડ્યો છે. તેના કારણે આપ વિદ્વાન, શત્રુહંતા, સફેદ ચીજોથી લાભ મેળવનાર, બાળકો અને પુરા પરિવાર યુક્ત તેમજ સ્ત્રી સુખથી પરિપુર્ણ રહેશો. આપ આપની જાતીથી પ્રેમ કરવાવાળા હશો. આપ દુનિયામાં રહીને દુનિયાદારીની વાતોથી પોતાને મુક્ત પ્રમાણીત કરશો. લગ્નના પાંચ વર્ષ બાદ ધન-સંપત્તિ અને નોકર-ચાકરનું વધારે સુખ મળશે. પદોન્નતિ થશે. આપની પત્ની વફાદાર હશે. આપની પત્ની જીવીત હશે ત્યાં સુધી આપને કોઈ ચીજનો અભાવ નહીં રહે. કોઈ મોટી અડચણ નહીં આવે. આપની દોલત-માયા વધશે. આપ આપના કુટુંબીજનોને પ્રેમ કરશો તો તેની અસર તમારી પર સારી પડશે. ભાઈની માટે આપ અનુકુળ રહેશો. આપના પરિવારમાં બધી જ રીતની બરકત હશે જેમકે-ધન, પરિવાર તેમજ સુખ શાંતિ. આપને અપના દેશ પ્રત્યે પ્રેમ રહેશે.

જો આપ ચારીત્રહીન થશો તો ઝાડમાં ફસાયેલ પતંગની જેવી હાલત થશે, માતા-પિતાની મરજી વિરૂધ્ધ લગ્ન કર્યું તો આપનો શુભ મંદ થઈ શકે છે અથવા કોઈ કારણવશ શુભ મંદ થઈ ગયો તો શુભની મંદ અસરથી આપ આશિક મીજાજના અને કામાંધ થશો. જેના કારણે આપનું સુખ બંધાઈ થઈ જશે. ગંદી સોબત અને પ્રેમ સંબંધોમાં ફસાઈને આપનું ભાગ્ય કાંટામાં ફસાઈ જશે. આપ મિત્રો પર કેટલાક પ્રકારની ઝંઝટ પેદા કરશો. આપ દિવસે જ્ઞાન તેમજ રાત્રે ઈશક કરવાવાળા હશો. ગર્ભપાતનો ભય કે સંતાન મોડેથી થશે, બહેન-ફોઈનું ધન નાશ પામશે, પ્રેમ-લગ્ન કર્યું તો પુત્ર સુખથી વંચિત રહેશો તેવી શંકા છે.



જો આપને લાગતું હોય કે આપને ઉપરોક્ત કષ્ટ છે તો નીચે જણાવેલ પરહેજ અને ઉપાય કરો.

પરહેજ: ૧. સ્ત્રીયોના રસીયા ન બનો.
૨. પ્રેમ લગ્ન કે આંતર્જાતિય કે માતા-પિતાની ઈચ્છા વિરૂધ્ધ લગ્ન ન કરો.

ઉપાય: ૧. શરીર પર દૂધ/દહી મસળીને નહાવું.
૨. ગાયત્રી સેવા કરો.

શનિ

આપની જન્મ કુંડળીમાં સાતમા ખાનામાં શનિ છે. તેના કારણે આપ જાદૂ-મંત્રમાં સિદ્ધિ મેળવશો. આપને ખૂબ લાભ થશે, ક્યારેક-ક્યારેક ધનનો સાત ગણો લાભ થઈ શકે છે. આપની પાસે ખૂબ સંપત્તિ હશે. આપ જન્મથી જ શાસક સ્વભાવના છો અને શાસનકરનારા બનશો. આપ પરોપકાર કરવાથી પૈસાદાર થશો. ૩૬ વર્ષ પછી પિતા અને પત્ની માટે સારૂ ફળ મળશે. આ ઉંમર આપને ધનવાન બનવાની છે. આપ ગામ, સમાજમાં મુખી, પૈસાદાર અને સન્માનિત થશો. આપના સંતાનના આયુષ્ય માટે ખૂબ સારૂ રહેશે. આપ આપની તંદુરસ્તી પર પૂરૂ ધ્યાન આપો.

જો તમે ડોક્ટર-કેમિસ્ટનું કામ કર્યું, પાસે હથિયાર રાખ્યું, ચોર-ડાકુની સાથે રહ્યા, સ્ત્રીઓ સાથે ઝઘડો કર્યો, મકાન વેચ્યું તો આપનો શનિ મંદ થઈ શકે છે અથવા કોઈ કારણવશ શનિ મંદ થઈ ગયો તો શનિની મંદ અસરથી પત્ની અને દીકરા-દીકરીઓથી ખુશ નહિ રહો, તેવી શંકા છે. આપની માટે દારૂ વિગેરે લેવું હાનીકારક છે. આપની ઉંમરના ૩૬મા વર્ષમાં પિતા પક્ષને તેમજ ધનનું નુકશાન થવાની શંકા છે. તેની ખરાબ અસર આપના કારોબાર પર પણ પડી શકે છે. પારકી સ્ત્રી સાથે ઈશ્કબાજી, આપના સંતાન કાટે અશુભ હોઈ શકે છે. ક્યારેક-ક્યારેક આપનામાં છળ-કપટ ઈર્ષાની ભાવના પ્રબળ થશે. પત્નીની તંદુરસ્તી પર પણ ખબાર અસર થઈ શકે છે. ૨૨ વર્ષની ઉંમર પહેલા લગ્ન કર્યા હશે તો આપની આંખોની નજર ખરાબ થશે, તેવી શંકા છે. સેક્સ સંબંધે તકલીફો આવી શકે છે.

જો આપને લાગતું હોય કે આપને ઉપરોક્ત કષ્ટ છે તો નીચે જણાવેલ પરહેજ અને ઉપાય કરો.

પરહેજ: ૧. ડોક્ટર-કેમિસ્ટનું કામ ન કરો.
૨. ચોર-ડાકુનો સાથ ન રાખો.

ઉપાય: ૧. કપિલા ગાયત્રી સેવા કરો.
૨. માટીના વાસણમાં મધ ભરીને વીરાનામાં રાખો.

રાહુ

આપની જન્મ કુંડળીમાં બીજા ખાનામાં રાહુ છે. તેના કારણે આપને પૂરો માન-મોભો મળશે. આપ રાજાશાહી જીવન વીતાવશો. આપ લાંબુ આરામનું જીવન વીતાવશો. જવાનીમાં કોઈ વસ્તુની ઉણપ નહિ રહે. આપની પત્ની રૂપવાન અને સુશીલ હશે. આપ ઉસ્તાદોના ઉસ્તાદ હશો.



ગૃહસ્થી સારી ચાલશે. આપને વધારે ધન મળશે. માતાની સાથે મીઠા સંબંધ, સાસરી પક્ષનું સારૂ સુખ હોઈ શકે છે. ચોરીથી સાવધ રહો. બાપદાદાની સંપત્તિ ના બરાબર મળશે પરંતુ આપની કમાણીથી વધારે મિલકત બનાવી લેશો. પરિવારના લોકો સુખી રહેશે. આપના ધન ભંડારમાં ખૂબ વધારો થશે. નસીબની અસર શુભ અને અશુભ બંને સ્થિતિમાં ઉપર-નીચે થતી રહેશે.

જો તમે ઘરમાં મંદિર રાખ્યું, સરસવનું કામ કર્યું, નશીલી વસ્તુ-પ્રવાહીનો ઉપયોગ કર્યો અથવા જુગાર વિગેરે રમ્યા, સાસરી કે સાળાનો વિરોધ કર્યો તો આપનો રાહુ મંદ થઈ શકે છે અથવા કોઈ કારણવશ રાહુ મંદ થઈ ગયો તો રાહુની મંદ અસરથી આપ ઉદરના રોગ એટલે કે આંતરડાના રોગના દરદી હશો. આપના હાથે ધર્મસ્થળે ચોરી થઈ શકે છે. આપના જીવનનું ભરણ પોષણ ધાર્મિક સ્થળેથી મળેલ અનાજથી થશે. આપ દાનમાં આપેલી વસ્તુ લેવામાં સહેજ પણ ખચકાશો નહિ કે મફતમાં વસ્તુઓ મળતી રહેશે. આર્થિક તેમજ કૌટુંબિક ઓછપ આવી શકે છે. આપની કમાણીનો થોડો ભાગ ખરાબ થઈ શકે છે. આપને પોલિસનો ભય રહેશે. સજા સાંભળીને અથવા સજા સાંભળ્યા પહેલા ભાગી જશો, કેદી ક્યારેય નહિ હોય, તેવી શક્યતા છે. ફોજદારીના કેસમાં નુકશાન થશે.

જો આપને લાગતું હોય કે આપને ઉપરોક્ત કષ્ટ છે તો નીચે જણાવેલ પરહેજ અને ઉપાય કરો.

પરહેજ: ૧. સટટો, જુગાર વિગેરે ના રમશો.
૨. ધાર્મિક સ્થળે વસવાટ ના કરશો/ ના જશો.

ઉપાય: ૧. ચાંદીની સખત ગોળી ગળામાં પહેરો.
૨. કેસર અથવા હળદરનું તિલક કરો અથવા શુદ્ધ સોનું પહેરો.

કેતુ

આપની જન્મ કુંડળીમાં આટમા ખાનામાં કેતુ છે. તેના કારણે પત્નીનું સ્વાસ્થ્ય જો ખરાબ રહે છે તો ચરિત્રના સુધારા પછી પત્નીનું સ્વાસ્થ્ય સારૂ થઈ જશે. આપના જીવનમાં ૩૪ વર્ષની ઉંમર પહેલા અથવા ૩૪ વર્ષની ઉંમર પછી સંતાન જન્મશે. આપને ઘણા સંતાન હશે. પુત્ર તરફથી સુખ મળશે અને પુત્રને સંસારમાં માન-યશ મળશે. જીવનમાં ઉત્થાન થશે.

જો તમે દારૂ-કબાબનું સેવન કર્યું, ઘરની અગાસી પર વસવાટ કર્યો, કૂતરો પાળ્યો કે ઘરની અગાસી પર કૂતરો બાંધ્યો, પરસ્ત્રી સાથે અનૈતિક સંબંધ રાખ્યા તો આપનો કેતુ મંદ થઈ શકે છે અથવા કોઈ કારણવશ કેતુ મંદ થઈ ગયો તો કેતુની મંદ અસરથી આપને સંતાન બાબતે ચિંતા રહેશે. આપ પત્ની સાથે દ્વેષ કરશો. આપનો દગાબાજનો સ્વભાવ રહેશે. આપ બવાસીર રોગથી પીડાશો. આપ કોઈ પણ વ્યક્તિ સામે પોતાનું દુઃખ રડશો તો આપનું વધારે નુકશાન થશે. સંતાન જન્મમાં અવરોધ ઉભા થઈ શકે છે. આપના મકાનની છત પડી જાય તો અશુભ સમજો. તે વખતે રોટીના પણ સાંસા પડી શકે છે. સંતાન તેમજ ધન બાબતે ધીરી અસર લાગી રહી છે. આપના જન્મ પહેલા મોટા ભાઈનું મૃત્યુ થયું હોય તેવું લાગે છે. ગૃહસ્થ જીવનમાં પણ તીરાડ પડી શકે છે. વિવાહીત જીવન ૨૬મા વર્ષ સુધી સુખી નહિ રહે. ૪૮ વર્ષ સુધી સંતાનથી દુઃખી કે નિઃસંતાન હોવાની શંકા છે. આપના ખરાબ ચરિત્રનો ખરાબ પ્રભાવ આપની પત્નીના જીવન પર પડશે. જો બે લગ્ન થયા તો સંતાન ૩૪ વર્ષથી પહેલા અને ૩૪ વર્ષ પછી પણ જન્મશે. આપના સંતાન પર ખરાબ અસર નહિ પડે. આપને મૂત્ર વિકારની શંકા છે.

આપને પોતાની મૃત્યુનો પહેલેથી ભાસ થઈ જશે.

જો આપને લાગતું હોય કે આપને ઉપરોક્ત કષ્ટ છે તો નીચે જણાવેલ પરહેજ અને ઉપાય કરો.

પરહેજ: ૧. ઘરની અગાસી પર કૂતરો ન પાળો.
૨. જુગાર વિગેરે ન રમો.

ઉપાય: ૧. કાળા-સફેદ ધાબળા ધાર્મિક સ્થળે આપો. (સંતાનની લાંબી ઉંમર માટે)
૨. કાળા-સફેદ ધાબળાના ટુકડામાં, સાથે બેઠેલા ગ્રહની વસ્તુ બાંધીને સ્મશાનમાં દબાવો. (સંતાન સુખ માટે)



લાલ કિતાબ પ્રમાણે ઋણભાર

કુંડળીમાં દુષિત ગ્રહોને કારણે જાતક ઘણા પ્રકારે ઋણી હોય છે એટલે કે ઘણાં પ્રકારનાં ઋણ જાતકનાં માથે રહે છે, જેને કારણે જાતકનાં જીવનનો વિકાસ અવરોધાય છે કારણ કે દુષિત ગ્રહોના દોષયુક્ત પ્રભાવને કારણે શુભ ગ્રહો પણ અનુકૂળ ફળ આપવાનું બંધ કરી દે છે. તેથી ઋણભારથી જાતકે મુક્ત થવું જ જોઈએ જેથી બાકીના જીવન પર શુભ અથવા સારો ગ્રહોનો સારો પ્રભાવ પડે જેથી કુંડળી પ્રમાણે શુભતા મળી શકે. નીચે ઋણનાં પ્રકાર કઈ પરિસ્થિતિમાં જાતક પર અદૃશ્ય ઋણ પડે છે તથા તેના નિકારણ માટેનાં ઉપાયો જણાવેલાં છે.

સ્વઋણ

ગ્રહચાલ :

જ્યારે જન્મકુંડળીમાં ખાના નંબર ૫માં શુભ અથવા શનિ અથવા રાહુ અથવા ત્રણમાંથી બે અથવા ત્રણે હોય તો સ્વઋણ થાય છે.

નિશાનીઓ :

તમને રાજભય, નિર્દોષ હોવા છતાં પણ કોર્ટકેસમાં સજા અથવા આર્થિક દંડ ભોગવવો પડે છે. હૃદયરોગ, હાથમાં દુઃખાવો, શારીરિક કમજોરી, આંખોમાં કષ્ટ, જીગરને નુકશાન થાય છે.

ઘટનાઓ :

જાતક નાસ્તિક થઈ જાય છે, ધર્મની ઉપેક્ષા કરે છે. સ્વાસ્થ્ય સાજું ન રહે, પૂર્વજોના રીતિ-રિવાજ પ્રમાણે ન અનુસરે.

નિષ્કર્ષ

ઉપાય :

તમારી જન્મકુંડળી સ્વઋણવાળી છે માટે કુટુંબમાં જે લોકો સાથે લોહીનો સંબંધ (જાતકનાં દાદા-દાદી, માતા-પિતા, બહેન, બેટી-ફોઈ, ભાઈ, કાકા-મોટા કાકાનાં કુટુંબનાં સભ્યો વગેરે) છે. બધાં પાસેથી સરખા માણમાં ધન (એક-એક અથવા પાંચ-પાંચ અથવા વધુમાં વધુ દસ-દસ જીપિયા જેટલા પણ જીપિયા બધાં આપી શકે) ભેગાં કરીને ધર્મ સ્થાને સામુહિક યજ્ઞ કરવો.

માતૃઋણ

ગ્રહચાલ :

જાતકની જન્મકુંડળીના ચોથા સ્થાનમાં કેતુ હોય તો માતૃઋણનો ભાર હોય છે.

નિશાનીઓ :

જાતકને કોઈ સહાયક નથી હોતો, તેના બધાં યત્નો નિષ્ફળ જાય છે. સરકારી સજા અથવા આર્થિક દંડ ભોગવવો પડે છે. વન અશાંત પસાર થાય છે. બીજા લોકોની ઈજાત-આબજીને લાંછન લગાડવું અથવા ચંપલ ચોરવા, વિદ્યાનો લાભ ન મળવો. સંબંધીઓની બિમારીઓ પાછળ ધનનો ખોટો ખર્ચ વગેરે અશુભ ફળ હોય છે.



ઘટનાઓ :

માતૃઋણથી ભાવિત જાતક માતા સાથે ખરાબ વર્તન કરે છે. માતાનાં સુખ-દુઃખની પરવા નથી કરતો. માતાથી દૂર રહે અથવા માતાને ઘરમાંથી કાઢી મૂકે છે. માતૃઋણવાળા જાતકનાં ઘરની પાસે અથવા ઘરમાં કુવો હશે. ઘરની પાસે જળાશય હશે. તે કુવામાં ગંદકી નાંખવામાં આવતી હશે અથવા જળાશયને ગંદું કરતા હશે. જાતકનાં ઘર પાસેથી નદી-નહેર પસાર થતી હોય તેવું પણ બને. જાતક તેમાં ગંદકી નાંખતા હશે.

નિષ્કર્ષ

તમારી જન્મકુંડળી માતૃઋણથી મુક્ત છે.

પારિવારિક ઋણ

ગ્રહચાલ :

જાતકની જન્મકુંડળીના પેહલા અથવા આઠમા ખાનામાં બુધ અથવા કેતુ અથવા બંને હોય તો સંબંધીનું ઋણ હોય છે.

નિશાનીઓ :

કોઈ પણ ભેંસ વિચારવાની હોય તો તેને મારી નાંખવી અથવા મરાવી નાંખવી. કોઈનું મકાન બનતી વખતે અથવા પાયો ખોદાતો હોય ત્યારે મેલીવિદ્યા કરવી અથવા સંબંધીઓને હળવા-મળવાવાળાઓને નફરત કરવી અથવા બાળકોનાં જન્મદિવસ અને કુટુંબમાં તહેવાર અથવા ખુશીના સમયે દૂર રહેવું.

ઘટનાઓ :

જાતક મિત્રોને દગો દે છે. કોઈનાં પૂરા થતાં કામને બગાડે છે અથવા કોઈના તૈયાર થયેલા પાકને સળગાવી દે.

નિષ્કર્ષ

ઉપાય :

તમારી જન્મકુંડળી પારિવારિક ઋણવાળી છે તેથી કુટુંબમાં જે લોકો સાથે લોહીનો સંબંધ છે (જેમ કે જાતકનાં દાદા-દાદી, માતા-પિતા, બહેન, બેટી-ફોઈ, ભાઈ, કાકા-મોટા કાકાનાં કુટુંબનાં સભ્યો વગેરે) બધાં પાસેથી સરખા માણમાં ધન લઈને તમારા શહેર / ગામનાં ચોકમાં બેસતા કારીગર, વૈદ્ય/ડોક્ટરને તેમના કામનો વિસ્તાર કરવા માટે તે ધન દાન તરીકે આપી દેવ.

કન્યા / બહેનનું ઋણ

ગ્રહચાલ :

જાતકની જન્મકુંડળીના ત્રીજા અથવા છઠા ખાનામાંયં હોય તો બહેન / છોકરીનું ઋણ હોય છે.



નિશાનીઓ :

જુવાનીમાં દગો આપવો, બહેન / બેટીની હત્યા અથવા તેના ઉપર ત્રાસ ગુજારવો. માસુમ બાળકોને વેચવા અથવા લાલચને કારણે બદલી લેવા / આપવા જેનો ભેદ દુનિયામાં ક્યારેય ન ખુલે તેવા રહસ્યમય વગેરે કામ કરવા.

ઘટનાઓ :

જાતકને કોઈપણ સાથે તેની ભે ખરાબ શબ્દ બોલવો તલવારના ઘાથી પણ વધુ ઘાતક થઈ શકે છે, પુત્ર ધરાવતા પિતાને તેની ઘન-દોલત, આયુષ્ય દરમ્યાન અશુભ ફળ મળશે અથવા માતાને ખબર હતી કે તે પોતાનો વ ગુમાવશે. ખુશી સાથે દુઃખ સાસરી-મોસાળમાં અશુભ ફળ, આખા વર્ષની કમાણીનું વર્ષાંતે નુકશાન થવું વગેરે.

નિષ્કર્ષ

તમારી જન્મકુંડળી કન્યા બહેનનાં ઋણથી મુક્ત છે.

પિતૃ ઋણ

ગ્રહચાલ :

જાતકની જન્મકુંડળીના બીજા અથવા પાંચમા અથવા નવમા અથવા બારમા ખાનામાં શુ અથવા બુધ અથવા રાહુ અથવા ત્રણમાંથી બે અથવા ત્રણેય હોય તો જાતક પર પિતૃ ઋણ હોય છે.

નિશાનીઓ :

કુળ પુરોહિત બદલવા અથવા કુળ પુરોહિત સાથે સંબંધ તોડી નાંખવો, ઘર પાસે બનેલ મંદિરને તોડી નાંખવું. પીપળાનું વૃક્ષ કાપી નાંખવું. પીપળાનું વૃક્ષ હોવું વગેરે.

ઘટનાઓ :

કુટુંબમાં હોઈ વડીલનાં વાળ સફેદ થઈ જાય. વાળ સફેદ થયા પછી વાળ પીળાં પડતાં જાય, કોરી ઉઘરસની ફરિયાદ હોય અથવા માથે દુનિયાના ખરાબ કાર્યોનું કલંક લાગવું વગેરે ઘટનાઓ બની શકે છે.

નિષ્કર્ષ

ઉપાય :

તમારી જન્મકુંડળી પિતૃઋણવાળી છે તેથી કુટુંબમાં જે લોકો સાથે લોહીનો સંબંધ (જાતકનાં દાદા-દાદી, માતા-પિતા, બહેન, બેટી-ફોઈ, ભાઈ, કાકા-મોટા કાકાનાં કુટુંબનાં સભ્યો વગેરે) છે. બધાં પાસેથી સરખા માણમાં ઘન (એક-એક અથવા પાંચ-પાંચ અથવા દસ-દસ વધુમાં વધુ જેટલા પણ જીપિયા બધાં આપી શકે) લઈને તે જ દિવસે મંદિરમાં દાન કરી દેવું વગેરે.

સ્ત્રીઋણ

ગ્રહચાલ :



જાતકની જન્મકુંડળીના સાતમા ખાનામાં સૂર્ય અથવા ચં અથવા રાહુ અથવા ત્રણમાંથી બે અથવા ત્રણેય એકસાથે હોય તો સ્ત્રીઋણ હોય છે.

નિશાનીઓ :

કુટુંબને નુકશાન પહોંચાડવું, સ્ત્રીને ગર્ભાવસ્થા દરમ્યાન અથવા સવની પરિસ્થિતિમાં કોઈ લાલચમાં આવીને મારી નાંખવી. દાંતવાળા ણી પાળવાથી કુટુંબમાં નફરત રહેતી હશે. મકાનનો દરવાજો દક્ષિણ દિશામાં હોવો, વહત્યા કરવી, મકાન અથવા મશીનરી દગો દઈની લઈ લેવી, કોઈની વસ્તુ પચાવી પાડવી તેને લાચાર બનાવી દેવો વગેરે.

ઘટનાઓ :

પુત્રનું ફળ મંદ થઈ જાય છે, ચામડીમાં કોઢ, ફલવહરી, ગુપ્તાંગમાં રોગ થવો, કોઈનો વિવાહ થવો કોઈ મડદાંને બાળવું. એક સ્ત્રી સાથે વૈવાહિક સંબંધ તૂટતા જાય અને બી સ્ત્રી સાથે સંબંધ બંધાવા માંડે અર્થાત બીજો વિવાહ થવો વગેરે.

નિષ્કર્ષ

ઉપાય :

તમારી જન્મકુંડળી સ્ત્રીઋણવાળી છે તેથી કુટુંબમાં જે લોકો સાથે લોહીનો સંબંધ (જાતકનાં દાદા-દાદી, માતા-પિતા, બહેન, બેટી-ફોઈ, ભાઈ, કાકા-મોટા કાકાનાં કુટુંબનાં સભ્યો વગેરે) છે. બધાં પાસેથી સરખા માણમાં ધન લઈને ગૌશાળામાં ૧૦૦ ગાયોને ખવડાવવું (તેમાં કોઈપણ ગાય અપંગ ન હોવી જોઈએ) વગેરે.

નિર્દયીનું ઋણ

બ્રહ્માલ :

જન્મકુંડળીના ખાના નં. ૧૦ અથવા ૧૧માં સૂર્ય અથવા ચં અથવા મંગળ અથવા ત્રણમાંથી બે અથવા ત્રણેય એકસાથે હોય તો નિર્દયી ઋણ હોય છે.

નિશાનીઓ :

મશીન અથવા મકાનનું બાનુ આપીને ન ખરીદવું, પરીક્ષા ખંડમાંથી કોઈ કારણ વગર બહાર નીકળી જવું, મોટા લોકો સાથે વિના કારણે ઝઘડો અથવા કોર્ટકેસ લડવો વગેરે.

ઘટનાઓ :

સંતાન અને સાસરીમાં અસમયે મૃત્યુ, તેલ અથવા નારિયેળ અથવા લાકડી અથવા કંતાનનાં ગોદામમાં આગ લાગી જવી. મકાન ખરીદવું પરંતુ તેમાં રહેવાનું નસીબ ન હોવું, મકાન ખરીદે તો તેના દાદરાની મરામત કરાવવી પડે અથવા તેને તોડીને બીવાર બનાવવા પડે, સાપ અને ઝેર પીવાની ઘટનાઓ, હથિયારથી મૃત્યુ થવું વગેરે.

નિષ્કર્ષ



ઉપાય :

તમારી જન્મકુંડળી નિર્દયી ઋણવાળી છે તેથી કુટુંબમાં જે લોકો સાથે લોહીનો સંબંધ (જાતકનાં દાદા-દાદી, માતા-પિતા, બહેન, બેટી-ફોઈ, ભાઈનું કુટુંબ કાકા-મોટા કાકાનાં કુટુંબનાં સભ્યો વગેરે) છે. બધાં પાસેથી સરખા માણમાં ધન લઈને સો અલગ-અલગ સ્થાનની માછલીઓને ખવડાવવું જોઈએ.

આજન્મકૃત ઋણ

ગ્રહચાલ :

જાતકની જન્મકુંડળીના ખાના નં. ૧૨માં સૂર્ય અથવા શુ અથવા બંને એકસાથે હોય તો આજન્મકૃત ઋણ હોય છે.

નિશાનીઓ :

વીજળીનો તાર લીક થઈ જવો, ઘર સળગી જવું, લાખો-કરોડોપતિ અમુક જ સમયમાં કોઈપણ રીતે બરબાદ થઈ જાય, સોનું ખોવાય અથવા ચોરી-ઠગાઈ-ઉચાપતની ઘટનાઓ, માથે વાગવું અથવા માથાની બિમારીઓ, બાળપણથી વૃવસ્થા સુધી નાલાયક હોવું, સમ-વિચારીને કામ કરવાં છતાં ગરીબ અને અસહાય, દમ-વાઈ, કોરી ઉઘરસ, ાસની તકલીફ, અચાનક મોત, મકાનના બરાની નીચેથી ગંદું પાણી વહેવું અથવા રહેતા હો તે મકાનની આગળ-પાછળ કચરાનો ઢગલો અથવા ગંદકી હોય.

ઘટનાઓ :

કોર્ટકેસમાં નિર્ણય પર ખોટો આર્થિક દંડ / કેદ, સાસરી અથવા દુનિયાને છેતરવી, અથવા એવી ઠગાઈ કરવી જેનાથી બીજાનું કુટુંબ અથવા નોકરી-વેપાર બરબાદ થઈ જાય વગેરે.

નિષ્કર્ષ

તમારી જન્મકુંડળી આજન્મકૃત ઋણથી મુક્ત છે.

ઈરીય ઋણ

ગ્રહચાલ :

જાતકની જન્મકુંડળીના છઠા ખાનામાં ચં હોય તો ઈરીય ઋણ હોય છે.

નિશાનીઓ :

કુતરાનું કરડવું, અગાશીમાંથી બાળકોનું પડવું અથવા બાળકોનું ગાડી નીચે આવી જવું, કાને બહેરાશ, કરોડરજજુમાં તકલીફ, સંતાન ન હોવા અથવા જન્મ થતાં જ મરી જવાં, સંતાન સુખમાં અવરોધ, પેશાબની બિમારીઓ, અધરંગ, મોસાળ નષ્ટ થવું, મુસાફરીમાં નુકશાન અથવા અકસ્માત થવો વગેરે.

ઘટનાઓ :

કોઈ પર વિાસ મુકવો અને તે દગો આપે, કુતરાને મારવા અથવા મરાવવા, ગરીબ અથવા ફકીરનાં શાપ લેવા, ખરાબ ચરિત્ર, કોઈનાં છોકરાને ભોળવીને તેને બરબાદ કરવો અથવા



કરાવવો, ખરાબ નિયત, લાલચમાં આવીને કોઈનું નુકશાન કરવું વગેરે.

નિષ્કર્ષ

તમારી જન્મકુંડળી ઈરીય ઋણથી મુક્ત છે.

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

લાલ કિતાબ વર્ષફલ 2019-2020

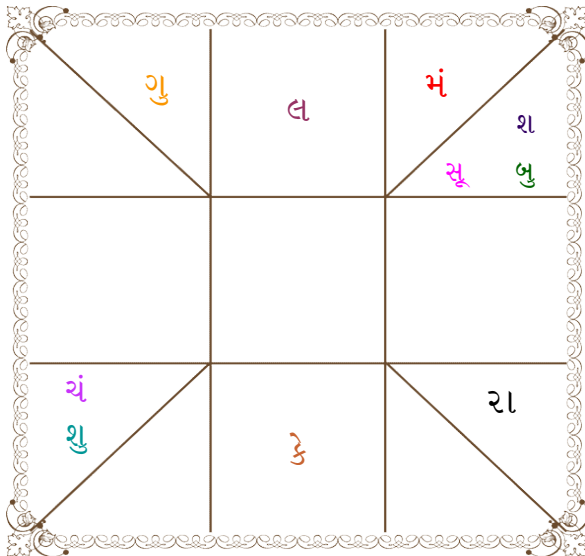
વર્તમાન આયુ - 1
વર્તમાન દશા - શનિ

| ગ્રહ | અંધા | સોયા | ધર્મી | નેક/મન્દા |
|-------|------|------|-------|-----------|
| સૂર્ય | --- | --- | --- | મન્દા |
| ચંદ્ર | --- | --- | --- | મન્દા |
| મંગળ | --- | --- | --- | મન્દા |
| બુધ | --- | --- | --- | નેક |
| ગુરુ | --- | હા | --- | નેક |
| શુક્ર | --- | --- | --- | મન્દા |
| શનિ | --- | --- | હા | મન્દા |
| રાહુ | --- | --- | --- | મન્દા |
| કેતુ | --- | --- | --- | નેક |

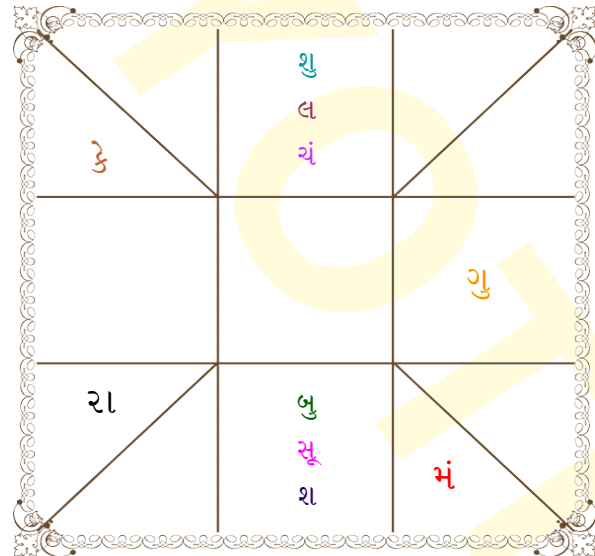
ભાવ સ્થિતિ

| ખાના | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|------|----|-----|----|----|-----|-----|-----|----|-----|----|-----|-----|
| સોયા | હા | --- | હા | હા | --- | --- | --- | હા | --- | હા | --- | --- |

વર્ષ કુંડળી ૨૦૧૯ - ૨૦૨૦



વર્ષ ચંદ્ર કુંડળી ૨૦૧૯ - ૨૦૨૦



લાલ કિતાબ વર્ષફલ 2019-2020

સૂર્ય

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં સૂર્ય ખાના નં. ૧૧ માં છે જેથી તમે આ વર્ષે આળસ અને લાપરવાહીને કારણે જીવનમાં તરકકીની ઘણી તકો ગુમાવશો. માંસ-દારૂના સેવનથી સંતાનને કષ્ટ થશે અથવા સંતાન સુખની ચિંતા રહેશે. બીજાને ગાળો બોલવી, ખોટી ગવાહી આપવી, લડાઈ-ઝઘડો કરવો તમારા માટે સારું નહીં રહે. આ બાબતોથી બચવું. સરકારી વિભાગ તરફથી સજા અથવા આર્થિક દંડ થવાની દહેશત રહેશે.

સૂર્યની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. જુદું ન બોલવું, એટું ન ખાવું કે ન ખવડાવવું.
૨. માંસ-માછલી ન ખાવા અને દારૂ ન પીવો, નશીલી વસ્તુઓનું સેવન ન કરવું.

ચંદ્ર

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં ચંદ્ર ખાના નં. ૫ માં છે જેથી તમને આ વર્ષે ધાર્મિક કામો અથવા ધર્મ માટે નફરત થઈ શકે છે, વિદ્યા સંબંધી ચિંતા લાલચ અને સ્વાર્થ તમને અવનતિના રસ્તે લાવી શકે છે, તેથી તેનાથી બચવું. તમારી ખાનગી વાતો કોઈને ન બતાવવી, ભેદી જ તમારી બરબાદીનું કારણ હોઈ શકે છે. પુત્રીની ચિંતા અથવા બહેન-ફોઈ-સાળીને કષ્ટ થશે.

ચંદ્રની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. ધાર્મિક કામોમાં આગળ રહેવું.
૨. ક્યારેક પર્વતાળ ક્ષેત્રની મુસાફરી જરૂર કરવી.

મંગલ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં મંગળ ખાના નં. ૧૨ માં છે જેથી તમને આ વર્ષે નમકીન પદાર્થો ખાવાનો શોખ માફક નહીં રહે. તમારા વિશે ખોટી અફવાઓ ફેલાઈ શકે છે. ખરાબ સંગત તમારી પાસે હિન કાર્ય કરાવી શકે છે. જેથી તમે સમાજમાં તુચ્છ ગણાશો. જો મોટાભાઈ જીવતાં હશે તો તેમની સાથે ભાઈ જેવું નહીં બને અથવા તમારા મગજમાં નકામા વિચારો આવી શકે છે.

મંગળની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. નાસ્તામાં હલવો અથવા ખાંડની રોટલી ખાવી.
૨. સવારે ઉઠીને મધ ખાવું.



બુધ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં બુધ ખાના નં. ૧૧ માં શુભ છે જેથી તમને આ વર્ષે દરેક બુધવારનાં દિવસ અને બપોર (૩ થી ૫ વાગ્યે) નો સમય શુભ રહેશે. તમારો ભાગ્યોદય થાય તેવું વર્ષ છે તેથી આળસ ન કરવી. તમે તમારી બુદ્ધિ દ્વારા વધુ લાભ મેળવશો. તમારું માન-સન્માન અને પ્રતિષ્ઠા વધશે. પૈતૃક સંપત્તિનો લાભ મળશે. તમારી મિત્રતાથી બધાને લાભ મળશે.

બુધની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. મની પ્લાંટ, રબર પ્લાંટ વગેરે જેવાં મોટા પાનવાળા વૃક્ષ ઘર પર ન લગાવવા.
૨. પીત્તળનાં ખાલી વાસણ બંધ અથવા ઉંઘા ન રાખવા.

ગુરુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં ગુરુ ખાના નં. ૨ માં શુભ છે જેથી આ વર્ષે તમને અચાનક ધનલાભ થઈ શકે છે. તમારી સાથે કંઈ પણ ઘટવાનું હશે તો તેની ખબર તમને પહેલાં થઈ જશે, શિક્ષા અને જ્ઞાનથી લોકોનું માર્ગદર્શન કરાવશો. તમારા બધાં કામ સરળતાથી પૂરાં થતાં રહેશે પરંતુ તમને નકામી ચિંતા રહેશે. પત્ની અને શાસન તરફથી લાભ મળી શકે છે.

ગુરુની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. સરાફી અથવા ઝવેરીનું કામ ન કરવું.
૨. પરસ્ત્રી સાથે અનૈતિક સંબંધ ન રાખવા.

શુક્ર

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં શુક્ર ખાના નં. ૫ માં છે જેથી આ વર્ષે તમે અવિવાહીત હશો તો વિવાહનાં યોગ બનશે. માતા-પિતાની ઈચ્છા વિરૂદ્ધ વિવાહ ન કરવો નહિતર સંતાન સુખ ખરાબ થઈ શકે છે. તમારો મિજાજ રોમેન્ટિક અને તમે પરસ્ત્રી માટે કામી થઈ શકો છો. ગર્ભપાતનો ભય રહેશે. ફોઈ-બહેનનાં ધનનું તમારા હાથે નુકશાન થઈ શકે છે.

શુક્રની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. ગુપ્તાંગ દુધ અથવા દહીથી સાફ કરવું.
૨. ગાયને ચારો ખવડાવવો.

શનિ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં શનિ ખાના નં. ૧૧માં છે જેને કારણે જો આ વર્ષે તમે કુટુંબીજનોને નુકશાન પહોંચાડ્યું, ભાઈ સાથે ઝઘડો અથવા તેનો વિરોધ કર્યો, દગો-છેતરપીડીથી ધન કમાશો અથવા કોઈનું ધન લૂંટશો તો તમને નુકશાન થશે. હ્રોધ પર સંયમ રાખવો. તમારાથી કોઈને વાગી શકે



છે. દારૂ પીવાથી અને માંસ ખાવાથી તમારી હાર અને નુકશાન થઈ શકે છે.

શનિની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. કામ માટે જતી વખતે પાણીનો લોટો અથવા ઘડો કુંભ તરીકે જરૂરથી મુકવો.
૨. ઘરમાં શુદ્ધ ચાંદીની ઈંટો રાખવી.

રાહુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં રાહુ ખાના નં. ૮ માં છે જેને કારણે આ વર્ષે તમારા માથે પોલીસ/કોર્ટનો ભય અથવા ચોરીનો માલ ખરીદવાનો આરોપ લાગી શકે છે. પિતા અને સસરાને કષ્ટ અથવા તેમનાં દ્વારા તમને નુકશાનની શક્યતા છે. સાધુ-ફકીરનો સાથ નકામો ખર્ચ જ વધારશે. તીર્થયાત્રામાં અવરોધ આવી શકે છે. ધાર્મિક કામોમાં રૂચિ રહેશે જે તમારા માટે સાડું નથી.

રાહુની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. શરીરે શુદ્ધ સોનુ ધારણ કરવું.
૨. ધર્મ મંદિરમાં નમન કરવા.

કેતુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં કેતુ ખાના નં. ૭ માં શુભ છે જેને કારણે આ વર્ષે રોજરોજ તમારાં ધનમાં વધારો થતો રહેશે, એવી સંભાવના છે. રોજગારીનાં નવાં સાધનો મેળવશો. તમે તમારું ધાર્યું જ કરશો. તમારી સંતાન તમને મદદ માટે પડખે રહેશે. જેને કારણે તમે ગમે તેવાં મોટા માણસ આગળ તમારી વિજયપતાકા લહેરાવી શકશો. તમારી સંતાન મુસીબતમાં દુશ્મનને પાઠ ભણાવશે.

કેતુની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. પરસ્ત્રી સાથે અનૈતિક સંબંધ ન રાખવા.
૨. કલમથી લખવાનું કામ ન કરવું.

વર્ષને શુભ બનાવવા માટે વર્ષની શરૂઆતમાં વિશિષ્ટ ઉપાય

૧. ઘરમાં શુદ્ધ ચાંદીની 1ટ રાખવી.

(ઉપરોક્ત ઉપાય જન્મદિવસ કો યા જન્મદિવસ થી ૪૦ દિવસ કે ભીતર કરે/શુરૂ કરે.)

લાલ કિતાબ વર્ષફલ 2020-2021

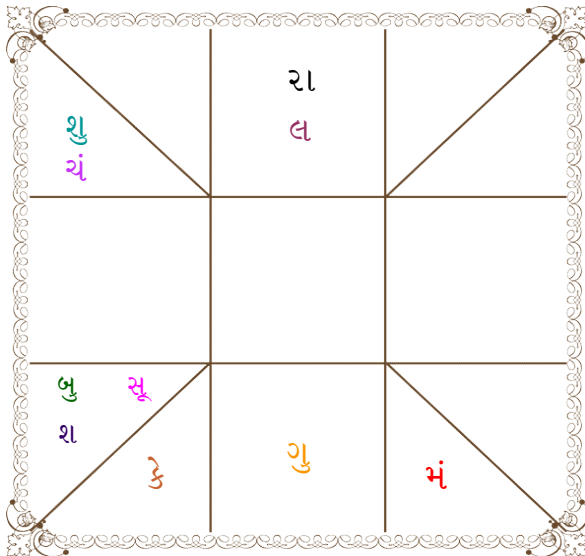
વર્તમાન આયુ - 2
વર્તમાન દશા - શનિ

| ગ્રહ | અંધા | સોયા | ધર્મી | નેક/મન્દા |
|-------|------|------|-------|-----------|
| સૂર્ય | --- | હા | --- | નેક |
| ચંદ્ર | --- | હા | --- | નેક |
| મંગળ | --- | હા | --- | મન્દા |
| બુધ | --- | હા | --- | નેક |
| ગુરુ | --- | --- | --- | મન્દા |
| શુક્ર | --- | હા | --- | મન્દા |
| શનિ | --- | હા | --- | મન્દા |
| રાહુ | --- | --- | --- | નેક |
| કેતુ | --- | હા | --- | મન્દા |

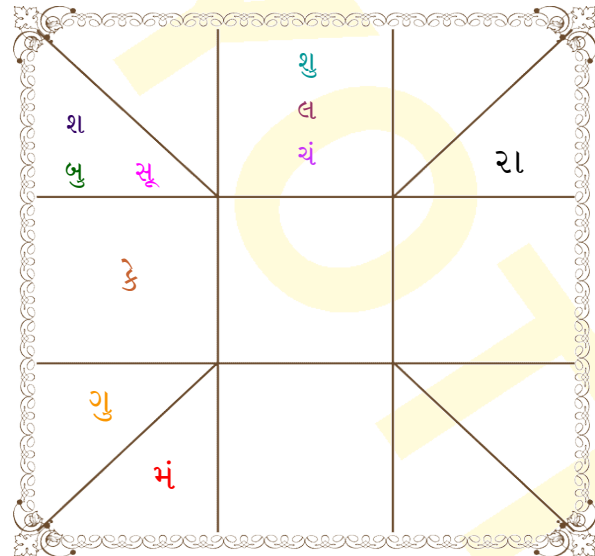
ભાવ સ્થિતિ

| ખાના | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|------|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|
| સોયા | --- | --- | --- | હા | --- | --- | --- | --- | --- | હા | --- | --- |

વર્ષ કુંડળી ૨૦૨૦ - ૨૦૨૧



વર્ષ ચંદ્ર કુંડળી ૨૦૨૦ - ૨૦૨૧



લાલ કિતાબ વર્ષફલ 2020-2021

સૂર્ય

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં સૂર્ય ખાના નં. ૫ માં શુભ છે જેથી આ વર્ષે તમારા કુટુંબનું ભાગ્ય ચમકશે, જો રાજા તમારું ભલુ ન કરે તો ફકીરથી તમારું ભલુ થશે, સરકારી અધિકારીઓ સાથે મીઠા સંબંધો રહેશે, કુટુંબની ઉન્નતિ થશે. ગુપ્ત વિદ્યા અથવા જ્યોતિષમાં રૂચિ રહેશે, અચાનક ધન પ્રાપ્તિનાં પણ યોગ છે અથવા સરકારી વિભાગથી લાભ થશે.

સૂર્યની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. ઈર્ષાળુ વૃત્તિ ન રાખવી.
૨. જુદું ન બોલવું, એહું ન ખાવું / ન ખવડાવવું.

ચંદ્ર

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં ચંદ્ર ખાના નં. ૩ માં શુભ છે જેથી આ વર્ષે તમારું ચરિત્ર સુધરશે અને પરાક્લમ વધશે, ચોરીથી બચશો. ૩, ૬, ૮, ૧૨મો મહિનો વધારે લાભદાયક રહેશે, વિદાતા જાતે જ તમારું ભાગ્ય બનાવવામાં મદદરૂપ થશે, ગરીબો માટે તમને હમદર્દી રહેશે, કોઈ અંતરરાષ્ટ્રીય રમતમાં તમારી રૂચિ રહેશે અથવા તમે જાતે જ એ રમતમાં ભાગ લેશો.

ચંદ્રની શુભતા વધારવા માટે નીચેની જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. ભાઈ-બહેન સાથે ઝઘડો ન કરવો.
૨. અનાથો માટે મળેલ સામાન માટે ખરાબ દાનત ન રાખવી.

મંગલ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં મંગળ ખાના નં. ૮ માં છે જેથી આ વર્ષે તમારે કોઈ વિધવા સ્ત્રી સાથે ઝઘડો ન કરવો જોઈએ. કુટુંબમાં કોઈ સ્ત્રી વિધવા થઈ શકે છે. નાના ભાઈ જીવતાં હોય તો તેમનાં માટે સમય સારો નથી. તમારા મોઢેથી નીકળેલ ખરાબ શબ્દ લડાઈ-ઝઘડાનું કારણ બનશે. તમારે ગુસ્સે થવું નુકશાનકારક છે, સમય ધૈર્યથી પસાર કરવો.

મંગળની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. વિધવા સ્ત્રીની સેવા કરવી.
૨. તંદૂરમાં ગળી રોટલી બનાવીને કુતરાને ખવડાવવી.

બુધ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં બુધ ખાના નં. ૫ માં શુભ છે જેથી આ વર્ષે તમને અચાનક ધનલાભ થશે અને સુખનાં સાધન મળશે, જ્યોતિષ વિદ્યા અને ધર્મ-આધ્યાત્મ પ્રત્યે રૂચિ, તમે જે મોઢેથી બોલશો તે સાચું થઈ શકે છે એટલે કે તમારું વચન બ્રહ્મવચન માની શકાય. અચાનક ધનલાભ થશે અને ખૂબ જ સારા દિવસો આવશે.

બુધની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. ગૌમુખ ઘરમાં રહેવું નહીં.
૨. પરસ્ત્રી સાથે અનૈતિક સંબંધ ન રાખવા.

ગુરુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં ગુરુ ખાના નં. ૭ માં છે જેથી આ વર્ષે ઘરમાં મંદિર બનાવીને પૂજા કરવાથી તમારાં ધન અને કુટુંબ માટે અશુભ રહેશે. દિવાલ ઉપર ફોટા લગાવીને પૂજા કરી શકો છો. હરતાં-ફરતાં સાધુની સોબતથી ભાગ્ય ખરાબ થઈ જશે અને જીવનમાં ઉતાર-ચઢાવ આવશે. મામાને સંતાનની ચિંતા રહેશે. ખરાબ માણસોની સોબતથી બચવું.

ગુરુની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. શુદ્ધ સોનુ પીળા કપડામાં બાંધીને રાખવી.
૨. તમે પરણેલાં હોવ તો સાસરી પક્ષ પાસેથી કંઈકને કંઈક લેતાં રહેવું.

શુક્ર

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં શુક્ર ખાના નં. ૩ માં છે જેથી આ વર્ષે વિષય-વિલાસમાં તમારી રૂચિ અયોગ્ય રહેશે. પત્નીનો ગુસ્સો વધી શકે છે. પરસ્ત્રી સાથે સંબંધમાં નુકશાનની દહેશત અને માન-સન્માનને ઠેસ પહોંચશે. સંતાનની ચિંતા અથવા સંતાનને શારીરિક કષ્ટ પણ સહન કરવું પડે. બીજાનાં ઘરમાં પણ તમારે રહેવું પડે.

શુક્રની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. પત્નીની સેવા કરવી.
૨. મંગળની ચીજ-વસ્તુઓનો ઉપયોગ કરવો.

શનિ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં શનિ ખાના નં. ૫ માં છે જેને કારણે આ વર્ષે તમારે તમારાં ભાઈ-ભાંડુઓ સાથે લડાઈ-ઝઘડો કે છેતરપીંડી ન કરવી. માંસ-મદિરાનું સેવન તમને હાર અને નુકશાન સિવાય બીજું કંઈ જ નહીં આપે. કુટુંબમાં મુશ્કેલીઓ વધી શકે છે. સ્વાસ્થ્યનું ધ્યાન રાખવું વિશેષકર પેટ/



કીડનીમાં પથરીનું. સંતાન સંબંધી ચિંતા રહેશે. તમારા નામે મકાન બનશે તો પુત્ર સુખમાં અવરોધ આવી શકે છે.

શનિની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. સોનુ અથવા કેસર પાસે રાખવું.
૨. સાપને દૂધ પીવડાવવું.

રાહુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં રાહુ ખાના નં. ૧ માં શુભ છે જેને કારણે આ વર્ષે તમને સરકાર અથવા સરકારી વિભાગ તરફથી લાભ, મોસાળ માટે સમય સારો, નવો વ્યવસાય પણ શરૂ કરી શકો છો. તમારા મનમાં લાંચ લેવાનો અથવા ભ્રષ્ટાચાર આચરવાનો વિચાર આવી શકે છે. તમને હંમેશા બોલ-બોલ કરવાની ટેવ અથવા બિમારી પણ હોઈ શકે છે, તેનું ધ્યાન રાખવું.

રાહુની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. આંગણામાં ધુમાડો ન કરવો.
૨. પેટ ન વધે તેનું વિશેષ ધ્યાન રાખવું.

કેતુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં કેતુ ખાના નં. ૬ માં છે જેને કારણે આ વર્ષે તમારું સોનું ન વેચાય અને ન ખોવાય તેનું વિશેષ ધ્યાન રાખવું ખાસ કરીને સોનાની વીટી. મુસાફરીથી નુકશાન થવાની સંભાવના છે. ચામડી, પગમાં કષ્ટ થઈ શકે છે. નકામો ખર્ચ વધવાની શક્યતા છે. મામાને કષ્ટની દહેશત, સંતાનની ચિંતા અથવા સંતાન સુખમાં વિલંબ થશે.

કેતુની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. કેસર/હળદરનું તિલક કરવું.
૨. શુદ્ધ સોનાની વીટી ડાબા હાથમાં પહેરવી.

વર્ષને શુભ બનાવવા માટે વર્ષની શરૂઆતમાં વિશિષ્ટ ઉપાય

૧. શુદ્ધ સાનુ પહેરવું અથવા કેસરનું તિલક કરવું.

(ઉપરોક્ત ઉપાય જન્મદિવસ કો યા જન્મદિવસ થી ૪૦ દિવસ કે ભીતર કરે/શુરૂ કરે.)

લાલ કિતાબ વર્ષફલ 2021-2022

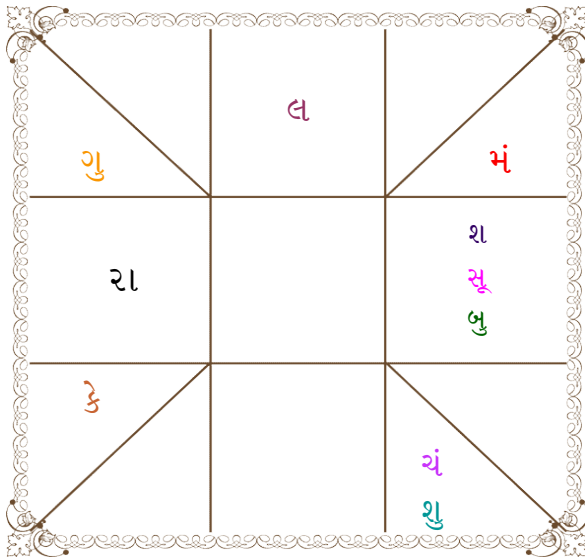
વર્તમાન આયુ - 3
વર્તમાન દશા - શનિ

| ગ્રહ | અંધા | સોયા | ધર્મી | નેક/મન્દા |
|-------|------|------|-------|-----------|
| સૂર્ય | હા | --- | --- | મન્દા |
| ચંદ્ર | --- | હા | --- | મન્દા |
| મંગળ | --- | --- | --- | મન્દા |
| બુધ | હા | --- | --- | નેક |
| ગુરુ | --- | --- | --- | નેક |
| શુક્ર | --- | હા | --- | મન્દા |
| શનિ | હા | --- | --- | મન્દા |
| રાહુ | --- | --- | હા | નેક |
| કેતુ | --- | હા | --- | નેક |

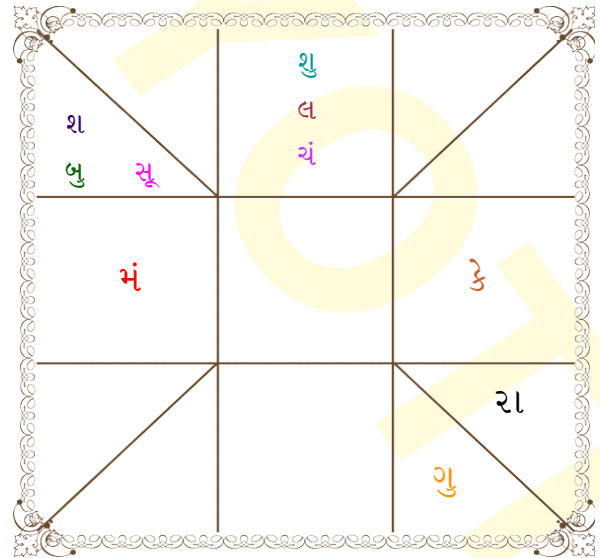
ભાવ સ્થિતિ

| ખાના | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|------|----|-----|-----|-----|-----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|
| સોયા | હા | --- | --- | --- | --- | હા | હા | --- | --- | --- | --- | --- |

વર્ષ કુંડળી ૨૦૨૧ - ૨૦૨૨



વર્ષ ચંદ્ર કુંડળી ૨૦૨૧ - ૨૦૨૨



લાલ કિતાબ વર્ષફલ 2021-2022

સૂર્ય

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં સૂર્ય ખાના નં. ૧૦ માં છે જેથી આ વર્ષે તમે તમારી ખાનગી વાતો કોઈ સાથે ન કરશો, તમારી ભેદી જ તમને બરબાદ કરવાની કોશિશ કરી શકે છે. મશીનરી, લાકડાનાં કામોમાં નુકશાન થઈ શકે છે. કોલસો-વીજળીનાં કામોમાં વધુ લાભ નહીં થાય. પિતા તરફથી ઓછું સુખ મળશે અથવા પિતા તરફથી લાભ નહીં મળે. આંખોમાં કષ્ટની શક્યતા છે.

સૂર્યની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. પૈતૃક મકાનમાં હેન્ડ પંપ લગાવવો.
૨. માથે સફેદ-શરબતી, ટોપી પહેરવી અથવા પાઘડી બાંધવી.

ચંદ્ર

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં ચંદ્ર ખાના નં. ૮ માં છે જેથી તમને આ વર્ષે માતા-પિતાનું સુખ ઓછું મળશે. ઝવેરી-જુગારનાં કામમાં નુકશાન થશે. મોસાળમાં કષ્ટ અથવા તેમની સાથે ઝઘડો થશે. મનની શક્તિ ઓછી થશે તથા હૃદયરોની શક્યતા છે. માતાને કષ્ટ અથવા માતાની ચિંતા રહેશે. ઘરથી દૂર પણ રહેવું પડશે. શરદી-શળેખમ અને પાણીથી કષ્ટની બીક રહેશે. બાળકો અને વડીલોને શ્વાસ-દમનાં રોગની શક્યતા છે.

ચંદ્રની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાયો :

૧. મિઠાઈ અથવા કેસર-દાળ ચણા અથવા ગોળ-ગંદમ ધર્મ સ્થાનમાં આપવા.
૨. અમાસનાં દિવસે દૂધ-ચોખાનું ધર્મ સ્થાનમાં દાન કરવું.
૩. વડીલો (સ્વર્ગવાસી)નાં નામે શ્રાદ્ધ કરવા.

મંગલ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં મંગળ ખાના નં. ૧૧ માં છે જેથી તમને આ વર્ષે માતા-પિતા અથવા ભાઈ-ભાંડુંઓ સાથે વિના કારણ ઝઘડો થઈ શકે છે. જમીન-મિલકત ખરીદવા માટે તમારે દોડધામ કરવી પડશે. કુટુંબીજનો સાથે જમીન-મિલકતને અનુલક્ષીને ઝઘડો પણ થઈ શકે છે. જો તમારી ચાલ-ચલગત ખરાબ થશે તો આવક હોવા છતાં પણ તમે કરજદાર થઈ શકો છો.

મંગળની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. બનેવી, સાળો, ભાણિયો/દોહિત્રની સેવા કરવી.
૨. માટીનાં વાસણમાં મધ અથવા સિંદૂર ભરીને રાખવું.



બુધ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં બુધ ખાના નં. ૧૦ માં શુભ છે જેથી તમને આ વર્ષે વિદેશ યાત્રા અથવા વિદેશથી સંબંધી કામોથી લાભ મળશે, ફોઈ-બેટી, સાળી-બહેન તરફથી ખુશી મળશે. તમે લોકો સાથે વ્યવહારકુશળ, ખુશામત અને નીતિ દ્વારા બધાં કામ કઢાવશો, અનેક વિદ્યાઓમાં રૂચિ, તમારા કુટુંબની અને તમારી આર્થિક સ્થિતિ સારી થઈ જશે.

બુધની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. તુલસી, મની પ્લાંટ, મોટા પાનવાળા ઝાડ-છોડ ઘરમાં ન લગાવવા.
૨. દારૂ, બીયર ન પીવાં. માછલી ન ખાવી અને માછલીનો શિકાર ન કરવો.

ગુરુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં ગુરુ ખાના નં. ૩ માં શુભ છે જેથી તમને આ વર્ષે ભાઈ-ભાંડુઓનું સુખ મળશે, તમે જેનાં પર ખુશ થતો તેને ખૂબ જ લાભ થશે. વડીલોની સેવામાં તમારું ધન-મિલકત વાપરી નાંખશો. વ્યવસાયમાં પ્રગતિ થશે. આંખોથી જ બીજાનાં સારા-ખરાબ વ્યવહારને સમજી જશો. તમે ધાર્મિક કામોમાં મહત્વની ભૂમિકા ભજવશો.

ગુરુની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. સુકો અથવા કપાયેલ પીપળો ઘરમાં ન રાખવો.
૨. ઘરમાં મંદિર હોય તો બંને સમય પૂજા કરવી.

શુક્ર

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં શુક્ર ખાના નં. ૮ માં છે જેથી આ વર્ષે તમને ગુપ્તરોગ થવાની શક્યતા છે. ચાલ-ચલગત સારી રાખવી નહિતર પત્નીનો સ્વભાવ ચીડિયો થઈ શકે છે. પત્ની સાથે ઝઘડવું તમારા માટે હાર અને નુકશાનનું કારણ રહેશે. પત્નીની દરેક વાતામાં 'હા' જરૂરી કરવી પરંતુ તમારા મનનું જ કરવું. તમે આપેલ જમાનત તમારે ભરવી પડે તેવા સંજોગો આવી શકે છે.

શુક્રની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. ગટરમાં તાંબાનો પૈસો અથવા ફૂલ નાંખવા.
૨. ધર્મ સ્થાનમાં નમન કરવાં.

શનિ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં શનિ ખાના નં. ૧૦ માં છે જેને કારણે આ વર્ષે તમારે દારૂ પીવો અને માંસ-માછલી ખાવા ઉચ્ચ પદેથી નીચે ઘડેલી શકે છે. ભાગ-દોડનાં કામોથી તમને નુકશાન થશે. આગ્નેય શસ્ત્ર અથવા હથિયાર બેચવું. શસ્ત્ર ઘરમાં ન રાખવું. ગૃહસ્થમાં મદદગાર અને સાસરીપક્ષનાં

લોકોથી સતર્ક રહેવું. મકાન-મિલકતની ચિંતા રહેશે.

શનિની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. આગ્નેય શસ્ત્ર અથવા હથિયાર પાસે ન રાખવું.
૨. માથે ચોટલી રાખવી અથવા કેસરનું તિલક કરવું.

રાહુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં રાહુ ખાના નં. ૪ માં શુભ છે જેને કારણે આ વર્ષે તમારાં વડીલોને ખૂબ જ લાભ થશે, વિતેલાં સમયમાં તમને આર્થિક તંગી રહી હશે તો આ વર્ષે ધન લાભ થશે. માતા/સાસુ તરફથી લાભ થશે. મકાન વાહન સુખ અને બધાં પ્રકારનાં સુખનાં સાધનો મળી રહેશે. સરકારી વિભાગમાં અથવા કોઈ સંસ્થામાં ઉચ્ચ પદ મેળવી શકો છો.

રાહુની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. માતાની ઉંમરવાળી સ્ત્રી સાથે અવેધ સંબંધ ન રાખવા.
૨. ગંગા નદીમાં સ્નાન ન કરવું.

કેતુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં કેતુ ખાના નં. ૫ માં શુભ છે જેને કારણે આ વર્ષે તમને ગુરુભક્તિમાં રૂચિ રહેશે. ચાલ-ચલગત સારી રહેશે. ધર્મ-ઈમાન સારો રહેશે અને ધર્મ-ઈમાનની સ્થિતિ શુભ હોવાને કારણે સંતાનનું સુખ મળશે. પુત્ર દ્વારા તમારો ભાગ્યોદય થશે અને આર્થિક સ્થિતિમાં સુધારો થશે. મુસાફરીથી પ્રગતિ થશે, ધન-ધાન્યથી સુખી રહેશો.

કેતુની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. ખરાબ ચાલ-ચલગતવાળાની સંગત ન કરવી.
૨. લોખંની સંદૂક/મજુસ/તિજોરીને તાળું મારેલું ન રાખવું. તાળાને ક્યારેક-ક્યારેક ખોલતાં રહેવું.

વર્ષને શુભ બનાવવા માટે વર્ષની શરૂઆતમાં વિશિષ્ટ ઉપાય

૧. ૮ દિવસ નાસ્તામાં પનીર ખાવું અથવા પનીરનું વધેલું પાણી પીવું.

(ઉપરોક્ત ઉપાય જન્મદિવસ કો યા જન્મદિવસ થી ૪૦ દિવસ કે ભીતર કરે/શુરૂ કરે.)



લાલ કિતાબ વર્ષફલ 2022-2023

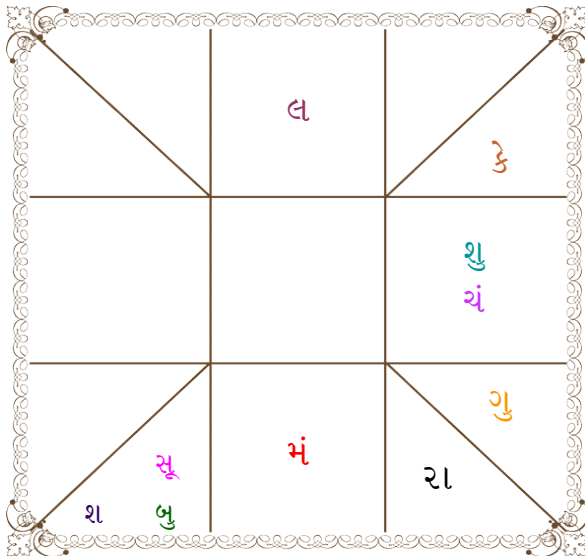
વર્તમાન આયુ - 4
વર્તમાન દશા - શનિ

| ગ્રહ | અંધા | સોયા | ધર્મી | નેક/મન્દા |
|-------|------|------|-------|-----------|
| સૂર્ય | --- | હા | --- | નેક |
| ચંદ્ર | હા | --- | --- | મન્દા |
| મંગળ | --- | --- | --- | મન્દા |
| બુધ | --- | હા | --- | નેક |
| ગુરુ | --- | --- | --- | નેક |
| શુક્ર | હા | --- | --- | મન્દા |
| શનિ | --- | હા | --- | મન્દા |
| રાહુ | --- | હા | --- | મન્દા |
| કેતુ | --- | --- | --- | નેક |

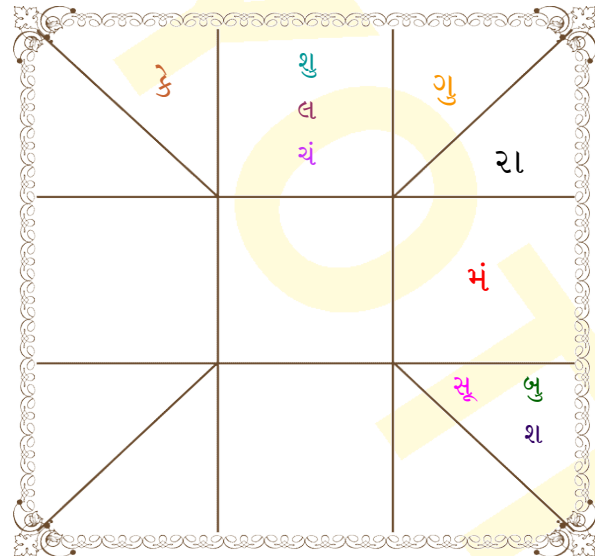
ભાવ સ્થિતિ

| ખાના | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|------|----|-----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| સોયા | હા | --- | હા | હા | હા | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |

વર્ષ કુંડળી ૨૦૨૨ - ૨૦૨૩



વર્ષ ચંદ્ર કુંડળી ૨૦૨૨ - ૨૦૨૩



લાલ કિતાબ વર્ષફલ 2022-2023

સૂર્ય

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં સૂર્ય ખાના નં. ૬ માં શુભ છે જેથી આ વર્ષે તમે નસીબ પર ભરોસો રાખશો, શત્રુ દબાયેલા રહેશે. કોર્ટકેસમાં વિજય મળશે, સંતાનનાં જન્મથી ભાગ્યોદય થશે. મોસાળથી લાભ થશે, પિતાનાં માન-સન્માનમાં ઉતાર-ચઢાવની શક્યતા રહેશે. પરસ્ત્રી સાથે તમારા સંબંધ થઈ શકે છે પરંતુ ચાલ-ચલગત સારી રાખવી. સરકારી વિભાગથી લાભ થશે.

સૂર્યની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. બેટી – બહેન – સાળી – ફોઈ સાથે ઝઘડો ન કરવો.
૨. કરજ અને મફતની વસ્તુ ન લેવી.

ચંદ્ર

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં ચંદ્ર ખાના નં. ૧૦ માં છે જેથી આ વર્ષે ખરાબ સ્વાસ્થ્યનાં સમયે અથવા એમ જ રાત્રે પ્રવાહી દવાનો ઉપયોગ તમારા માટે નુકશાનકારક છે. વિદ્યા સંબંધી કામોમાં પણ પરેશાની આવી શકે છે. ચોર-જુગારીઓ, શરાબી લોકો દ્વારા તમને નુકશાન થશે. કોઈ સ્ત્રી અથવા પ્રેમિકા દ્વારા ખોટી સલાહથી તમારું ધન-સન્માન નષ્ટ થઈ શકે છે, તેથી સતર્ક રહેવું.

ચંદ્રની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. દૂધને ફાડીને તેનું પાણી પીવું.
૨. ૧૦ દિવસ સાવરે નાસ્તામાં કાચું પનીર ખાવું.
૩. રાત્રે (સૂર્યાસ્તથી સૂર્યોદય સુધી) દૂધ ન પીવું.

મંગલ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં મંગળ ખાના નં. ૭ માં છે જેથી આ વર્ષે પરસ્ત્રી સાથે સંબંધ, તમારી જીવનરૂપી હોડીને મધ્યમાં ડુબાડી શકે છે. ફોઈ, બહેન-બેટી, સાળીનું તમારા ઘરે આવવું અથવા રહેવું તમારા કુટુંબ અને તેમના માટે અશુભ છે અથવા તેમાંથી કોઈને પતિસુખમાં ઘટાડો થશે. ઝઘડાથી દૂર રહેવું નહિતર તમારી મુશ્કેલીઓ વધી શકે છે.

મંગળની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. બહેન/બેટી/ફોઈ/સાળી ઘરમાં હોય તો તેમને દરરોજ ખાંડ અથવા સાકર ખવડાવવી અથવા તે પરણિત હોય અને તમારા ઘરે આવે તો પણ દરરોજ ખાંડ અથવા સાકર ખવડાવીને કામ પર જવું.
૨. ભત્રીજા-ભત્રીજાની સેવા કરવી.



બુધ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં બુધ ખાના નં. ૬ માં શુભ છે જેથી આ વર્ષે માનસિક કાર્યોથી લાભ થશે, વિદેશ ભ્રમણની ઈચ્છા પણ રહેશે, સમુદ્રી યાત્રાથી લાભ મળશે, ખેતી સંબંધી કાર્યોથી લાભ થશે. ભાષણ આપવું, એકાઉન્ટન્ટનું કામ, લેખન, પ્રિન્ટીંગ સંબંધી કામથી લાભ થશે. બોલેલાં બોલ સો ટકા સાચા થઈ શકે છે. મોસાળથી લાભ થશે.

બુધની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. છોકરી / બહેનનો વિવાહ તમે જે મકાનમાં રહો છો તેની ઉત્તર દિશામાં ન કરવાં.
૨. સેવક / નોકરો પણ હંમેશા નિગરાની રાખવી.

ગુરુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં ગુરુ ખાના નં. ૮ માં શુભ છે જેથી તમને આ વર્ષે તમારાં પૂર્વજો તરફથી લાભ થશે, ગુપ્ત વિદ્યાઓ, જ્યોતિષ વગેરેમાં રૂચિ રહેશે. કુટુંબનાં લોકોનું માન-સન્માન વધશે. તમે દુનિયામાં તમારાં કુટુંબનું નામ ઉજાળશો. ઝવેરી/સરાફીનાં કામોથી લાભ થઈ શકે છે. તમારી આદત રાજાઓ જેવી રહેશે. પ્રાણ જાય પરંતુ વચન ન જાય તે તમારો ધર્મ રહેશે.

ગુરુની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. આપેલ વચન પાળવું.
૨. સોનું ગીરો ન મુકવું.

શુક્ર

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં શુક્ર ખાના નં. ૧૦ માં છે જેથી જો તમે આ વર્ષે માંસ ખાવાનું અને બીયર-દારૂ પીવાનું શરૂ કર્યું, માછલીનો શિકાર કર્યો તો તમને ખૂબ જ નુકશાન થઈ શકે છે. પરસ્ત્રી સાથેનાં સંબંધને કારણે સંતાનની ચિંતા રહેશે અને પત્નીનું સ્વાસ્થ્ય ખરાબ થઈ શકે છે. પત્નીથી દબાઈને (ડરીને) રહેવું પડશે. પેશાબની બિમારીની શક્યતા છે સ્વાસ્થ્ય માટે સતર્ક રહેવું.

શુક્રની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. કપિલા ગાયનું દાન કરવું.
૨. પત્ની દૂધ અથવા દહીંથી ગુપ્તાંગ ધોવે.

શનિ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં શનિ ખાના નં. ૬ માં અશુભ છે જેને કારણે આ વર્ષે તમારે પૂનમનાં દિવસે કોઈ નવું કામ શરૂ ન કરવું કારણ કે તે દિવસે શરૂ કરાયેલાં કામોથી લાભ નહીં થાય. ચામડાનો સામાન મફત/ભેટ તરીકે ન લેવો તેને કારણે તમારું માન-સન્માન ઘટશે અથવા વિના કારણે તમારું



અપમાન થશે. કુટુંબમાં કોઈને કીડની અથવા પથરીનો રોગ થવાની શક્યતા છે.

શનિની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. કાળા કુતરાની સેવા કરવી અથવા પાળવું.
૨. નવા પગરખાં માથે અડાડીને પહેરવાં.
૩. બદામ ગટરમાં નાંખવી.

રાહુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં રાહુ ખાના નં. ૮ માં છે જેને કારણે તમારે આ વર્ષે અપંગ, કાણા, ટાલિયા વ્યક્તિથી દૂર રહેવું. જન્મ દિવસ પછી આઠમા મહિનાની શરૂઆત થતાં તમારાં કષ્ટ અને મુશ્કેલીઓ વધી શકે છે. ભાગ્યની અસર હીચકાની જેમ ઉપર—નીચે થતી રહેશે, વીજળી વિભાગ, જંગલ વિભાગ, પોલીસ વિભાગ સાથે સંબંધિત કામોમાં પરેશાની થઈ શકે છે.

રાહુની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. ચાંદીનો ચોરસ ટુકડો પાસે રાખવો.
૨. ૮ ચોરસ સિક્કા (લીડ)નાં ટુકડા પાણીમાં વહેતાં કરવા.
૩. જે દિવસે આ વર્ષનો આઠમો મહિનો શરૂ થાય તે દિવસે ૪૩—૪૩ બદામ મંદિરમાં લઈ જઈને ત્યાં મુકવી, તેમાંથી ૪૩ બદામ ઘરે લાવીને સફેદ થેલીમાં રાખી લેવી.

કેતુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં કેતુ ખાના નં. ૧૧ માં શુભ છે જેને કારણે આ વર્ષે તમે ક્યારેય હિંમત નહીં હારો. ભાગ્ય તમારો સાથ આપશે. ધન—દોલતનો વધારે લાભ મળશે. તમને પુત્ર સંતાનનું સુખ મળશે તો માતા/સાસુને શારીરિક કષ્ટ થઈ શકે છે વિશેષકર આંખોમાં. ચાલ—ચલગત સારી રાખવી નહિતર શારીરિક નબળાઈ આવી શકે છે. આવનાર સમય માટે વધારે વિચારશીલ રહેશો.

કેતુની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. શુભ કામ માટે જતી વખતે કોઈ પાછળથી ટોકે — બોલાવે તો કામ માટે ન જવું.
૨. વિતેલાં સમયને યાદ કરીને લોકોને વાત ન કરવી.

વર્ષને શુભ બનાવવા માટે વર્ષની શરૂઆતમાં વિશિષ્ટ ઉપાય

૧. સાપને દૂધ પીવડાવવું.

(ઉપરોક્ત ઉપાય જન્મદિવસ કો યા જન્મદિવસ થી ૪૦ દિવસ કે ભીતર કરે/શુરૂ કરે.)



લાલ કિતાબ વર્ષફલ 2023-2024

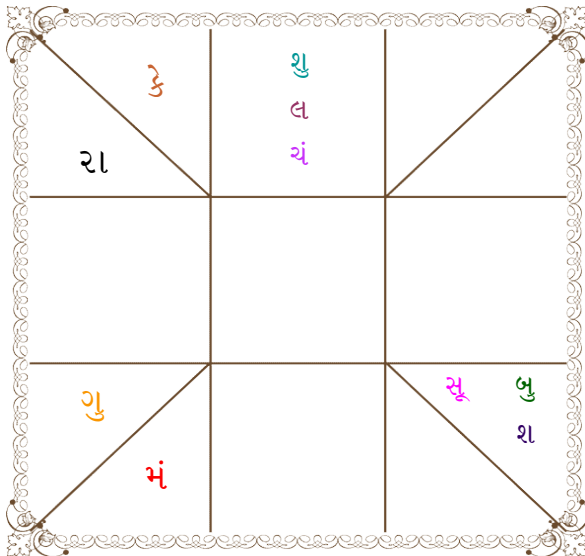
વર્તમાન આયુ - 5
વર્તમાન દશા - શનિ

| ગ્રહ | અંધા | સોયા | ધર્મી | નેક/મન્દા |
|-------|------|------|-------|-----------|
| સૂર્ય | --- | --- | --- | નેક |
| ચંદ્ર | --- | હા | --- | નેક |
| મંગળ | --- | હા | --- | મન્દા |
| બુધ | --- | --- | --- | મન્દા |
| ગુરુ | --- | --- | --- | નેક |
| શુક્ર | --- | હા | --- | મન્દા |
| શનિ | --- | --- | --- | મન્દા |
| રાહુ | --- | --- | --- | નેક |
| કેતુ | --- | --- | --- | નેક |

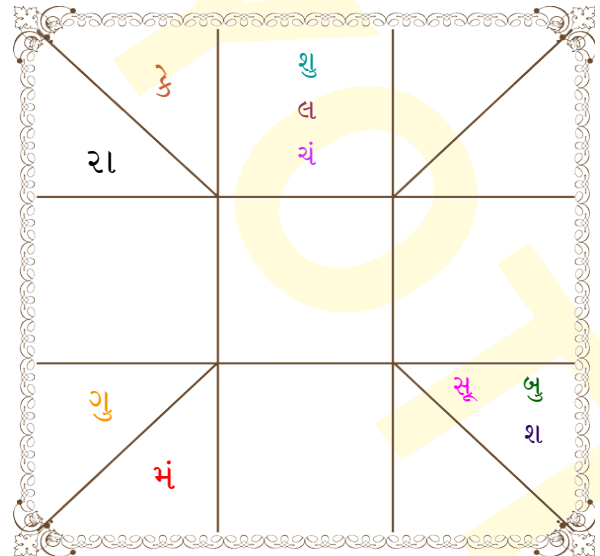
ભાવ સ્થિતિ

| ખાના | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|------|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|----|-----|----|-----|----|
| સોયા | --- | --- | --- | હા | --- | --- | --- | હા | --- | હા | --- | હા |

વર્ષ કુંડળી ૨૦૨૩ - ૨૦૨૪



વર્ષ ચંદ્ર કુંડળી ૨૦૨૩ - ૨૦૨૪



લાલ કિતાબ વર્ષફલ 2023-2024

સૂર્ય

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં સૂર્ય ખાના નં. ૯ માં શુભ છે જેથી તમને આ વર્ષે ઉત્તમ વાહનનું સુખ મળશે, તીર્થ યાત્રાનો લાભ અને શુભ ફળ મળશે. સમાજ અને કુટુંબ માટે તમારા મનમાં ત્યાગ અને પરોપકારની ભાવના રહેશે, કુટુંબના સભ્યોના પાલન-પોષણની વધારાની જવાબદારી તમારા ઉપર આવી શકે છે. સ્વપરાહ્મથી તમારું ભાગ્ય વધુ ચમકી ઉઠશે.

સૂર્યની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. મફતની ચીજ-વસ્તુ, દાન / ભેટ ન લેવા.
૨. ખૂબ જ નરમ અથવા ખૂબ જ ગરમ સ્વભાવ ન રાખવો.

ચંદ્ર

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં ચંદ્ર ખાના નં. ૧ માં શુભ છે જેથી તમને આ વર્ષે સુંદર અને સફેદ કપ ડાં પહેરવાનો શોખ રહેશે, કોઈની અમાનત તમારી પાસે મુકાશે, માતા-પિતાની આર્થિક સ્થિતિ સારી રહેશે, ક્યારેય યાત્રા માટે જાવ તો પાછા ફરીને માતાને પગે લાગીને આશીર્વાદ લેવાથી લાભ થશે. કુટુંબમાં ઘણાં સમય પછી કોઈને ત્યાં પુત્રનો જન્મ થશે.

ચંદ્રની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. પરસ્ત્રી સાથે અનૈતિક સંબંધ ન રાખવા.
૨. માતા અથવા માતા સમાન સ્ત્રી સાથે ઝઘડો ન કરવો.

મંગલ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં મંગળ ખાના નં. ૬ માં છે જેથી આ વર્ષે તમારે ભાઈ સાથે દુશ્મનાવટ થઈ શકે છે જે તમારા માટે નુકશાનકારક રહેશે, મંદ રાગ ગાવાનો શોખ તમારા પતનનું કારણ બની શકે છે. હંસી-ખુશીવાળું વાતાવરણ તમને વધારે સારું રાખશે, શત્રુ ઉભા થશે તો પણ તેઓ તમારું કંઈ બગાડી નહીં શકે. કરજનો ભાર વધી શકે છે. સંતાનની ચિંતા રહેશે.

મંગળની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. ૯ મણ ઘઉં હંમેશા ઘરમાં રાખવા.
૨. પાડાને ચારો ખવડાવવો અથવા મજૂરી કરતાં (ભાર ઉચકવાવાળા) માણસની સેવા કરવી.

બુધ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં બુધ ખાના નં. ૮ માં છે જેથી તમારે આ વર્ષે પિતાથી દૂર રહેવું પડે અથવા પિતાની ચિંતા રહેશે, પિતાનું ધન નષ્ટ થઈ શકે છે. તમને જીભ સંબંધી બિમારી થવાની શક્યતા છે. ગૃહસ્થ અને સંતાનનાં સંબંધ થોડાં બગડી શકે છે. દરેક કામમાં ડગલે-પગલે તમારે સમજી-વિચારીને ચાલવું જોઈએ. મુસાફરીથી નુકશાનની શક્યતા છે, તેથી સતર્ક રહેવું.

બુધની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. ગૌ ગ્રાસ આપવું.
૨. લોખંડની ગોળીને લાલ રંગ કરીને પાસે રાખવી.

ગુરુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં ગુરુ ખાના નં. ૫ માં શુભ છે જેથી તમને આ વર્ષે ઉચ્ચ પદ અને માન-સન્માન મળશે. જો આ વર્ષે તમારા કુટુંબમાં પુત્રજન્મ થાય તો કુટુંબની અસિમિત પ્રગતિ શરૂ થઈ જશે. પિતા-દાદાની મદદ શંકાશીલ હોઈ શકે છે. વર્ષ શરૂ થતાં જ તમારી પ્રગતિ થશે. આયુષ્ય વધશે, સંતાન સુખ મળશે. લેખન દ્વારા લાભ મળશે.

ગુરુની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. હોડી સાથે સંબંધ ન રાખવો.
૨. નાસ્તિક ન થવું.

શુક્ર

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં શુક્ર ખાના નં. ૧ માં છે જેથી આ વર્ષે તમારે કુટુંબમાં અગ્રણી રહેવું પડતીનું કારણ બનશે. ચાલ-ચલગત ખરાબ થશે તો તેની અસર વ્યવસાય અથવા વિદ્યા વગેરે પર પડી શકે છે. તમારાં અમુક કામ અધૂરાં રહી શકે છે. માન-સન્માન, ઉચ્ચ પદ નષ્ટ થઈ શકે છે. પરણેલાં હશે તો પત્નીનું ભાગ્ય સાથે આપશે જેથી લાભ થશે.

શુક્રની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. જવ અથવા સરસવ અથવા ચરી દાન કરવાં.
૨. ગાય, કાગડા અને કુતરાને ભોજનનો ભાગ આપવો.

શનિ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં શનિ ખાના નં. ૮ માં છે જેને કારણે જો આ વર્ષે તમે જુગાર/સટ્ટો વગેરે રમશો તો તે તમને નુકશાન કરાવશે, લોખંડ, મશીનરીનું કામ સમજી-વિચારીને કરવું આ કામોથી લાભ ઓછો મળશે. ધનવાનનું ધન લૂંટીને ગરીબોમાં વહેંચવાની વિચારધારા ધરાવતાં હશે.



નાસ્તિકપણાને કારણે તમારી હાર અને નુકશાન થશે. ધાર્મિક વિચાર કરવાં.

શનિની અશુભતા ઓછી કરવા માટે નીચે જણાવેલ ઉપાયો કરવા.

ઉપાય :

૧. માથે કેસરનું તિલક કરવું.
૨. મકાનમાં છેલ્લે અંધારિયો ઓરડો બનાવવો.

રાહુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં રાહુ ખાના નં. ૩ માં શુભ છે જેને કારણે આ વર્ષે તમારા દુશ્મનો તમારા ઉપર જોર નહીં કરી શકે, ભવિષ્યમાં ઘટવાની ઘટનાની તમને પહેલેથી જાણ થઈ જશે. તમારી કલમમાં તલવારથી વધારે તાકાત હશે, તમને ઉચ્ચ પદ મળશે અથવા તમને મોટું સન્માન મળશે. નોકરી-વેપારમાં ખૂબ જ પ્રગતિ થશે, પરંતુ સંતાનની ચિંતા રહેશે.

રાહુની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. હાથી દાંત પાસે ન રાખવો.
૨. હાથીનાં ત્રણ રમકડાં ઘરમાં ન રાખવા.

કેતુ

તમારી વર્ષ કુંડળીમાં કેતુ ખાના નં. ૨ માં શુભ છે જેને કારણે આ વર્ષે યાત્રા કરવાથી તમને ધન લાભ અને માન-સન્માન મળશે, દલાલી અથવા કમિશન એજન્ટનાં કાર્યથી લાભ થશે. તમારાં હાથે લાખો-કરોડો રૂપિયાની આપ-લે થતી હશે તો પણ તમારાં ભાગે દલાલની દલાલીની જેમ જ ધનલાભ થશે. સરકાર અથવા સરકારી વિભાગ તરફથી ધનલાભ થઈ શકે છે.

કેતુની શુભતા વધારવા માટે નીચે જણાવેલ પરહેજ કરવા.

પરહેજ :

૧. પરસ્ત્રી સાથે અનૈતિક સંબંધ ન રાખવા.
૨. નકલી સોનું (ઘરેણાં) ન પહેરવું.

વર્ષને શુભ બનાવવા માટે વર્ષની શરૂઆતમાં વિશિષ્ટ ઉપાય

૧. ૪૩ દિવસ હળદર / કેસરનું તિલક કરવું.

(ઉપરોક્ત ઉપાય જન્મદિવસ કો યા જન્મદિવસ થી ૪૦ દિવસ કે ભીતર કરે/શુરૂ કરે.)

લાલ કિતાબનાં ઉપાયો

લાલ કિતાબનાં ઉપાયો ક્યારે અને કેવી રીતે કરવા?

૧. ઉપયા સૂર્યોદય પછી સૂર્યાસ્ત સુધી દિવસનાં સમયે કરવો, રાત્રે ઉપાય કરવો ઘણી વખત અશુભ ફળ આપી શકે છે. ફક્ત ચંદ્રગ્રહણનો ઉપાય રાત્રે કરી શકાય છે.

૨. ઉપાય શરૂ કરવા માટે કોઈ ખાસ દિવસે સોમવાર અથવા મંગળવાર વગેરે, સીંતિ, અમાસ અથવા પૂનમ વગેરેનો કોઈ વિચાર ન કરવો.

૩. તમારો કોઈ લોહીનો સંબંધ ધરાવતો સંબંધી જેમ કે ભાઈ-બહેન, માતા-પિતા, દાદા-દાદી, પુત્ર-પુત્રી વગેરેમાંથી કોઈપણ ઉપાય કરી શકે છે જેનું ફળ મળશે.

૪. એક દિવસમાં ફક્ત એક જ ઉપાય કરવો, એક દિવસમાં બે ઉપાય કરવાથી શુભ ફળ નહીં મળે અથવા કરેલ ઉપાય નિષ્ફળ થઈ શકે છે.

૫. જે પરહેજ જણાવવામાં આવે જેમ કે માંસ-માછલી ન ખાવા, દારૂનું સેવન ન કરવું, ચાલ-ચલગત સારી રાખવી, જુદું ન બોલવું, એકું ન ખાવું ન ખવડાવવું, દાનત ખરાબ ન કરવી, પરસ્ત્રી-પરપુરૂષ સાથે સંબંધ ન રાખવા, વગેરેનું વિશેષ ધ્યાન રાખવું.

૬. જે ઉપાય જેટલા સમય માટે લખેલ છે તેટલા સમય સુંઘી કરવો, આગળ તે ઉપાય બંધ કરી દેવો.

૭. જો કોઈ કારણસર ઉપાય વચ્ચે જ બંધ કરવો પડે તો જે દિવસે ઉપાય બંધ કરવાનો છે તેનાં એક દિવસ પહેલાં થોડાં ચોખા દૂધથી ઘોઈને સફેદ કપડામાં બાંધીને પાસે રાખવાં અને જ્યારે બીજી વખત ઉપાય શરૂ કરવાનાં હોય તે ચોખા ધર્મસ્થાનમાં અથવા વહેતા પાણીમાં અથવા કોઈ બાગ-બગીચા વગેરેમાં નાંખીને ઉપાય ફરીથી શરૂ કરી દેવો. આમ કરવાથી ઉપાય અધૂરો નહીં રહે અને તેનું પુરું ફળ મળશે.

૮. દરેક ઉપાય ૪૩ દિવસ અથવા ૪૩ અઠવાડિયા અથવા ૪૩ મહિના અથવા ૪૩ વર્ષ સુંઘી કરવાનો હોય છે, ઉપાય વચ્ચે તુટી જાય પછી તે ૩૯મા દિવસે હોય તો પણ તે સંપૂર્ણ નિષ્ફળ થઈ શકે છે અથવા શુભ ફળ ઓછું મળે છે.

૯. જન્મ કુંડળીમાં અશુભ ગ્રહોના વર્ષફળ કુંડળીમાં ઉપાય તમારા જન્મદિવસથી ૪૦-૪૩ દિવસની અંદર જ કરવા.

૧૦. ઘરમાં કોઈ સૂતક (બાળકનો જન્મ હોય) અથવા પાતક (કોઈ મરી જાય) થઈ જાય તો ૪૦ દિવસ ઉપાય ન કરવો જોઈએ.

૧૧. વડીલોનાં રીત-રિવાજોને ન તોડવા અને સંસ્કાર પૂર્ણ કરવા.

